मासिक

jaihaatkeshvani.com

जय हाटकेश वाणी

जनवरी-फरवरी 2016, वर्ष : 10 अंक : 9

नागर ब्राह्मण समाज की वेबसाईट पर
रिश्तों के लिए निःशुल्क पंजीयन करें
nagarmarriage.com

Franchisee Invited

Start Your Own Preschool, With KNMS

[Playgroup (Day Care)/Nursery/Jr.K.G./Sr.K.G.]

Call Now 9950656082

K. N. MODEL SCHOOL

KNMS

"कृण्वन्तो विश्वमार्यम्"

An Initiative of Kanhaiya Lal Nagar Sansthan, Well Known as K. N. Sansthan, Udaipur.

Contact:

2-A, Mahaveer Colony, Opp. TRI, Ashok Nagar, Udaipur-313001, Rajasthan
Email: knms.info@gmail.com

इस विशेषांक के प्रायोजक है...

हैदराबादी रियल पर्लस् के होलसेल विक्रेता

K. Chandrakant
21-2-131/7, Charkaman,
Opp. Agara Hotel, Hyderabad
Fax: 040-24577996,
Phone: (S) 24578017, ® 24577157
Rep: Navratan Vyas, Rajendra Vyas
Exporter & Importer
Widest & Exclusive range in Pearls
Speciality in Hyderabadi-Nizami Jadav Jewellery
Kundan Jewellery & Precious & Semi Precious Stone

K. Chandrakant & Sons
7-1-932, R.P. Road, opp. Canara Bank,
Kingsway, Secunderabad
Fax: 040-24577996,
Phone: (S) 27702579, ® 24577157
Rep.: Dhanraj Vyas,
Manish Vyas
Wholesalers & Exporters
Widest range in
Pearls Sets, Jaipuri, Kundan
Precious & Semi Precious-Stone Real
Navratan & Birth Stones

K. Chandrakant
Gems and Jewellers
Shop no. 3/A, 3rd Floor, Ruby Chamber,
40/42, Dhanji Street, opp. Cheeda Opticals,
Zaveri Bazar, Mumbai-400 003
Rep.: Dhanraj-Rajendra-Manish Vyas
D. Cell: 09391040983
(R) 09346998456
(M) 09849491444

Chandrakant Kalidas
Resi.: Samudrimata Mandir,
Room No. 2,
Ground Floor, 155/C,
Bhooleshwar Road,
opp. Motilal Masalawala,
Bombay-400 002
N. Cell: 09393327738
(A) 09885665559

जन्मदिन की बधाई

चि. वेदार्थ

सुपुत्र– सौ.दीक्षा–अश्विनभाई (22 फरवरी)

शुभाकांक्षी :
दादाजी–दादीजी : श्री रमेशचन्द्र–सौ.आशा शर्मा,
नाना–नानीजी : श्री अनूपराम–सौ.रेखा दीक्षित
समस्त शर्मा, नागर, दीक्षित परिवार
इन्दौर, उज्जैन , डेलची, आगरा, बैंगलूरु

विवाह वर्षगांठ की बधाई

अभिषेक सौ.नुपूर दीक्षित (8 फरवरी)

शुभकामनाएँ– अश्विन शर्मा, दीक्षा शर्मा,
विकास नागर, स्वाति नागर, सात्विक वेदार्थ एवं
समस्त शर्मा परिवार, इन्दौर, दीक्षित परिवार आगरा

प्रथम वैवाहिक वर्षगांठ पर बधाई

शुभेच्छु : बसन्तीलालजी नागर, डॉ. गोपालकृष्ण नागर, उमादेवी नागर (घटिया)
डॉ. अशोक नागर-बबीता नागर, राकेश मेहता-नेहा मेहता, लव मेहता
मो. 9179121755

संस्थापक

श्री शिवप्रसादजी शर्मा श्रीमती प्रभा शर्मा

प्रेरणा स्त्रोत

श्री गोवर्धनलालजी मेहता श्री विष्णुप्रसादजी नागर

संरक्षक

पं.श्री कमलकिशोर नागर, सेमली
पं.श्री आर.के.झा, कोलकाता
पं.श्री पुरुषोत्तम (परेश) पी.नागर, मुम्बई
पं.श्री महेन्द्र नागर, बैंगलौर
पं.श्री नवरत्न व्यास, हैदराबाद
पं.श्री हरिप्रसाद नागर, अकलेरा
पं.श्री सुभाष व्यास, भोपाल
पं.श्री ओमप्रकाश मेहता, भोपाल
पं.श्री सुनील मेहता, मन्दसौर
पं.श्री सुरेन्द्र मेहता (सुमन) उज्जैन
पं.श्री कृष्णानंद मेहता, खण्डवा

प्रधान सम्पादक
सौ.संगीता दीपक शर्मा

सम्पादक
सौ.दिव्या अमिताभ मंडलोई
सौ.दमिता नवीन झा

विज्ञापन
पवन शर्मा-9826095995

सुविधाओं के बारे में सूचना

मासिक जय हाटकेश वाणी में प्रकाशन हेतु सामग्री प्रतिमाह 20 तारीख तक अवश्य भेज देवें। यदि ईमेल पर प्रकाशन सामग्री भेजते हैं तो प्राप्ति के सम्बंध में मनीष शर्मा मो. 9926285002 से कन्फर्म अवश्य कर लें।

अपने फोटो एवं प्रकाशन सामग्री आप वाट्सएप पर भी भेज सकते हैं इस हेतु ये नम्बर सेव कर लेवें।

मो. 8878171414, 9826146388

'वाणी' के लिए मैसेज करें

डाक एवं पोस्ट की अव्यवस्था के चलते कई स्थानों पर जय हाटकेश वाणी पहुँच नहीं पाती है, यदि आपको निर्धारित समय तक पत्रिका न मिल पाए तो अपना नाम पता निम्नलिखित मोबाइल नं. पर मैसेज करें- मो. 9425063129.

वाणी प्राप्ति हेतु निम्न स्थानों पर स्थानीय स्तर पर सम्पर्क किया जा सकता है, जहां पत्रिका की अतिरिक्त प्रतियां भेजी जाती है। इन स्थानों पर स्वयं जाकर भी प्राप्त कर सकते हैं।

भोपाल - श्री सुभाष व्यास,
अरेरा कॉलोनी फोन 0755-2463303

रतलाम- श्री ओम त्रिवेदी
टी.आय.टी. रोड़ फोन 07412-230222

उज्जैन- श्री संजय जोशी इंदिरा नगर मो. 9425917540

(इनके अलावा नागर बहुल नगरों में जो समाजजन पत्रिका वितरण में सहयोगी बनना चाहते हैं तो वे हमसे अवश्य सम्पर्क कर लेवें। धन्यवाद

आगामी अंक अब अप्रैल 2016 में सिंहस्थ पर्व विशेषांक- म.प्र. निर्देशिका के रूप में प्रकाशित होगा।

जय हाटकेश वाणी

मूल्य 10/-रुपये

सम्पर्क- अवन्तिका परिसर, 20, जूनी कसेरा बाखल, (खजूरी बाजार), इन्दौर-452002
फोन : 0731-2450018, मो. 9826095995, 9926285002

website : www.jaihaatkeshvani.com, / E-mail : jayhotkeshvani@gmail.com / manibhaisharma@gmail.com

जन्मदिन की बधाई
चि. आर्य
(सुपुत्र- विशाल-सौ.पूजा शर्मा)
जन्मदिन की
हार्दिक शुभकामनाएँ
बड़ी दादी- श्रीमती उषा शर्मा
बड़े दादा-दादी- श्री अशोक शर्मा (पटेल)-सौ.दुर्गा शर्मा
दादी-दादी- श्री सुरेन्द्र-सौ.सुशीला शर्मा
एवं समस्त रावल एवं शर्मा परिवार देवास
धर्म के नाना-नानी :ओमप्रकाश पहलवान-
सौ.राजश्री सौ.सुनिता वर्मा (खजराना)
नाना-नानी : श्री भरत-सौ.निर्मला रावल
106, अलकापुरी, देवास
मो. 9303228767, 9301965493
निवास- फ्लेट नं. 303, Christa-1, अपोलो डी.बी. सिटी,
निपानिया, इन्दौर मो. 9351261431, 4064082

नागर समाज के प्रखर शिल्पी को साधुवाद-बधाई

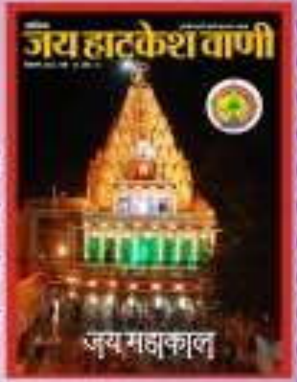

उपरोक्त संदेश जय हाटकेश वाणी के सम्पादक मंडल के लिए उस वाट्सअप नंबर पर आया है जिसे 'वाणी' में प्रकाशन सामग्री मंगवाने हेतु प्रकाशित किया गया है। आमतौर से कहा जाता है कि 'निंदक नियरे राखिये'। समाज का काम करने जब कोई व्यक्ति निकलता है तो वह सोचकर ही चलता है कि उसकी बहुत टांग खिंचाई होगी। लोग उसके काम में कमी निकालेंगे, उसकी निंदा करेंगे। समाजसेवा में उसके प्रति स्पर्धी उसके स्थायी दुश्मन हो जाएंगे। लेकिन समाजसेवा करने वाले को सिर मुंडाते ही ओले पड़ने के बजाय कभी-कभी सुखद बोछार बड़ी प्रोत्साहित करती है। यह सामाजिक पत्रिका का प्रतिमाह प्रकाशन एवं वितरण का काम भी बड़ा दुरुह है। सभी समाजजन अपने-अपने हिसाब से सोचते एवं टिप्पणी देते हैं, लेकिन यकीन मानिए निंदा के ओले सहने के बाद 'प्रखर शिल्पी' जैसा शब्द सुनना बड़ा आनन्द प्रदान करता है। प्रेरणा और प्रशंसा के शब्द कई बार प्रोत्साहित करते हैं, परन्तु इसके साथ ही समाजजन इस कार्य में अधिकाधिक आर्थिक सहयोग देने का भी मानस बनाएं, क्योंकि महंगाई के इस जमाने में 550 रु. में आजीवन सेवा देना असम्भव ही नहीं आश्चर्यजनक भी है। 'वाणी' के माध्यम से समाज में जो जागरुकता एवं परिवर्तन हो रहे हैं वे सर्वविदित है, इस कार्य में आप हमें तन-मन-धन से सहयोग दें। इसी आशा के साथ...

सम्पादक

सदस्यता-नवीनीकरण आवेदन पत्र

मैं ....

डाक का पूरा पता (पिनकोड सहित) ....

....

मासिक **जय हाटकेश वाणी** का आजीवन सदस्य बनना चाहता हूँ। जिसके लिए निर्धारित आजीवन सदस्यता शुल्क 550 रु. नगद/चैक/ड्राफ्ट या आपके बैंक अकाउंट द्वारा निम्नलिखित पते पर भेज रहा हूँ। मैंने यह शुल्क आपके खाते 'जय हाटकेश वाणी' केनरा बैंक शाखा एम.जी. रोड, (गोराकुण्ड) इन्दौर में खाता क्रमांक - 0325201004027 में जमा किया है।

सम्पर्क- **जय हाटकेश वाणी**, 20 जूनी कसेरा बाखल (खजूरी बाजार), इन्दौर-452002 मो. 9926285002, 9926563129 www.jaihaatkeshvani.com

E-mail : jayhotkeshvani@gmail.com / manibhaisharma@gmail.com

बधाईयाँ... शुभकामनाएँ...

श्री विवेक नागर

(सुपुत्र- स्व. डॉ. विजय कुमार नागर)

प्राचार्य-ज्ञान मंदिर विधि महाविद्यालय, नीमच

को

उनके शोधप्रबंध- "महिलाएँ और मानवाधिकार, कामकाजी महिलाओं के वैधानिक संरक्षण" के संदर्भ में

डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी

की उपाधि प्राप्त होने पर बधाईयाँ, शुभकामनाएँ

शुभाकांक्षी- डॉ.नरेन्द्र नागर एवं समस्त परिवार

नागर ब्राह्मण समाज में
नए युग का सूत्रपात

दिसम्बर माह की 25-26 एवं 27 तारीख नागर इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखी जाएगी। इस दौरान मुम्बई के श्री नागर भगवती मंडल के सदस्य परिवार सहित उज्जैन एवं ओंकारेश्वर की धार्मिक यात्रा पर पधारे थे। श्री नागर भगवती मंडल विगत 64 वर्षों पूर्व गठित ऐसा संगठन है जिसकी स्थापना श्री नागर ब्राह्मण समाज के दूर-दर्शियों ने समाज के विभिन्न घटकों को एक मंच पर लाकर उन्हें संगठित कर संयुक्त आयोजन किए जाने की मंशा से की थी। वर्तमान में इस मंडल के 125 से अधिक सदस्य मुंबई में है, जिनमें श्रीनगरा ब्राह्मणों के साथ अन्य नागर घटक वडनगरा, विसनगरा आदि भी उसमें सम्मिलित है, ये सभी सदस्य परिवार वर्ष में एक बार विशेष धार्मिक कार्यक्रम करते हैं तथा उसी के अंतर्गत स्नेह मिलन भी होता है। इस वर्ष का कार्यक्रम इन्होंने उज्जैन एवं ओंकारेश्वर भ्रमण का रखा, जिसके अंतर्गत हवन-पूजन कार्यक्रम एवं स्नेह मिलन श्री हाटकेश्वर धाम में आयोजित किया गया।

नए युग का सूत्रपात एवं स्वर्णिम अक्षरों जैसे महत्वपूर्ण शब्दों का उपयोग यहां किए जाने का उद्देश्य यह है कि राजस्थान के तीन जिलों जालोर, सिरोही एवं पाली के मूल निवासी श्रीनगरा या बंधारा नागर ब्राह्मण कहे जाने वाले 1100 से अधिक परिवार अपने विभिन्न रीति-रिवाजों से बंधे होने के कारण अपने दायरे से बाहर नहीं निकल पा रहे थे। खासकर इनके बीच साठा प्रथा (विवाह सम्बंधों में लड़के-लड़कियों का आटा-साटा) की वजह से अब तक जितने भी विवाह सम्बंध आपस में ही हुए तथा इस वजह से नागर ब्राह्मण समाज के अन्य घटकों से इनके सम्बन्ध नहीं बन पाए तथा समाज का विस्तार नहीं हो पाया।

मासिक जय हाटकेश वाणी एवं उज्जैन-ओंकारेश्वर की यात्रा से नागर घटकों में आपसी मेल-जोल एवं भविष्य में विवाह सम्बंध भी होने की संभावना प्रबल हुई है। हालांकि श्रीनागर ब्राह्मण समाज के प्रबुद्ध वर्ग ने अन्य नागर घटकों में सम्बन्ध करने की शुरुआत कर दी है, लेकिन यह संख्या बहुत कम है। हमारे समाज के लिए यह विडंबना की बात है कि हम आज भी विभिन्न घटकों में बंटे हुए हैं तथा आज संगठन के युग में भी एक नहीं हो पा रहे हैं। जबकि राष्ट्रीय स्तर पर समाज की जनगणना कराई जाकर समाज को एकसूत्र में बांधना चाहिए, साथ ही विदेशों में रह रहे नागर ब्राह्मण परिवारों की जानकारी एकत्र कर उनकी समृद्धि का लाभ समाज की गतिविधियों में लेने का प्रयास किया जाना चाहिए।

-संगीता-दीपक शर्मा

मंगल परिणय की बधाई...शुभकामनाएँ...आभार

स्व. रामप्यारी बाई-स्व. पं. रामस्वरुपजी नागर की सुपौत्री एवं
सौ. ममता-पं. विमल नागर, उज्जैन की सुपुत्री

सौ.कां.प्रेरणा का मंगल परिणय

चि. अंकित (सुपौत्र-स्व.पद्मादेवी-पं. शिवनारायणजी शुक्ल
एवं सुपुत्र-सौ.कल्पना-पं.कैलाशचंद्रजी शुक्ल)
के साथ दिनांक 27 नवम्बर 2025 को पारंपरिक रितिरिवाजों के साथ सम्पन्न हुआ।

साथ ही सौ.ममता -पं. विमल नागर के सुपुत्र **चि.पार्थ** एवं सौ. संगीता-मनीष व्यास के सुपुत्र **चि.सान्निध्य** का यज्ञोपवीत संस्कार भी सम्पन्न हुआ। समस्त नागर, व्यास, शर्मा एवं शुक्ल परिवार द्वारा नव वर-वधू व बटुकों को आशीर्वाद एवं बधाई दी और इस सफलतम समारोह में उपस्थित सभी मेहमानों का आभार माना।

शुभाकांक्षी-

सौ.निर्मलादेवी-पं.कमलकिशोरजी नागर,
सौ.ममता-पं.विमल नागर,
सौ.दीपाली-पं.प्रभुजी नागर, चि.पार्थ,
डॉ.सुधीर, बलराम, सुनील, सुमीत,
पं. ब्रजेश, सुशील, विनोद
सौ.गिरजा-शिवकुमारजी शर्मा,
सौ.गायत्री-बद्रीलालजी शर्मा
एवं समस्त नागर व शुक्ल परिवार

गाँधी नगर में जीवनसाथी परिचय सम्मेलन सम्पन्न

समस्त गुजरात नागर परिषद (महामंडल) राज्य स्तरीय जीवन साथी परिचय सम्मेलन 9-10वाँ 3 जनवरी 2016 रविवार को टाऊनहाल गाँधीनगर में सम्पन्न हुआ।

गुजरात एवं गुजरात से बाहर के समाजजनों को एकत्रित कर नागर युवक-युवतियों के जीवन के महत्वपूर्ण मोड़ पर मार्गदर्शक बनने के लिए यह नम्र प्रयास था जिसे अभूतपूर्व सफलता मिली। लगभग 500 युवक-युवती इस सम्मेलन में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारम्भ देव आराधना के द्वारा किया गया। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि श्री हितेश भाई रावल सरकारी वकील (गांधी नगर मेनकोर्ट) के द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया, जिसके बाद हमारे प्रेरणास्त्रोत दानी प्रमुख श्री नरेशचन्द्र राजा ने अतिथि विशेष का परिचय कराया। सभी आमंत्रित मेहमानों का स्मृति चिन्ह देकर अभिवादन किया गया। मुख्य अतिथि श्री हितेश भाई रावल ने 11,111 रुपये का अनुदान दिया।

कार्यक्रम में समाज का विशिष्ट सम्मान नागर क्रांति विरांगना दुर्गा भाभी अवार्ड डॉ.नरेन्द्र नाथ नागर की धर्मपत्नी समाज सेविका श्रीमती मंजूबेन नागर को भेंट किया गया। ब्राह्मण तथा तमाम नागर संस्थाओं में अविरत सेवा के लिए गोपी दादा के नाम से प्रसिद्ध बलवंत काका का विशेष सम्मान संस्था के चेयरमेन श्री अरुणभाई बुच द्वारा किया गया। सम्मेलन का द्वितीय चरण जीवन साथी का परिचय कार्यक्रम अति-आनंद एवं उत्साह के साथ शुरु हुआ। उम्मीदवारों ने स्टेज पर आकर स्वपरिचय दिया। इस परिचय में संकलनकर्ता एवं उद्घोषक मिहिर देसाई एवं श्रीमती भारती बेन त्रिवेदी ने अपनी सूझबुझ एवं चातुर्य युक्त वाणी से उम्मीदवारों का मार्गदर्शन किया। इस समारोह को सफल बनाने के लिए संस्था उम्मीदवारों एवं उनके माता-पिता की खूब आभारी है।

सुयश पर बधाई

कु. आयुषी शर्मा

(पौत्री-श्री रमेश-सौ.उमा शर्मा, राऊ (इन्दौर)
(आत्मजा-श्री आनन्द-सौ.अर्चना शर्मा)

ने अभिरुचि विकास मंच द्वारा स्व. विष्णुप्रसादजी नागर की स्मृति में आयोजित सांस्कृतिक संध्या वर्ष 2015 की नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। आयुषी की इस उपलब्धि पर समस्त परिजन एवं समाज बंधुओं ने बधाई दी।

जन्मदिन की बधाई

विशाखा

सुपुत्री : कन्हैया-अलका मेहता
29 जनवरी

: शुभेच्छु :
प्रभावती स्व.धनेश्वरजी मेहता
एवं समस्त मेहता परिवार, खजराना, इन्दौर
व बाड़ोली (देवास)
मो.98250-28874

अवनीश नागर को पी.एच.डी.

बधाईयाँ

जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय उदयपुर (राजस्थान) द्वारा **श्री अवनीश नागर** को उनके शोध **'दक्षिणी राजस्थान में वनवासी महिलाओं की आजीविका पर स्वयं सहायता समूह के प्रभाव का अध्ययन'** के लिये पी.एच.डी. प्रदान कर सम्मानित किया है। श्री अवनीश ने अपना यह शोधकार्य विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. प्रमोदकुमार वाजपेयी के मार्गदर्शन में सम्पादित किया।

श्री अवनीश नागर को प्राप्त इस गरिमामयी सम्मान के लिए क्रमशः श्री ओमप्रकाशजी नागर (पिताजी) श्रीमती आशा नागर (मातुश्री) श्रीमती डॉ. नेहा नागर (पत्नि), कु. आद्या नागर (बेटी), श्री दीपक रावल (बहनोई) श्रीमती अरुणा रावल (बहन) श्री नरेन्द्र शर्मा (श्वसुर), श्रीमती मंजु शर्मा (सासुमाँ) हिमांशु शर्मा (सालेजी), डॉ. दीप्ति शर्मा (साले की पत्नि) सहित नागर परिवार, रावल परिवार एवं शर्मा परिवार से संबंधित सभी सदस्यों ने अपनी शुभकामनाएँ, बधाईयाँ एवं आशीर्वाद प्रदान किए।

नागर सांस्कृतिक संस्था, मुम्बई

मकर संक्रांति पर विविध रोचक कार्यक्रम सम्पन्न

नागर सांस्कृतिक संस्था मुंबई ने मकर सक्रांति कार्यक्रम धूम धाम से मनाया. यह कार्यक्रम नवी मुंबई स्वामीनारायण कला केंद्र में संपन्न हुआ, जिसमें काफी संख्या में नागरबंधू एवं भगिनियों ने सहपरिवार अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम के मुख्य संचालक श्री शैलेश याग्निक और उनके सहयोगी श्री राजेश एवं डिंपल नागर, श्री अजय नागर , अदिति नागर , मनीषा याग्निक एवं अलोक मेहता ने सक्रिय योगदान दे कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

संस्था के वरिष्ठ श्री जुगल मोहनजी याग्निक, श्री विजय जोशी, श्री रश्मिकांत त्रिवेदी एवं श्रीमती विमला जानी की गरिमामय उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वामीनारायण कला केंद्र की छत पर रंगबिरंगी पतंग उड़ने से हुई , नागरबंधुओं ने कई पतंगे उड़ाई , पेंच लगाये और पतंगबाजी का अच्छा माहौल बना। कई सदस्यों ने अतरंगी बालों की विग पहनकर अतरंगी रूप धारण किया। साथ ही चाय, काफी एवं अल्पाहार की व्यवस्था थी, भुट्टे चिक्की एवं झालमुड़ी का विशेष कर लुत्फ़ उठाया गया। सूर्यास्त होते-होते पतंगबाजी का दौर थमा और कार्यक्रम का दूसरा चरण आरम्भ हुआ जिसमें सभी आयु-वर्ग के लिए विभिन्न रोचक खेलों का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम राष्ट्रीय गीत 'जन गण मन' एवं लता मंगेशकर के गाये 'ए मेरे वतन के लोगों' द्वारा अभी हाल में पठानकोट आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात हमारी प्रिय लेखिका श्रीमती मंजुला जोशी का पुष्पगुच्छ से सम्मान किया गया। अभी हाल ही में आप के द्वारा लिखे दूसरे कहानी संग्रह पीढ़ियां एवं अन्य कहानियों का इंदौर लेखिका संघ द्वारा विमोचन किया गया है। इसके तुरंत बाद ही अलग अलग वर्ग के बच्चे एवं युवा के लिए रोचक खेलों का प्रारम्भ हुआ।

कार्यक्रम का समापन विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के विजेताओं को वरिष्ठ नागरिकों के करकमलों द्वारा पुरस्कार वितरण से किया गया। संयोग से हरदिल अज़ीज़ अमित नागर का जन्मदिन उसी रोज होने से वहीँ धूमधाम से मनाया गया और उन्हें बम्पर इनाम दिया गया। सभी ने अमितभाई को खूब आशीर्वाद एवं शुभकामना दी। इसके बाद सुरुचि भोज का आयोजन था, जिसमें मुख्य आकर्षण बाजरे की रोटी और बैंगन भर्ता था जिसका सब सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया।

जिस तरह सुंदर विचार के साथ शुरुआत हुई उसी तरह कार्यक्रम का सफल समापन भी हुआ। सब के दिलों में एक सुहानी याद छोड़ गया।

नगर पालिका शाजापुर की अध्यक्ष निर्वाचित होने पर

बधाईयाँ... शुभकामनाएँ...

श्रीमती शीतल क्षितीज भट्ट

(सुपुत्री-श्री देवीप्रसादजी-सौ.पवित्रा देवी नागर, ब्यावरा)

को नगर पालिका शाजापुर की अध्यक्ष निर्वाचित होने पर श्रीमती शीतल भट्ट एवं सम्पूर्ण नागर-भट्ट परिवार को बधाईयाँ, शुभकामनाएँ

-शुभाकांक्षी-

दिलीप कुमार-सौ.भाग्यश्री मेहता, मूलचंद-सौ.सुनीता मेहता,
नारायण-सौ.सरिता मेहता, अनंत-सौ.इन्दु मेहता, दीपक-सौ.पूनम मेहता,
अंकित, वैभव, आशुतोष, पल्लवी एवं माही सौ.मीना-रितेश शर्मा,
सौ.किरण-हरिओम व्यास, आशी शर्मा, श्रीमान व्यास एवं समस्त परिवार पचोर

मो. 9425074367

नागर ग्रन्थ के आवरण पर श्री हाटकेश्वर धाम एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री भगवन्तराव मण्डलोई को प्रमुख स्थान

गुजराती भाषा में लिखा गया यह ग्रन्थ 499 पृष्ठों में नागर ब्राह्मण समाज की अमूल्य धरोहर है। इसे बड़ौदा (वड़ोदरा-गुजरात) के वयोवृद्ध 77 वर्षीय श्री महेशकांत आत्मज भवसुखराय कच्छी निवासी जूनागढ द्वारा कड़े परिश्रम से तैयार किया है। इस ग्रन्थ का विमोचन 21 दिसंबर 2015 को बड़ौदा में नागर समाज के विशेष कार्यक्रम में 8वर्षीय इनकी पौत्री चि. प्राजक्ता कच्छी के कर कमलों से हुआ। लेखक सेवा निवृत प्रशासकीय अधिकारी उर्जा एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग से हैं। इस ग्रन्थ को इन्होंने अपने पिता स्व. भवसुखराय ईश्वरलाल कच्छी वडनगरा नागर के 108वीं जयंती पर तथा मातुश्री श्रीमती लीलावती के 105 वे जन्म जयंती पर समर्पित किया हैं। इस ग्रन्थ में आवश्यकतानुसार विषय अनुरूप सुन्दर चित्र भी जैसे हलार, सूरत, अहमदाबाद, पाटन, जामनगर, भावनगर, बनारस एवं जूनागढ के नगरों को वेशभूषा कैसी थी ? का सॉक्षिप्त वर्णन हैं।

सर्वप्रथम वयोवृद्ध लेखक महोदय का चरण वंदन करते हुए मैं अभिभूत हूँ कि उन्होंने अपने ग्रन्थ के मुखपृष्ठ पर उज्जैन नगर की हरसिद्धिपाल पर बने श्री हाटकेश्वरधाम का चित्र देकर हमारे मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया हैं। ग्रन्थ का अंतिम पृष्ठ भी (मध्यप्रदेश) के नागर समाज के गौरव माननीय स्व. मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश के श्री भगवन्तराव मण्डलोई का चित्र देकर समाज को महिमा मंडित किया है।

ग्रन्थ में पहले विभाग में नागरों के सम्बन्ध में भिन्न मतों के प्रासंगिक, नागर नामाभिधान अर्थात नागर जाति का इति-आश, मनुस्मृति एवं नाभाभिधान, विभिन्न विद्वानों के, मत, स्कन्द पुराण का मत, हाटक हाटकेश्वर बाबत मत, नागरों के प्रकार प्रश्नोरा, विशनगरा, साठोतरा, चित्तौड़ा, कृष्णपरा एवं वडनगरा।

विभाग दो मे स्वयं ने विभिन्न मतो का सुन्दर विश्लेषण किया। इसमें नागर, नागर पटेल, नागर महाजन तथा नागर ब्राह्मण का क्या अर्थ है बड़े ही रोचकता से वर्णन किया है। नागरों के सम्बन्ध में ऐतिहासिक प्रमाण, दंतकथाओं, नागवंश का भी उल्लेख है। हाटकेश्वर मंदिर स्थापना का, विसनगर का, मेहेता या म्हेता सही क्या है? वडनगर के पतन का वर्णन स्वतंत्र भारत के नागर लोक प्रतिनिधियों का इतिहास, नागरों में नरपुंगव नागरों का परिचय, नागरों के निवास व्रत, त्यौहार, विवाह सम्बन्ध, नागरों का व्यक्तित्व, नागरों के 5 ''प'' विवाह में वरघोड़ा, नागरों के व्यवसाय, विशिष्ट बोली, उच्चारण, शिष्टाचार, सप्तपदी, नागर की विनोद प्रवृति, नागरों की वेशभूषा, गोत्र, स्नान, सूतक नागरों में स्नान, सूतक के संबंध, श्मशान यात्रा, नागरों की प्रमुख संस्थाएँ, नागरी लिपि, नागरों के संस्कार एवं नागरों के अवटंक आदि। तीसरे भाग में नागरों में नरपुंगव अर्थात समाज के प्रेरणा पुरूषों में लगभग 22 महान व्यक्तियों का समाज-देश में क्या योगदान रहा है दर्शाया गया है। दीवान युद्धवीर, अमरजी, कुंवर जी पड्या जूनागढ, गौरीशंकर उदयशंकर ओझा एवं नागर भारतीय टीम के खिलाड़ी विनु मांकड का सचित्र जीवन परिचय भी दिया गया है।

चौथा एक परिशिष्ट है इसमें नागरी लिपि नागर समाज के प्रतीक चिन्ह कलम कड़छी एवं बरछी का सांगोपांग वर्णन है। मृत्यु उपरांत उत्तर क्रिया एवं सूतक दर्पण, समाज के मुख्यमंत्री विधायक, आदि का उल्लेख है। अंत में 68नागरों की एक विशेष सूची हैं इसमें नागरों में सेनापति, गुप्तचर विभाग के मंत्री, मालवी, हिन्दी बृज, गुजराती, संस्कृत, मराठी, फ्रेन्च, अरबी, उर्दू बंगाली भाषा के नागर विशेषज्ञों का संक्षिप्त परिचय है। नागरों में विधानसभा अध्यक्ष, पत्रकार, मुख्य सचिव शासन के, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, लोकपाल, पुलिस, विभाग में आई.पी.एस. प्रशासन में आई.ए.एस, फिल्म कलाकार, संगीत नृत्य, वैज्ञानिक, ज्योतिष, आकाशवाणी, टीवी., आयुर्वेद, दानवीर इतिहास पुरातन वेदों के कार्यो का लेखाजोखा प्रस्तुत किया गया। लेखक ने नागर जाति का इतिहास शब्द का प्रयोग नही किया है। इसके स्थान पर नागर जाति का इति-आश का प्रयोग किया है। उनके अनुसार इतिहास उसी का लिखा गया है जिसका आज अस्तित्व नही है। आज नागर समाज के पुरूष -महिलाएं अपनी जाति की सर्वांगीण उन्नति चाहते है। अत: ''इति-आश'' अर्थात वे समाज की नई भावी पीढ़ी से आशा करते है। लेखक ने समाज के सभी पहलुओं को सुक्ष्म दृष्टि से देखकर तथा अपनी लम्बी उम्र के अनुभव को इस ग्रन्थ में निचोड़ दिया है। इस ग्रन्थ को नागर समाज का वृहदकोष (एन्साइक्लोपीडिया) भी कहा जा सकता है।

पुस्तक प्राप्ति स्थान - ''नागर नामाभिधान अर्थात् नागर ज्ञातिनी इति-आश'' सम्पादक लेखक महेशकांत भवसुखराय कच्छी जे-05 कालिन्दी अपार्टमेन्ट पाशाभाई पार्क, रेसकोर्स, बड़ोदरा-गुजरात -390007 मूल्य रू. 320/-मात्र मो0-09429553255, दूरभाष - 0265-2338530

समीक्षक-डॉ. नरेन्द्र कुमार मेहता
'मानस शिरोमणि, ऋषिनगर विस्तार उज्जैन
मो. 0734.2510708/ 9424560115

पुण्य स्मरण

आपके आदर्श हमें सद्मार्ग पर चलाते रहेंगे...फिर भी आप सदा याद आते रहेंगे...

डॉ. सुरेन्द्रकुमारजी शर्मा

अवसान-08 जनवरी 2015

सदैव श्रद्धावनत : श्रीमती कोमल शर्मा, मुरलीधर-सौ. शारदा शर्मा
महेन्द्र-सौ.सुनीता शर्मा, सौ.पुष्पा-चन्द्रशेखरजी नागर, विजेन्द्रकुमार-सौ.कुसुम शर्मा
सौ.पुर्णिमा-आशीषजी नागर, शुभम, कु.अर्पणा (पिंकी), कु.प्रतिभा (चिंकू), शिवम,
देवेन्द्र (रिकू), आशुतोष, प्रतिष्ठा (नन्ही), शाम्भवी (मिठी), मौक्षा (टुकटुक)
एवं समस्त शर्मा परिवार माकडोन (उज्जैन) मो. 94248 15705

भागवत प्रवचन में प्राप्त ₹3,81,500 गौशाला संचालन हेतु भेंट

राजस्थान की मुख्यमंत्री ने भी सुने पं.नागर के प्रवचन

राजस्थान में झालावाड़ जिले के कस्बा रायपुर में मालव संत पं.कमलकिशोरजी नागर द्वारा श्रीमद् भागवत् कथा का आयोजन 16 से 22 दिसम्बर 2015 तक किया गया। भागवत कथा स्थल पर लगाई गई गोग्रास पेटियों व श्रीमद् भागवत कथा में भेंट 3,81,500 रुपये गौशाला समिति को सौंप दिए गए। यह राशि गोशाला के सुचारु संचालन एवं विकास में उपयोग की जाएगी।

कथा के दौरान पं.कमलकिशोरजी नागर ने श्रीमद् भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहा कि आस्तिक एवं सच्चे भक्त के साथ ईश्वर रुपी अदृश्य तत्व सदैव विद्यमान रहते हैं, जिस प्रकार बीमार व्यक्ति गुरु की वाणी श्रवण करने के बाद निरोग एवं भाग्यशाली हो जाता है। उन्होंने कहा कि जीवन में कभी निराश नहीं होना चाहिए सदैव श्रद्धा एवं भक्तिभाव से प्रभू का स्मरण करना चाहिए। उसी से जीवन सफल होगा। सांसारिक विषयों में भटकने के बजाय जीवन को आस्था एवं भक्ति के साथ पुरुषार्थ करते हुए सार्थक करना चाहिए। कथा के प्रथम दिवस जिला कलेक्टर विष्णुचरण मल्लिक एवं पुलिस अधीक्षक राजेन्द्रसिंह कथा में आए।

कथा के समापन दिवस पं.श्री नागर ने गाय की दुर्दशा पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा मिलना चाहिए। चंदन का पेड़ काटने पर सजा का प्रावधान है, लेकिन गाय की दुर्दशा पर कोई सजा नहीं। कथा समापन के एक दिन पूर्व राजस्थान की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने भी शिरकत की। वे डेढ़ घंटे से अधिक कथा पंडाल में रुकी तथा कथा समापन पश्चात् उन्होंने पं. नागर से अनौपचारिक चर्चा की।

-श्रीमती गायत्री कुलेन्द्र नागर
अकलेरा (राज.)

महिला सदस्यों ने त्यौहारों पर आधारित गेम्स का आयोजन किया

फेमिना ग्रुप मुम्बई

फेमिना ग्रुप की नवम्बर माह की मिटिंग में त्यौहारों पर एक रोचक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिसमें पूरे साल के त्यौहारों की सूची बनाई गई। उसके बाद हर त्यौहार पर गेम (खेल) रखा गया जैसे कि मकर संक्रांति पर 9 मिनिट में पतंग के चित्र बनाना, दीपावली पर दिए की बाती बनाना वगैरह। सभी सदस्यों ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

जनवरी की मिटिंग 15 जनवरी को थी। जिस दिन मकर संक्रांति थी। श्री याज्ञिकजी के यहाँ मिटिंग थी। उनकी तरफ से सभी बहनों को मकर संक्रांति के अवसर पर उपहार दिया गया, हल्दी कुमकुम भी हुआ, दूसरे सदस्यों ने भी अपनी ओर से उपहार दिए। रोचक खेलों का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम स्टार्टर (starter) पर था, जिस में घर में आए मेहमानों को भोजन पूर्व क्या नाश्ता दिया जा सकता है उस पर कार्यक्रम किया गया। सभी ने अपने विचार प्रस्तुत किए। अंत में स्वादिष्ट स्टार्टर 'तिल के टोस्ट' टीकीया और डेझर्ट (dessert) का आनंद लेते हुए सभी सदस्यों ने अगले माह के कार्यक्रम का सुझाव देकर हंसते-हंसते विदा ली।

-उषा ठाकोर, मुम्बई

गुरुजी की प्रेरणा से बांसवाड़ा में गौशाला की स्थापना

वे सब ढलती उम्र के साथ अब मार्गदर्शक और प्रेरणापूंज बन गए हैं तथा समाज में दूसरी पंक्ति के गौसेवकों का निर्माण नहीं हो पाया। जिस समाज के घरों में गाय रखने की परम्परा रही है वह पीछे छूट गई और अब पहली रोटी गाय तक सब सीमित हो गए। यही कारण रहा कि गौशाला का संचालन अन्य हाथों में चला गया। लेकिन इस समय परिवर्तन को भी देर नहीं लगी।

वागड़ बने वृन्दावन का संकल्प सम्पूर्ण बांसवाड़ा में गूंज रहा है। मुझे स्मरण हो रहा है कि दशकों पूर्व ब्रह्मलीन महंत श्री दीनबंधुदासजी महाराज ने नासिक से आकर एक कपिला गाय के साथ यहां गौशाला का शिलान्यास किया था, जो निरंतर प्रगति के साथ संचालित होती रही तथा नागर समाज के अनेक गौभक्तों ने इसके अध्यक्ष सचिव या सदस्य बनकर इसके संचालन की जवाबदारी को बखूबी निभाया।

बांसवाड़ा से समाजजनों का एक समूह हाटकेश्वर पाटोत्सव पर गुरुदेव पं. कमलकिशोरजी नागर का आशीर्वाद प्राप्त करने सेमली पहुँचा। भगवान हाटकेश्वरजी की पूजा अर्चना के बाद गुरुदेव के साथ परिसर एवं गौशाला का अवलोकन करते हुए गौमाता के चमत्कार देखे कि सबका ध्यान और दृष्टिकोण ही बदल गया। जब समूह में श्री नरेन्द्र पंड्या श्री बालमुकुन्द त्रिवेदी, श्री हितेन्द्र झा, आदि पं.श्री नागरजी से चर्चा में मशगुल थे उसी समय पंडितजी ने बांसवाड़ा आने की स्वीकृति दी तथा केवल एक माह के अंतराल में बांसवाड़ा के हाटकेश्वर प्रांगण में उनके दर्शन और सत्संग का नागर समाज को लाभ मिला। हमारे साथ सेमली गए श्री अरविन्द दवे गौशाला की व्यवस्थाओं को निहारते रहे तथा वहां से बांसवाड़ा में पुनः गौशाला स्थापना का संकल्प लेकर ही लौटे। एक समय श्री दवे के घर पर भी गाय का वास था, परन्तु परिवार बढ़ने तथा घर छोटे होते जाने से गौमाता को बिदाई देनी पड़ी थी, वे गौशाला स्थापना के गुमताड़े में खोए थे, तभी उन्हें त्रिपुरा सुन्दरी मार्ग पर स्थित अपने भूखंड में अर्द्धनिर्मित कमरों का स्मरण हो आया। उन्होंने पूरे भूखंड पर टीन शेड लगवाकर गौशाला आरम्भ कर दी। अपंग गाय, बछड़ों को यहां लाकर डॉक्टरों से उपचार करवाया।

अपने संकल्पों को मूर्तरूपता के धरातल पर लाने के बाद सभी सेवानिवृत्त नागर बंधुओं को यहां आमंत्रित किया। सम्मेलन का उद्देश्य नागर समाज को यहां की व्यवस्था संभालने के लिए आह्वान करना था। उन्होंने उपस्थितों से आग्रह किया कि वे पदाधिकारियों का चयन करके गौशाला का संचालन करें, परन्तु समाज ने श्री अरविन्द दवे को ही अध्यक्ष चुनते हुए अपनी कार्यकारिणी बनाने का आग्रह किया और समाज के लोगों ने अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

आसपास के भूखंड वालों ने अपने यहाँ गौग्रास उगाने तथा चराने के लिए अपने भूखंड उपयोग करने की सहमति दी। गौदुग्ध का विक्रय करने के स्थान पर सभी गौसेवकों के घरों में जाकर दुग्ध वितरण की व्यवस्था आरम्भ की। जिसमें उन्हें अपने सुपुत्र श्री हेमांग दवे और श्री रमेशचन्द्र त्रिवेदी का अभूतपूर्व सहयोग मिला। कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी श्री सुभाष त्रिवेदी को सौंपी और राजेन्द्र त्रिवेदी उन्हें कार्य सम्पादन में सहयोगी बने। गौशाला की गतिविधियों में गोभक्त श्री रघुवरदास एवं भागवत कथा वाचकों को सम्मिलित किया गया। गोप्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक मोहम्मद फैज खान ने हिन्दू-मुस्लिम समाज को ललकारते हुए अन्दाज में कहा कि पैगम्बर हजरत मुहम्मद साहब ने भी कहा था कि 'गाय के दूध में शिफा है, इसका मक्खन मुफीद है' अलबत्ता इसका गोस्त

बीमारी है। यही कारण रहा कि हिन्दू एवं मुस्लिम सब्जी विक्रेता अपनी अतिरिक्त सब्जी स्वयं आग्रह करके इस गौशाला को निःशुल्क और रियायती दामों में अर्पण कर देते हैं। गुरुवर पं. कमल किशोरजी नागर की प्रेरणा की स्थापित इस गौशाला को श्री दीनबंधु गौशाला, लोधा बांसवाड़ा के नाम से प्रचारित किया जा रहा है। दो वर्ष पूर्ण होने से पूर्व ही इसकी प्रगति उल्लेखनीय है। परन्तु चिंतनीय भी है कि जिन नागर समाजजनों के भूखंडों का गौसेवा में उपयोग किया जा रहा है। भविष्य में उनके द्वारा मकान बनाए जाने अथवा विक्रय किए जाने पर व्यवस्था का क्या होगा?

-मंजू प्रमोदराय झा
बांसवाड़ा (राज.)

प्रचलित प्रचार साधनों का उपयोग ही उपयुक्त

राष्ट्रीय नागर प्रतिष्ठान का भी मुखपत्र प्रकाशित होगा (अक्टूबर 2015 अंक) पढ़ा, प्रसन्नता हुई। मगर विचारणीय प्रश्न है कि कुछ वर्ष पहले वेबसाईट द्वारा समाज में जागृति लाने की शुरुआत हुई थी। अब नागर-बंधु, नागर समाज और ढेरों वेबसाईट हो गई। फेसबुक पर स्थानीय इकाईयों की नागर सेतु, जुनागढ़ी जमावट आदि है। पत्रिकाओं में गुजराती भाषा में नागर मित्र, कलम-कड़छी-बरछी, हाटकेशजन, नागरबंधु नागर युवक आदि एवं हिन्दी में नागर समाचार, हाटकेश्वर समाचार और जय हाटकेश वाणी उपलब्ध है। अगर किसी में इन सबसे बड़ी लाईन खींचने की क्षमता हो तो यह प्रशंसनीय है, अन्यथा उपलब्ध पत्रिकाओं को ही राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाना श्रेयस्कर होगा। मैंने ऐसी वेबसाईट भी देखी है जो अखिल भारतीय होकर सदस्यता अभियान चला रही है, परन्तु अनेक वर्षों से उसकी सदस्यता चार अंकों तक भी नहीं पहुँच पाई है। ऐसे कदम आत्मघाती सिद्ध होते हैं। मुझे प्रसन्नता है कि जय हाटकेश वाणी ने हाटकेश्वर समाचार और नागर समाचार से बड़ी लाईन खींचकर पत्रिका को वास्तव में राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाया है

-प्रमोदराय झा, नागरवाड़ा, बांसवाड़ा

नरसी जयंती पर भव्य शोभायात्रा निकली

भीनमाल (राज.) नागर ब्राह्मण समाज भीनमाल एवं नागर नवयुवक मंडल के संयुक्त तत्वावधान में नागर संत शिरोमणी श्री नरसी मेहता गुरुदेव के जन्म जयंती महोत्सव पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर सभी समाजजनों ने सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

पत्नी - सुनते हो जी, ये मिर्ची किस मौसम में लगती है?

.
.
.

पति - कोई ख़ास मौसम नहीं है ... जब सच बात बोलो तभी लग जाती है ... !

इन्तजार की घड़ियां खत्म...

आगामी अंक अप्रैल 2016 में सिंहस्थ विशेषांक के रूप में प्रकाशित होगा, जिसमें सिंहस्थ 2016 में देशभर से पधारने वाले समाजबंधुओं की सुविधा हेतु म.प्र. नागर निर्देशिका का प्रकाशन किया जाएगा।

विज्ञापन एवं सूचना हेतु सम्पर्क करें- मो. 9425063129

लोढी काशी बांसवाड़ा के सतरंगी कार्यक्रम

बांसवाड़ा ही नहीं देश-विदेश में भी दीपावली का पर्व बहुत उत्साह एवं धूमधाम से मनाया जाता है। और कार्तिक सुद एकम को नए वर्ष का आगाज होते ही अन्नकूट का आयोजन कर नई शुरुआत की जाती है। यही नहीं हमारे यहाँ श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम होते हैं। वागड़ प्रदेश में इसी चतुर्थी को मन्छाव्रत का उद्यापन कार्यक्रम इस कड़ी में महत्वपूर्ण है। इसी के पश्चात् बाहर से दीपावली मनाने बांसवाड़ा आए लोग अपने गंतव्य की ओर लौटना आरम्भ करते हैं।

एकादशी को पुनः देव दिवाली का गर्मजोशी से स्वागत करते हैं, नगर भ्रमण का आयोजन होता है, जिसमें सभी देवालयों की जो सीमा पर बसे हैं, परिक्रमा हुई। प्रदोष का दिन बाहर लिंग दर्शन हेतु नियत रहता है। सामान्यतः ये दोनों पैदल ही सम्पन्न किए जाते हैं, परन्तु अब गाड़ियों और टेम्पों का उपयोग बढ़ गया है। रात्रि को नागर समाज की भैरवानंदजी और भगवानदासजी की छत्रियों पर लगातार चार दिनों तक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। 28 नवम्बर तृतीया को श्री दुर्लभरामजी का प्रतिवर्षानुसार जन्मोत्सव मनाया गया।

प्रातःकाल 5.30 बजे नागरवाड़ा से प्रभातफेरी निकाली गई, सभी घरों के बाहर दीपमालाएँ जगमगा रही थी। अपार उत्साह के साथ प्रभातियों और भजनों का आनन्द लेते हुए रामजी महाराज का दर्शनकर पुनः वापस आकर आरती के पश्चात् विसर्जित हुए। दोपहर में महिलाओं ने 56 भोग की तैयारी आरम्भ की, साथ ही संत दुर्लभरामजी रचित भिलुड़ा के गीत, मोटा रास, नानो रास, रास पंचाध्यायी, रासनो

समो विनय, नाम महिमा और सद्गुरु महिमा, सुदामा चरित, का पाठ किया। यह पहला अवसर था कि इसके वाचक श्री मणीभाई जिनका बारह दिन पूर्व अवसान हो गया की अनुपस्थिति खल रही थी। रात्रि को पिताम्बर पहनकर सभी ज्ञातिबंधु एकत्रित हुए और महाप्रसाद लेकर विसर्जित हुए।

5 दिसम्बर का दिन आरासुरी अम्बाजी को प्रस्थान करने हेतु नियत था। अहमदाबाद से पधारे भक्तों ने जहाँ गेट क्र. 6 के पास स्थित मोदी धर्मशाला को अपना मुकाम बनाया था, वहीं बांसवाड़ा से पहुँचे लोगों ने विशनगरा की अहमदाबादी धर्मशाला और माढ़ का उपयोग किया जहाँ से मंदिर में भोग धराने की सुविधा प्राप्त होती है। वडनगरा, विशनगरा माढ़ के मुकाबले नरेश राजा के ट्रस्ट द्वारा संचालित एवं नवश्रृंगारित यह माढ़ अधिक सुविधाजनक है। की स्वीकृति पहले ही प्राप्त कर ली थी। लगातार तीन घंटे का कार्यक्रम अन्य पधारे भक्तों को भी अपनी ओर आकर्षित कर रहा था। 6 तारीख को प्रातः पुनः सभी भक्त पिताम्बर पहनकर चरण पादुका की पूजा में जाने हेतु तैयार थे, इस बार अंदर प्रवेश कर मंदिर में जाने हेतु विशेष पास की व्यवस्था की गई थी। बड़ी ही

आत्मीयता और भक्तिपूर्ण वातावरण में दर्शन कर सभी अत्यंत प्रसन्नचित थे। अपनी रुचि अनुसार कुछ परिवार गब्बर गोरव दर्शन को पधारे तो अन्य धर्मशाला में चंडीपाठ का आनंद ले रहे थे।

पाकशाला में रुचि रखने वाले भोजन की तैयारी में जुटे थे तो पाठ समाप्ति पर पुनः गरबों का कार्यक्रम शुरु हो गया। सभी कार्यक्रमों में बांसवाड़ा-अहमदाबाद के यात्री सम्मिलित थे। 1.30 बजे भोग लगाने का समय तय था। अतः चाँदी के थाल में भोग धराया गया तथा प्रसादी लेकर सभी अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए।

12-13 दिसम्बर पुनः यादगार क्षणों को लेकर उपस्थित हुआ जब माई मंडल बांसवाड़ा में ही स्थित त्रिपुरा सुन्दरी मंदिर में अपना वार्षिकोत्सव मनाने के लिए पहुँचते हैं। विगत 60 वर्षों से यह कार्यक्रम आयोजित होता आ रहा है। जब मन्दिर छोटा था एवं ठहरने की व्यवस्था नाम मात्र की थी, अब विस्तार के बाद उम्मीद की जा सकती थी कि कार्यक्रम के आनन्द में अभिवृद्धि होगी, परन्तु मंदिर की धर्मशाला में ही पूरा कार्यक्रम सम्पन्न करना पड़ा, सुरक्षा व्यवस्था की आड़ में कठोरता अखरती है, जबकि स्वर्ण आच्छादित आरासुरी अम्बाजी में 3 घंटे गरबों की प्रस्तुति की अनुमति प्राप्त हो जाती है। नागर समाज को अपना कार्यक्रम धर्मशाला में ही आयोजित करना पड़ा, परन्तु ट्रस्ट के संचालकों तक यह संदेशा पहुँचाया गया कि व्यवस्था में सुधार की जरुरत है।

मार्गशीर्ष सप्तमी 18 दिसम्बर को नरसी मेहता की जयंती धूमधाम से मनाई गई। प्रातःकाल की प्रभातफेरी में वही आनन्द आया जो संत दुर्लभरामजी की जयंती पर लिया था। दिनभर दर्शनार्थी अपने-अपने ढंग से पूजते जा रहे थे। सायंकाल में श्री नरेन्द्र पंड्या श्री सुरेश पंड्या के मार्गदर्शन में नरसी मेहता का मामेरा और शामलशा सेठ द्वारा हुण्डी स्वीकार करने और दामोदर दासजी द्वारा नरसी मेहता को हार पहनाने के पूरे कार्यक्रम को संगीत के माध्यम से जीवंत किया। इस काव्य के रचयिता श्री विजय शंकर को और उनके परिवार की इस अविस्मरणीय दिन पर समर्पण भावना की प्रशंसा की गई। इस काव्य को दोहराने के लिए पुस्तक का प्रकाशन किया जाकर समाज में वितरित भी की गई है। प्रसादी में पेवन्दी बम्बुड़ी विशेष रूप से एकत्रित की गई थी, जिसका आनन्द लिया।

20 दिसम्बर का दिन महंत श्री दीनबंधुदासजी द्वारा आरम्भ किए गए रचनात्मक कार्यों के स्मरण का दिन था। ज्ञातव्य है कि चौबीसा के ग्रामीणों को बरगला कर उन्हें इसाई बनाया जा रहा था, वहाँ स्थापित की गई सत्यनारायण भगवान की प्रतिमा को वहाँ से हटाकर निश्चित हो गए लोगों को झटका देते हुए वहां चारभुजाजी की पुनः प्रतिष्ठा कर हिन्दू समाज को पुनः संगठित करने तथा विहिप तक यह मामला पहुँचाने की स्मृति और स्थानीय निवासियों को स्मरण कराने हेतु नागर समाज ने वहां जाकर भजन-कीर्तन कर सायं प्रसादी पाकर बस से ही वापसी की। रामकृष्ण मंडल के आयोजक 5 लाख हनुमान चालिसा और 1008 सुंदर कांड के महाअभियान में 12 दिसम्बर से 20 दिसम्बर तक कुशलबाग मैदान में आयोजित कार्यक्रम में व्यस्त होने के कारण श्री सुरेश पंड्या एवं उनकी मित्रमंडली ने इसे आयोजित कर सतुत्य उदाहरण प्रस्तुत किया, फलस्वरूप इन दोनों कार्यक्रमों का आनंद उठाने का अवसर सभी को प्राप्त हुआ।

-प्रमोदराय झा
बांसवाड़ा मो. 08003063616

अनुकरणीय विकलांग (दिव्यांग) एवं विशेष बच्चों के लिए सहयोग कोष

मासिक जय हाटकेश वाणी द्वारा समाज में वैचारिक क्रांति के साथ दो प्रकल्प पूर्व में चलाए जा रहे हैं, जिनमें एक श्रीमती प्रभादेवी शर्मा आकस्मिक चिकित्सा कोष है तथा एक शिक्षा हेतु सहयोग कोष है। इन दोनों प्रकल्पों का लाभ समाजजनों को बड़े पैमाने पर मिल रहा है। इन कोष के माध्यम से लाभान्वित हो रहे समाजजनों के नाम गोपनीय रखे जाते हैं, लेकिन समय-समय पर 'वाणी' के द्वारा इसका प्रचार अवश्य किया जाता है। इसी से प्रभावित होकर देवास निवासी श्री सुरेन्द्रजी शर्मा ने 25,000/- रुपये अपनी ओर से भेंट कर समाज के विकलांग बच्चों जिन्हें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल के पश्चात् दिव्यांग कहा जाने लगा है तथा मंदबुद्धि बच्चे जिन्हें अब विशेष बच्चे कहा जाता है के लिए कोष बनाने की पहल की है। कोष से ऐसे बच्चों को चिकित्सा एवं शिक्षा के लिए जरुरत पड़ने पर सहयोग दिया जा सके। समाजजनों से सादर आग्रह है कि जहां भी ऐसे बच्चों के लिए सहयोग की जरूरत है, वे हमें निम्नलिखित मोबाईल नं. पर अवश्य बताएं। साथ ही चिकित्सा एवं शिक्षा सम्बंधि जरूरत हेतु इस मोबाईल पर सम्पर्क किया जा सकता है- दीपक शर्मा- मो. 9425063129

दाम्पत्य जीवन की स्वर्ण जयंती पर बधाईयाँ

श्री कृष्णकांतजी त्रिवेदी एवं सौ. दुर्गा त्रिवेदी

उज्जैन निवासी स्व. श्री चन्द्रकांतजी त्रिवेदी के सुपुत्र श्री कृष्णकांतजी त्रिवेदी एवं सौ. दुर्गा त्रिवेदी (आत्मजा-स्व. श्री अम्बाशंकरजी जोशी) ने अपने दाम्पत्य जीवन की स्वर्ण जयंती का आयोजन दि. 25 दिसम्बर 2015 को उज्जैन में किया, इसी दिन उनकी पौत्री कु. श्रिया त्रिवेदी (आत्मजा-श्री नीरज-मीनल त्रिवेदी) का जन्मदिन भी मनाया गया। इस अवसर पर त्रिवेदी दम्पत्ति के समस्त परिवार क्रमशः श्री जिग्नेश-सोनल दीवान (दामाद-पुत्री), कु. निष्ठा एवं कु. प्रार्थी (नातिन), श्री मृगित-निधि दीवान (दामाद-पुत्री), मा. ज्वलिन एवं मा. हित (नाती), श्री नीरज-मीनल त्रिवेदी (पुत्र-पुत्रवधू) सहित त्रिवेदी परिवार, जोशी परिवार, मंडलोई परिवार, मेहता परिवार, नागर परिवार एवं शर्मा परिवार सहित अनेक स्नेहीजनों ने त्रिवेदी

जन्मदिवस एवं सेवानिवृत्ति पर बधाईयाँ

श्रीमती शैलबाला मेहता

श्री विजयप्रकाश मेहता

श्रीमती शैलबाला मेहता (पत्नि श्री विजयप्रकाश मेहता) को 9 जनवरी को जन्मदिवस एवं 30 जनवरी 2016 को यशस्वी सेवा के 42 वर्ष पूर्ण कर सेवानिवृत्ति पर बधाई एवं दीर्घायु होने की कामना

शुभाकांक्षी :

सौ. मोनिका-जितेन्द्र शुक्ल
सौ. पल्लवी-प्रवीण मेहता
सौ. पायल-अजय नागर
सौ. श्रुति-उत्सव मेहता
प्रियल, आयुष, श्रेणिक, सिद्धार्थ

सौ.मधु- मनोहर शुक्ल
सौ.वीणा-लीलाधर मेहता
सौ.सविता-राकेश मेहता
सौ. विभा-पियुष मेहता

सौ. पवित्रा-अजय मेहता
सौ.अनामिका-मनीष मेहता
देवल, रिषभ मेहता

1951 में हुई थी श्री नागर भगवती मंडल, मुम्बई की स्थापना

मुम्बई में श्री नागर बंधारा जाति भगवती मंडल की स्थापना 1951 में हुई थी। इस मडंल की परिषद् की प्रथम बैठक मुम्बई में 11.4.1955 को हुई थी। मंडल की स्थापना का विचार समाज के अग्रणी श्री सेवकलाल मगनलालजी कोयावाला एवं गुलाबचंदजी चेनाजी वसई वालों के प्रयासों से साकार हुआ।

सेवकलालजी कोयावाल जिनकी जवेरी बाजार में स्याही की दुकान थी (पुराने जमाने में उपयोग किए जाने वाले दवात-कलम की) उनके यहाँ दूर-दूर से ग्राहक स्याही खरीदने आते थे। एक बार वसई वाले गुलाबचंदजी उनके यहाँ स्याही खरीदने गए तथा उन्हें बातचीत में पता चला कि हम एक ही जाति के नागर ब्राह्मण है। उन्होंने चर्चा में तय किया कि जाति को संगठित करने के लिए समाज को एकत्रित करना जरुरी है एवं समाज के लोगों को एक दूसरे से परिचित करने के लिए मंडल की स्थापना हेतु उन्होंने कमर कस ली। दोनों ने अपने-अपने सगे सम्बंधियों से चर्चा करके संगठन का कार्य शुरु किया। इनमें मुख्य रुप से श्री सेवकलालजी, श्री गुलाबचंदजी, श्री प्रतापचंदजी, श्री त्रिलोकचन्दजी, श्री वीरचन्दभाई, तुलसीदास, श्री प्राणजीवन दास मावावाला, श्री चतुरभुज भगवानजी मिठाईवाला, श्री नारायणदास भीमानी, विशाजी भूताजी, मूलचंदजी भीकाजी, के अथक प्रयासों से मंडल की प्रथम परिषद मुम्बई में 11.4.1955 को हुई।

1956 में मंडल द्वारा एक स्मारिका का प्रकाशन किया था, जिसमें प्रबुद्ध समाजजनों के लेख प्रकाशित किए गए थे। जिसमें समाज की उन्नति के लिए किए जा सकने वाले प्रयासों के बारे में विभिन्न सुझाव दिए गए थे। उसमें से चयनित कुछ लेख **जय हाटकेश वाणी** के इसी अंक में प्रकाशित किए गए हैं... विचारणीय है कि कैसे हम विगत 60 वर्षों से जिन समस्याओं से जूझ रहे हैं वे आज भी हमारे समक्ष मुंह बाएं खड़ी है।

उपरोक्त स्मारिका में श्री नैनमलजी सोनमलजी नागर जो व्यवसाय से एडवोकेट थे ने समाज की उन्नति हेतु शिक्षा कितनी जरुरी है के बारे में अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए थे। श्री सेवकलाल मगनलाल कोयावालों ने समय एवं धन की बचत के लिए समूह लग्न की अवधारणा प्रस्तुत की तथा आयोजनों में फिजुलखर्ची रोककर उस पैसे को समाजोत्थान में व्यय करने का सुझाव दिया। आज से 60 वर्ष पूर्व समाज उन्नति के लिए निम्नलिखित समाजजनों ने जिम्मेदारी ली एवं समाज सुधार हेतु निरन्तर प्रयत्नशील रहने का संदेश दिया। मंडल की प्रथम परिषद् के पदाधिकारी प्रमुख- श्री सेवकलाल मगनलाल शाहीवाला, उपप्रमुख श्री गुलाबचंदजी चेनाजी वसई, श्री प्रतापचंदजी तिलोकजी फोर्ट, सेक्रेटरी श्री बाबूलाल दामोदार दास शाह, केशियर श्री वसंतलाल शिवलाल, कार्यकारिणी सदस्य श्री प्राणजीवन दास दामोदर दास, मनोहरलाल इन लोगों ने समाज को संगठित कर अपना कार्यभार युवाओं को सौंपा जिसमें प्रमुख श्री बाबूभाई दामोदारदासजी शाह, सचिव श्री रमेशभाई सेवकलालजी कोयावाला, कोषाध्यक्ष श्री दशरथलालजी रुपचंदजी, सदस्य-श्री किशनलालजी रुपचंदजी, श्री मोहनलालजी गुलाबचंदजी, श्री नारायणलालजी कुंदनमलजी, श्री पुरुषोत्तमलाल पिताम्बरलालजी शामिल थे। मण्डल प्रतिवर्ष स्नेह सम्मेलन एवं नवचंडी हवन का आयोजन करता है। इससे समाज के सभी परिवारों का आपस में मिलना-जुलना एवं परिचय हो जाता है। मंडल ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष होने के उपलक्ष में श्री चामुंडा माताजी पावागढ़(गुज.) एवं 55 वर्षीय आयोजन श्री चामुंडा माताजी सुधाजी (राज.) एवं इस वर्ष भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में हवन-पूजन एवं स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया। भविष्य में मंडल की योजना है कि शिक्षा एवं चिकित्सा हेतु आर्थिक सहायता के लिए रुपरेखा तय की जाए। वर्तमान में मडंल की कमेटी निम्नानुसार है-

मुम्बई से उज्जैन यात्रा पर पधारे स्कूल यूनिफार्म कपड़े के होल-सेल व्यापारी श्री शान्तिलालजी नागर ने समाज के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि समय के साथ अब हमें बदलना चाहिए। सामाजिक कार्यक्रमों के साथ-साथ बच्चों की उच्च शिक्षा के लिये विशेष प्रयत्न करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी भी हमारे समाज में बहुत सारी कुरीतियाँ एवं धन के अपव्यय की प्रथाएँ चल रही है। जिन्हें बन्द करना चाहिए।

संरक्षक- श्री किशनलालजी रुपचंदजी, श्री रतीलालजी गुलाबचंदजी, श्री रमेशभाई मगनलालजी कोयावाला, श्री नारायणलालजी कुन्दनमलजी।

प्रमुख- श्री पुरुषोत्तमलाल पिताम्बरलालजी नागर।

उपप्रमुख- श्री अशोक भाई नगीनदासजी मेहता।

सचिव- श्री जगदीश कुमार ताराचंदजी नागर।

सहसचिव- श्री ललितकुमार शंकरलालजी नागर।

कोषाध्यक्ष- श्री नैनमलजी बाबूलालजी नागर।

सदस्य- श्री अशोक कुमार हंजारीमलजी नागर, श्री महेश कुमार रतिलालजी नागर, श्री नटवरलाल नारायणजी नागर, श्री भागीरथ कुमार नैनमलजी नागर, श्री जयेश भाई हंसमुखलालजी गिनीवाला, श्री शांतिलाल हीरालालजी नागर।

जिस उद्देश्य को लेकर मंडल की स्थापना की गई थी उस अनुसार गतिविधियां जारी है। भविष्य में मंडल में वरिष्ठों के साथ युवा भी सक्रिय होंगे तथा नागर ब्राह्मण समाज के सभी घटक जुड़कर एक विशाल रूप इसे प्रदान करेंगे। इसी आशा के साथ

संकलन- पुरुषोत्तमलाल
पी.नागर, मुम्बई

1956 में प्रकाशित स्मारिका से....

आयोजनों में अपव्यय को रोककर शिक्षा हेतु सहयोग दें...

नैनमलजी सोनाजी नागर बी.कॉम. एल.एल.बी. निवासी जालोर (राज.) ने 1 मई 1956 को श्री नागर बंधारा जाति भगवती मंडल द्वारा प्रकाशित स्मारिका में अपने विचार निम्नानुसार रखे। यह विचार इतने वर्षों बाद 2016 में भी प्रासंगिक है, बल्कि यह कहा जाए कि हमारे समाज की प्रगति अत्यंत धीमी गति से हो रही है।

नागर समाज की समस्याएं और उनका हल

जिस स्थिति में अभी हम है वह संतोष जनक नहीं है। अन्य समाजों की तुलना में यदि हम अपने समाज की तुलना करने लगे तो विदित होगा कि हम बहुत पीछे रह गए हैं, अनेक चीजों का हमारे समाज में अभाव है और इस स्थिति से बाहर निकलकर हमें आगे बढ़ना होगा, यदि आगे बढ़ने की भावना हममें से निकल गई तो हमारा भविष्य सुनहरा होने की बजाय अंधकारपूर्ण होता जाएगा और तब हमारी गिनती पिछड़े समाजों में होने लगेगी।

आईए हमारे समाज की वर्तमान स्थिति का संक्षेप में अवलोकन करें। हमारे समाज में उच्चशिक्षा प्राप्त गिने-चुने ही उदाहरण है। साधारण शिक्षा प्राप्त करने वालों की संख्या भी बहुत कम है। कोई जमाना था जब मेट्रिक पास कर लेना साधारण तथा ठीक समझा जाता था। मगर अब बी.ए. पास करना भी विशेष महत्व की बात नहीं रह गई है। अधिकांश लोग प्रायः अशिक्षित ही है। व्यापार, वाणिज्य के क्षेत्र में भी हमारे समाज का कोई विशेष स्थान नहीं है। आज जब समूचा देश कला, कौशल और वाणिज्य की तरक्की के लिए लोहा-इस्पात, सीमेंट, कलपुर्जा, कपड़ा मशीनरी आदि के बड़े कारखानों के निर्माण मे लगा है। हम केवल अपने पुराने घरेलू धंधों में ही उलझे हुए है। जिसका कोई विशेष महत्व या अस्तित्व नहीं है। इनके अतिरिक्त हमारे सामाजिक रीति-रिवाज वर्तमान प्रगति से बिल्कुल ही मेल नहीं खाते। ऐसा लगता है कि प्रगति लाने से पूर्व पूरा ढांचा बदलना होगा, तब कहीं जाकर हमारे समाज में नए व अच्छे संस्कार पड़ने शुरु होंगे। आगे बढ़ने के लिए तब प्रगति की बात सोचनी होगी।

वर्तमान लेख समाज की सर्वांगीण उन्नति को लक्ष्य में रखते हुए लिखने की एक साधारण सी चेष्टा है। एक विचारधारा मात्र है। सब लोग उन्नति व प्रगति के लिए जब मौलिक रूप से विचार करे तो वे निश्चित निष्कर्ष पर पहुँचेंगे तब वह विचार हमारी प्रगति का मुख्य पथ प्रदर्शक होगा।

हमारी शिक्षा विगत कुछ वर्षों में शिक्षा के जैसे-जैसे नवीनतम रूप देखने में आ रहे हैं, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है, कि दुनिया किस गति से आगे बढ़ रही है। हिन्दुस्तान के व्यापारी को अपना माल बेचने के लिए अब विदेश जाने की जरूरत नहीं है। वैसे ही अमरिका के निवासी को हिन्दुस्तान आने के लिए बरसो तक रास्ता तय करने की आवश्यकता नहीं। यहाँ बैठे-बैठे हम मीलों दूर की कार्यवाई को नियंत्रित कर सकते हैं। यह सब शिक्षा और मानवीय मस्तिष्क की देन है। दूसरे देशों के मुकाबले हिन्दुस्तान शिक्षा के मामले में कम प्रगतिशील है। किन्तु हिन्दुस्तान की दूसरी जातियों के मुकाबले में हमारा समाज प्रगतिशील है। जैसे सभी समाज शिक्षा में प्रगति कर रहे हैं वैसी प्रगति हमें आगे भी करना पड़ेगी। इसलिए हमें सबसे पहले शिक्षा को बढ़ाने पर पूरा जोर देना होगा। परन्तु हममें से अधिकांश लोग ऐसे स्थानों पर रहते हैं जहाँ कालेज तो क्या हायस्कूल भी नहीं है। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए हमें ऐसे साधनों पर विचार करना होगा, जिनमें सबको कम खर्च में शिक्षा प्राप्त हो। बड़े शहरों में हमारे बच्चों को विद्याभ्यास के लिए भेजना महंगा पड़ता है वहाँ रहना-खाना इस महंगाई में विकट होता जा रहा है। हमारे समाज को चाहिए इन शहरों में छात्रावास बनाए जाए और बच्चों के भोजनादि की व्यवस्था की जाए। जहाँ तक छात्रावास के संचालन का प्रश्न है खर्च की व्यवस्था समाज के फालतु खर्चों जैसे- विवाह, ताणा, मौसल आदि में कटौती करके उसके एवज में समाज कल्याण फंड में चंदे के रूप में मुकर्रर रकम जमा करवानी चाहिए। कुछ आर्थिक सहायता हमारी सरकार द्वारा हो सकती है।

जिन समाजों ने जो हमसे भी पिछड़े हुए थे, जिन्होंने प्रगति की भावना को समझा जैसे- माली, कुम्हार, जाट आदि समाजों ने

जगह-जगह शिक्षा का प्रचार करने के कदम को महत्वपूर्ण समझा और इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए छात्रावास बनाए। यद्यपि वे समाज साधन सम्पन्न नहीं थे। फिर भी वे संघर्ष करते रहे और आज इसी साधन की बदौलत वे काफी आगे बढ़ गए हैं यदि यह बात कम सम्पन्न समाजों के लिए संभव थी तो क्या हमारे समाज के लिए असंभव है? मेरा तो यह विचार है कि एक बार निश्चित कार्यक्रम बन जाए तो हम उनसे भी तीव्र गति से उन्नति कर सकते हैं। जो छात्र हायस्कूल शिक्षा से आगे बढ़ना चाहते हैं, उनके लिए आर्थिक समस्या बड़ी रुकावट बन जाती है। ऐसे होनहार विद्यार्थियों के लिए समाज से कुछ मदद होनी चाहिए।

शिक्षा समाज कल्याण का प्राण है, प्रत्येक व्यक्ति पर समाज की उन्नति की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

पुराने विचारों को छोड़कर आगे बढ़ें...

श्री मीठालाल नागर बरलुट वाले के लेख का सार वर्ण भेद व्यवस्था जातियों की उत्पत्ति का कारण है। जात-समाज के अनेक लाभ है। इससे अच्छे संस्कारों का उदय होता है एवं समाज उन्नति करता है। विशेष मैं यह कहना चाहूंगा कि शिक्षा तो अपनी जगह जरुरी है पर कुछ फालतू खर्चे भी बंद होना चाहिए। जैसे- विवाह अवसर पर बारात का लड़की वालों के यहाँ पाँच दिन रुकना एवं खाना-पीना यह बंद होना चाहिए। इसमें यह नहीं देखना चाहिए कि वे अमीर है या गरीब। जितनी जल्दी पुराने एवं जड़सू विचारों को पीछे छोड़ा जाएगा समाज उतनी ही जल्दी आगे बढ़ेगा एवं विकास करेगा।

आय घटने एवं महंगाई बढ़ने से शिक्षा प्रभावित

श्री सेवकलाल मगनलाल स्याही वाला, प्रमुख श्री नागर भगवती मंडल मुम्बई (1 मई 1956) ने अपने लेख में लिखा कि वर्तमान स्थिति में हमारे समाज की स्थिति पर विचार करते हुए यह बात करना चाहता हूँ कि व्यक्ति की आय घट रही है और महंगाई के कारण शिक्षा का खर्च बढ़ता जा रहा है। उच्च अभ्यास के बगैर प्रगति करना मुश्किल है एवं इस उद्देश्य को पूरा करने में दूसरे कार्य आड़े आ जाते हैं। जैसे- विवाह खर्च आदि। हमारे रीति-रिवाज के अनुसार एवं देखा देखी के कारण इन अवसरों पर व्यक्ति के उपर कर्जा हो जाता है। एवं दूसरी भी परेशानियां होती है। जिसके बाद व्यक्ति को खर्च कम करना पड़ते हैं और न चाहते हुए भी बच्चों को पढ़ाई करवाकर छोटी उम्र में काम धंधे में लगाना पड़ता है। जो समाज के लिए नुकसानदायक है। अन्य समाज जहाँ इन खर्चों पर नियंत्रण कर रहा है वहीं हम अभी भी इन्हीं रीति-रिवाजों में पड़े हैं।

यदि हम इन सामाजिक कार्यों में खर्च कम करें और वही रकम उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए लगाए या समाज में दान दे दें तो समाज की अभूतपूर्व प्रगति होगी। कुछ मेरा सुझाव है (1) लड़के-लड़की की मर्जी, योग्यता एवं प्रगति को ध्यान में रखकर माता-पिता को उनका विवाह युवकों का 21 वर्ष एवं युवतियों का 18 वर्ष के बाद करना चाहिए। (2) सगाई एवं लग्न के बीच यथासंभव कम समय रखना चाहिए। (3) युवकों को धार्मिक ज्ञान एवं नीति-अक्षुण्ण रखने के लिए जनोई या कंठी का बंधन जरुरी है। (4) लड़की के माता-पिता को शादी के पहले लड़के के कमा कर खाने की शक्ति को परखना जरुरी है। (5) लग्न की विधि जहां तक हो सके सादी एवं अल्पव्यय की रखना चाहिए। वर और कन्या पक्ष दोनों को खर्च की सामूहिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए। (6) जहाँ तक हो सके विवाह समूह लग्न में होना चाहिए। (7) मृत्यु के पश्चात धार्मिक क्रियाएं जो जरुरी हो वे करना चाहिए, परन्तु बारहवां तेरहवें के दिन जाति भोजन जरुरी नहीं है। इसे बंद करना चाहिए। इन सभी कार्यों के लिए समाज के अग्रणियों को आगे आना होगा और नियम बनाने होंगे तभी समाज और देश प्रगति कर सकेगा।

टिप्पणी-

कितना दुर्भाग्यपूर्ण है आज से साठ साल पहले जो समस्याएं समाज में विद्यमान थीं, वे आज भी यथावत है, समाज की उन्नति के लिए शिक्षा तब भी जरुरी थी, अब भी। आज भी गाँवों में अशिक्षा विद्यमान है। गांव से शहर में आकर पढ़-लिखकर समृद्ध समाजजन जो विवाह एवं मृत्युभोज में धन का अपव्यय कर रहे हैं वे उस धन को शिक्षा हेतु व्यय करें, यह पहली जरूरत है, अन्य समृद्ध समाजों की तरह शहरों में छात्रावास निर्माण की स्थिति तो आज भी हमारी नहीं है, लेकिन अन्य छात्रावास में रहकर पढ़ने हेतु हम विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग जरुर दे सकते हैं। जब तक समाज का बच्चा-बच्चा शिक्षित नहीं होगा तब तक उन्नति की आशा करना दिवास्वप्न ही होगा।

श्री नागर भगवती मंडल के 500 से अधिक सदस्यों की उज्जैन-ओंकारेश्वर यात्रा

हवन पूजन एवं मिलन समारोह सम्पन्न

मुम्बई के श्री नागर भगवती मंडल के 500 से अधिक सदस्य उज्जैन एवं ओंकारेश्वर की यात्रा पर 25 दिसम्बर को उज्जैन पहुँचे। इन सदस्यों की उज्जैन में श्री हाटकेश्वर धाम, महाकाल धर्मशाला, बालाजी परिसर एवं श्री सूर्यनारायण व्यास धर्मशाला में ठहरने की व्यवस्था की गई। 25 दिसम्बर को स्नान-ध्यान से निवृत्त होने के पश्चात् सभी सदस्यों ने श्री हाटकेश्वर धाम की छत पर आयोजित नवचंडी हवन कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

पं. सुनील नागर एवं पं. नीतिन नागर के मुख्य आचार्यत्व में हवन का कार्यक्रम ग्यारह पंडितों ने सम्पन्न करवाया। इसी बीच भगवान हाटकेश्वर का रुद्राभिषेक पं. उमाशंकरजी रावल ने सम्पन्न करवाया, जिसमें यजमान बैंगलोर से पधारे श्री महेन्द्रजी नागर एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गीता देवी नागर ने हिस्सा लिया। हवन के लाभार्थी थे श्री अशोक कुमारजी हजारीमलजी (भिवंडी), श्री बाबूलालजी रुपचंदजी (जनापुर), श्री गोविन्दलाल पीताम्बरलालजी (जसवंतपुरा) श्री गोपालजी मंछालालजी (जावाल), श्री किशनलालजी रुपचंदजी (जनापुर), श्री मीठालाल कुंदनमलजी (बरलूट), श्री मांगीलालजी देशमलजी (बरलूट), स्व. श्री नारायणलालजी कस्तुरजी (बरलुट), श्री ताराचंदजी भीखचंदजी (जनापुर) नवचंडी हवन के पश्चात् महाआरती एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया। तत्पश्चात् मिलन समारोह का आयोजन श्री हाटकेश्वर धाम के मुख्य हाल में सम्पन्न हुआ, जिसमें मंडल की ओर से पदाधिकारियों ने श्री हाटकेश्वरधाम के न्यासियों एवं युवा कार्यकर्ताओं का सम्मान किया, जिसमें सर्वश्री अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र मेहता 'सुमन', सचिव श्री सन्तोष जोशी, कोषाध्यक्ष श्री रामचन्द्र नागर, सहसचिव श्री दीपक शर्मा एवं युवा कार्यकर्ता श्री नवीन नागर, श्री मनीष मेहता एवं श्री कन्हैया मेहता का स्वागत स्मृति चिन्ह भेंट कर एवं शाल ओढ़ाकर किया गया। तथा श्री हाटकेश्वर धाम न्यास मंडल ने श्री नागर भगवती मंडल के पदाधिकारियों का धर्मशाला प्रतिरुप का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया, जिसमें संरक्षकद्वय श्री किशनलालजी रुपचंदजी, श्री रतिलालजी गुलाबचंदजी नागर, प्रमुख श्री पुरुषोत्तमलाल (परेश) पिताम्बरलालजी नागर, उपप्रमुख श्री अशोक भाई नगीनदासजी मेहता, सचिव श्री जगदीश कुमार ताराचंदजी नागर, सहसचिव श्री ललित कुमार शंकरलालजी नागर, कोषाध्यक्ष श्री नैनमलजी बाबूलालजी नागर, उपकोषाध्यक्ष मांगीलालजी भाया, सदस्य श्री अशोककुमारजी हजारीमलजी नागर, श्री महेश कुमार रतिलालजी नागर, श्री जयेश भाई हंसमुखलाल गिनीवाला का सम्मान किया गया। श्री नागर भगवती मंडल के पदाधिकारियों ने अपने सभी सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका सम्मान किया।

26 दिसम्बर को प्रातः सभी सदस्य नौ बसों से ओंकारेश्वर दर्शन हेतु रवाना हुए।

श्री हाटकेश्वर धाम ट्रस्ट द्वारा श्री भगवती मंडल मुम्बई के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया।

श्री अशोक भाई नागर

श्री ललितभाई नागर

इनके दोपहर भोजन की व्यवस्था श्री मंडलोई फाउंडेशन, मोरघड़ी में की गई, भोजन के पश्चात् सभी ने ओंकारेश्वर दर्शन किए तथा शाम को पुनः उज्जैन के लिए रवाना हो गए। तीनों दिन के स्वल्पाहार, प्रातः एवं सायं भोजन की व्यवस्था श्री हाटकेश्वर धाम में ही रखी गई। महाप्रसाद के लाभार्थी श्री अशोककुमारजी हजारीमलजी (भिवंडी), श्री बाबूलालजी रुपचंदजी (जनापुर), श्री गोविन्दलालजी पिताम्बरजी (जसवंतपुरा), श्री मदनलालजी नैनमलजी (जालोर) श्रीमती मंछीदेवी शंकरलालजी (जालोर), श्री राहुलकुमारजी दशरथलालजी (जनापुर), श्री रतिलालजी गुलाबचंदजी (वसई), श्री शंकरलालजी रुपचंदजी (जनापुर), श्री शांतिलालजी हीरालालजी (आम्बलारी) रहे। 27 दिसम्बर को सभी सदस्यों ने उज्जैन के धर्मस्थलों का भ्रमण किया एवं अवन्तिका तथा पुणे एक्सप्रेस से अपने गंतव्य को रवाना हो गए। आयोजन के सहयोगी श्री अशोकभाई नगीनभाई मेहता (मुम्बई) श्री आसुमलजी ओटरमलजी (देवली), श्री देवीचंदजी रुपचंदजी (जनापुर), श्री घेवरचंदजी जवानमलजी (खुडाला), श्री मनहरलालजी रतनलालजी जवेरी (मुम्बई) श्री सागरमलजी दीपचंदजी (दादाई), श्री उम्मेदमलजी मूलचंदजी (सुमेरपुर) सहित सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

उपरोक्त आयोजन अत्यंत सफल रहा तथा मुम्बई, बैंगलोर एवं अहमदाबाद से आए नागरजनों ने सम्पूर्ण आयोजन का खूब आनन्द लिया। यह तीर्थयात्रा बरसों तक यादगार बनी रहेगी। श्री नागर भगवती मंडल के पदाधिकारियों ने अपने पूर्व के आयोजनों के अनुभव का पूर्ण लाभ लिया तथा उज्जैन में व्यवस्था संभालने में श्री दीपक शर्मा, श्री नवीन नागर, श्री मनीष मेहता, श्री संजय जोशी तथा उनकी टीम ने कोई कसर नहीं रखी। मुम्बई से पधारे दल में बहुत सारे ऐसे सदस्य थे जो पहली बार उज्जैन एवं ओंकारेश्वर की यात्रा पर आए थे, उनके लिए यात्रा रोमांचकारी रहेगी। इस सफलतम यात्रा की तारीफें देशभर में पहुँची है तथा संभावना है कि ओर भी नागरदल देश के विभिन्न भागों से उज्जैन-ओंकारेश्वर यात्रा पर पहुँचे। यात्रा पर आए सदस्यों ने श्री हाटकेश्वर धाम की भी प्रशंसा की। अहमदाबाद से पधारे सदस्य अपने यहाँ भी इसी प्रकार का भवन बनाने का दृढ़संकल्प लेकर यहाँ से लौटे। -दीपक शर्मा

युवा प्रतिभाओं का जय हाटकेश वाणी द्वारा सम्मान

मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष की तेजस्वी वाणी से श्रोता भावविभोर

मुम्बई से तीन दिवसीय प्रवास पर उज्जैन पधारे श्री नागर भगवती मंडल मुम्बई के दल के युवाओं के लिए विशेष सम्मान समारोह मासिक जय हाटकेश वाणी द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रोटरी मंडल 3040 की पूर्व मंडलाध्यक्ष रोटरीएन नलीनी लंगर उपस्थित थी तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सुनील मेहता, झोनल एसपी उज्जैन ने की।

इस अवसर पर अतिथिद्वय ने युवाओं के लिए प्रेरक उद्बोधन दिए। रोटरीएन नलीनी लंगर ने कहा कि युवाओं को अपने जीवन में सत्य का दामन कभी नहीं छोड़ना चाहिए, कोई भी कार्य करें उसे पहले सत्य की कसौटी पर अवश्य परखें। नीजि स्वार्थ को परे रखते हुए यह सोचना चाहिए कि क्या यह सबके लिए उचित है। जब हम अपने कार्य व्यवहार में सत्य को समाहित कर लेते हैं तो वह शिवमय होकर सबके लिए सुन्दर हो जाता है। वही कार्य करना चाहिए जो सबके लिए हितप्रद हो। युवाओं को प्रेरणादायी उद्‌बोधन देते हुए श्री सुनील मेहता ने कहा कि जीवन में सबसे पहले लक्ष्य का निर्धारण करना जरूरी है। असंभव कुछ भी नहीं है। लक्ष्य बनाकर उसके क्रियान्वयन पर पूरी शक्ति झोंक देना चाहिए तथा लक्ष्य पर लगातार दृष्टि लगाए रखना चाहिए। यह सफलता का सूत्र है। युवा श्रीमद् भागवत् गीता का पठन-पाठन अवश्य करें। गीता का ज्ञान मनुष्य को लक्ष्य से भटकने नहीं देता। जीवन में क्या और किस तरह से करना है तथा किया गया कर्म भगवान कृष्ण को समर्पित कर उसे स्वयं की मुक्ति का साधन बनाना ही एकमात्र उचित कदम है। श्री मेहता ने स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि वे पुलिस विभाग में सेवारत होने के बावजूद उस विभाग की बुराईयों से परे हैं अतः जीविकोपार्जन हेतु कोई भी कार्य करें, परन्तु हमारे संस्कार, जमीर या आत्मा उससे अप्रभावित रहना चाहिए। अतिथिद्वय ने कहा कि युवाओं को अपना कार्यक्षेत्र इस प्रकार का चुनना चाहिए कि जिसमें समाजसेवा की गुंजाईश हो। समाज से जुड़कर ही यश एवं सफलता का मार्ग खुल सकता है। अतिथिद्वय एवं मासिक जय हाटकेश वाणी की सम्पादक श्रीमती संगीता शर्मा ने प्रशस्तिपत्र भेंट कर कु. रीमा पिता भागीरथजी नागर मुम्बई (बी.ई.) श्री कुमार पिता भागीरथजी नागर मुम्बई (बी.ई.) मयूर पिता ललित कुमारजी नागर मुम्बई (सी.ए. फायनल अध्ययनरत), योगेश नैनमलीजी नागर मुम्बई, मुकेश मणीलालजी नागर (बी.ई. मैकेनिकल), वैभव पिता महेन्द्र कुमार जी नागर (एम.बी.बी.एस.),

बैंगलोर, रवि पिता अशोककुमारजी नागर मुम्बई (बी.ई.एम.टेक.), जगदीश पिता ताराचंदजी नागर मुम्बई (बी.कॉम. एल.एल.बी.) कु.दामिनी विनोदकुमारजी नागर (बी.एम.एस.) कु. निधि रमेशकुमारजी नागर (बी.एफ.एम.), सौ. नीलम देवांगजी नागर, (एम.बी.ए.), मुम्बई का सम्मान किया। इस अवसर पर मासिक जय हाटकेश वाणी परिवार की ओर से आभार प्रदर्शन करते हुए श्री दीपक शर्मा ने कहा कि श्री नागर भगवती मंडल द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित हवन एवं परिवार स्नेह मिलन के दौरान जय हाटकेश वाणी परिवार द्वारा युवाओं के लिए पृथक से कार्यक्रम किया जाएगा जिसमें प्रेरक विचारों का संप्रेषण, सांस्कृतिक आयोजन एवं प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। श्री भगवान महाकालेश्वर की नगरी में युवाओं को समाज से जोड़ने के श्रीगणेश की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई सभी उपस्थितों ने कार्यक्रम एवं अनूठी पहल को सराहा।

बीज की पहचान

मैं बीज हूँ, मुझे पहचानो,
क्या बीज सिर्फ पेड़-पौधों, वनस्पति के ही होते हैं,
उसके अतिरिक्त क्यों नहीं खोजते, पहचानते।
दिल की गहराईयों में, मन के संकल्प-विकल्प में।
मैं छोटा-सा हूँ तो क्या?
मेरी सुप्त विशाल संभावनाओं को देखो।
अरे यह ब्रह्मांड भी स्वयं परमपिता के
सिर्फ संकल्प बीज का परिणाम है,
उसने ही अपनी सर्वोत्तम रचना मानव के मन में,
हर कार्य, हर उपलब्धि, हर रचना
हर विध्वंस अवनिती के बीज
असंख्या उपलब्ध कर रखे हैं।
उन्हें जगाओ, खोजो एवं सद्संकल्प करो,
जो चाहो पा सकते हो,
सिर्फ भरपूर प्रयत्न, लगन, दृढ़निष्ठा चाहिए।
वेद-पुराणों ने भी शिव संकल्प सिखाया है,
अपने को पहचान, शिव संकल्प कर,
परमपिता अवश्य सफल करेगा, विश्वास रख।

-नटवरलाल झा
नागरवाड़ा,
बांसवाड़ा (राज.)
मो. 9460410399

आन बान शान

भारत की है आन तिरंगा,
भारत की है शान तिरंगा।
शहीदों की कुर्बानी की...
शहीदों की कुर्बानी की,
कहानी कहता यह तिरंगा।
भारत की है आन तिरंगा,
भारत की है शान तिरंगा।
जब लहराता नील गगन में...
जब लहराता नील गगन में,
प्यारा लगता यह तिरंगा।
भारत की है आन तिरंगा,
भारत की है शान तिरंगा।
केशरिया, सफेद और हरा...
केशरिया, सफेद और हरा,
देता संदेश तर्क भरा।
भारत की है आन तिरंगा,
भारत की है शान तिरंगा।
शौर्य, शांति, सद्भाव का...
शौर्य, शान्ति, सद्भाव का,
पैगाम देता यह तिरंगा।
भारत की है आन तिरंगा,
भारत की है शान तिरंगा।।

-डॉ. महेश त्रिवेदी, उज्जैन

नागर समाज की प्रतिभाओं को मिला मंच और सम्मान

मध्यप्रदेश नागर ब्राह्मण प्रतिभाशाली छात्र प्रोत्साहन समिति के तत्वावधान में दो दिवसीय राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन पं.सूर्यनारायण व्यास संकुल कालिदास अकादमी में समिति के संस्थापक स्व.पं. विष्णुप्रसाद नागर की स्मृति में समिति की सांस्कृतिक इकाई अभिरूची विकास मंच द्वारा आयोजित किया गया। जिसके प्रथम दिवस बच्चों के श्लोक पाठ, फैंसी ड्रेस, गायन व नृत्य की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई।

यह सांस्कृतिक समारोह मध्यप्रदेश नागर ब्राह्मण परिषद् के प्रांतीय अध्यक्ष राजेश त्रिवेदी टमटा के पिता वरिष्ठ समाजसेवी स्व.दुष्यंत त्रिवेदी को समर्पित रहा। द्वितीय दिवस मध्यप्रदेश के नागर ब्राह्मण समाज के प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण चयनित छात्रों को पुरस्कृत किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि संभागायुक्त डॉ.रविन्द्र पस्तोर थे। समारोह में म.प्र. नागर ब्राह्मण समाज के प्रदेश अध्यक्ष राजेश त्रिवेदी टमटा, उज्जैन शाखा के अध्यक्ष डॉ.प्रदीप व्यास, वरिष्ठ पत्रकार प्रेमनारायण नागर शिवपुरी, रश्मिन भाई पाठक, अनिल भाई मेहता भावनगर समिति की संरक्षिका श्रीमती आशा नागर, उपाध्यक्ष डॉ.अरुणा व्यास, विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में सरस्वती वंदना कु.सलोनी व्यास ने की। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार एवं नागर ब्राह्मण हाटकेश्वर मंदिर न्यास हरसिद्धि द्वार के अध्यक्ष सुरेन्द्र मेहता सुमन एवं वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश मेहता भोपाल का अभिनन्दन किया गया। साथ ही समिति द्वारा पूर्व में 5 बार पुरस्कृत मेधावी छात्र वैदिक त्रिवेदी, कनिष्क मिश्रा एवं मोलेश नागर को आशा-विष्णु स्वर्ण पदक प्रदान किये गये।

कार्यक्रम में अन्य सम्मानित शैक्षणिक प्रतिभाओं की सम्पूर्ण सूची जय हाटकेशवाणी के दिसम्बर 15 अंक में प्रकाशित है। अन्य विशेष पुरस्कारों में ओमप्रकाश मेहता भोपाल द्वारा स्थापित स्व.विश्वनाथ त्रिवेदी स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार पत्रकार शैलेष व्यास को तथा दामोदर नागर एवं मधुसुदन नागर उज्जैन द्वारा स्थापित सामाजिक पत्रकारिता पुरस्कार मनोज मेहता इन्दौर को तथा श्रीमती संगीता विनोद नागर भोपाल द्वारा स्थापित स्व.रमाकांत नागर स्मृति शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार, अभिजित व्यास, शिक्षक धामनोद को प्रदान किया गया। स्वागत भाषण एवं समिति की गतिविधियों की जानकारी समिति के अध्यक्ष रमेश मेहता ने तथा आय-व्यय का ब्यौरा सहकोषाध्यक्ष किरणकांत मेहता ने दिया। संचालन सचिव अशोक व्यास ने तथा आभार प्रदर्शन सहसचिव संतोष जोशी ने किया।

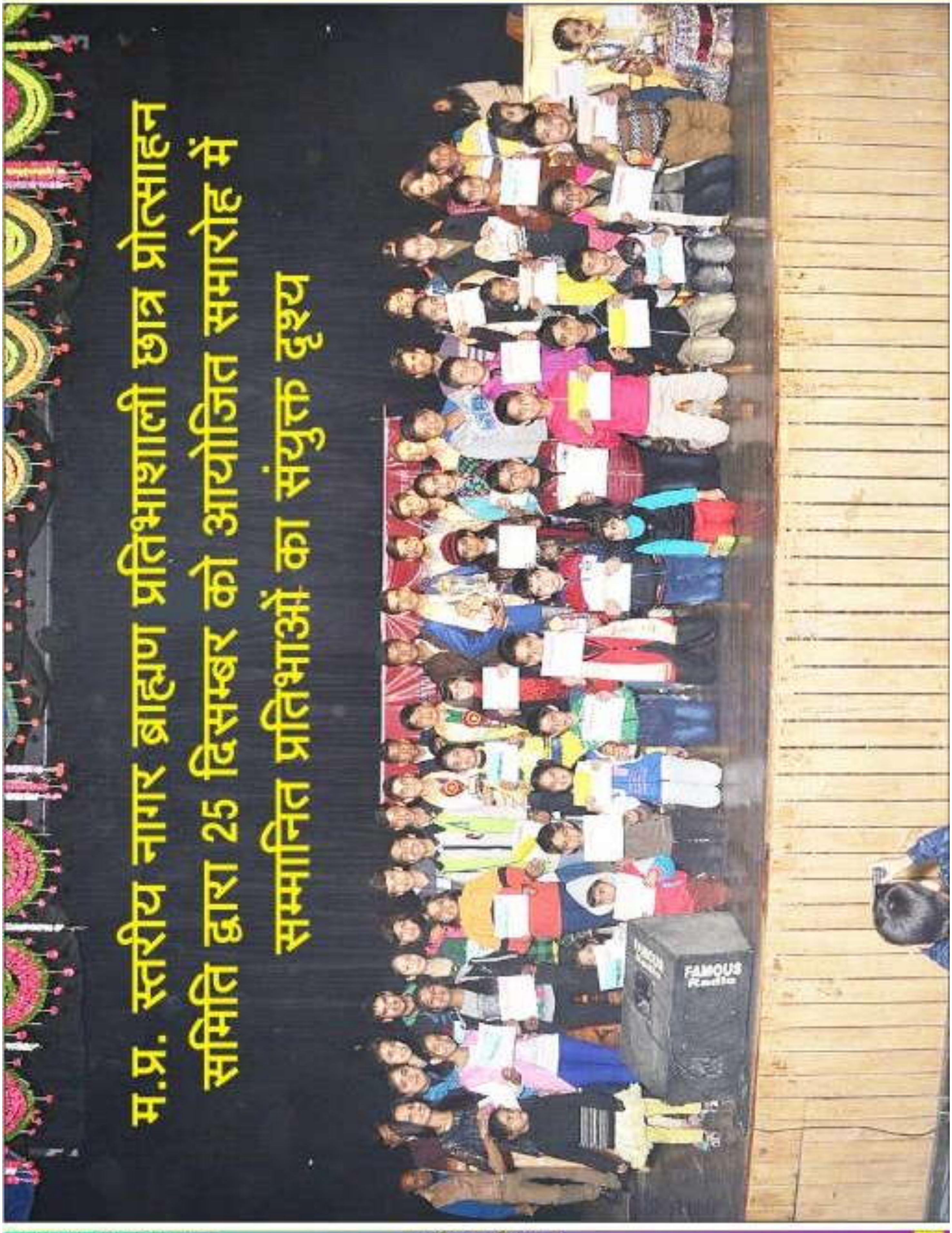
म.प्र. स्तरीय नागर ब्राह्मण प्रतिभाशाली छात्र प्रोत्साहन
समिति द्वारा 25 दिसम्बर को आयोजित समारोह में
सम्मानित प्रतिभाओं का संयुक्त दृश्य
FAMOUS Radio

उज्जैन में दो दिवसीय आयोजन सम्पन्न

आमतौर से यह राष्ट्रीय चिंता का विषय है कि युवा समाज से नहीं जुड़ रहे हैं, विभिन्न स्थानों पर जो आयोजन होते हैं, उनमें युवाओं की रुचि नहीं होती तथा भाषणबाजी आदि उन्हें बोर करती है। लेकिन इस समस्या का निदान भी उदाहरण स्वरूप हमारे सामने मौजूद है, उज्जैन में 24 एवं 25 दिसम्बर को प्रतिवर्ष होने वाला आयोजन, जिसके अंतर्गत म.प्र. नागर ब्राह्मण प्रतिभाशाली छात्र प्रोत्साहन समिति के संस्थापक स्व.पं. विष्णुप्रसादजी नागर की स्मृति में समिति की सांस्कृतिक इकाई अभिरुचि विकास मंच द्वारा सांस्कृतिक समारोह एवं प्रदेश स्तर की शैक्षणिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाता है।

समारोह में पत्रकारिता में सामाजिक सेवाओं के लिए विशिष्ट योगदान के लिए वरिष्ठ पत्रकार श्री ओमप्रकाश मेहता, भोपाल एवं दैनिक अवन्तिका के प्रधान सम्पादक श्री सुरेन्द्र मेहता का समिति द्वारा शाल श्रीफल से सम्मान किया गया।

इसे पं.विष्णुप्रसादजी नागर की दूरदर्शिता ही कहा जाएगा जो बच्चों और युवाओं को समाज से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करती है, जिन बच्चों या युवाओं को समाज मंच एवं सम्मान प्रदान करता है, तो कहीं न कहीं वे समाज से जुड़ते है, क्योंकि राष्ट्र हो या समाज उनकी गतिविधि इस हाथ दें, उस हाथ लें वाली होती है, जब युवाओं से पूछा जाता है कि तुम समाज की गतिविधियों से क्यों जुड़ना नहीं चाहते तो उनका आम प्रश्न होता है कि समाज हमारे लिए क्या कर रहा है, जो हम समाज से जुड़े? खासकर हमारे मध्यप्रदेश में प्रतिभाओं एवं विद्यार्थियों को सम्मानित कर उन्हें समाज से प्रतिबद्ध करने की गतिविधियां चल रही है। इनसे अन्य राज्य की सामाजिक कार्यकारिणी प्रेरणा ले सकती है। इसी कदम को आगे बढ़ाकर यदि हम विद्यार्थियों एवं अन्य क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को आर्थिक सहयोग से ओर ज्यादा जुड़ पाएंगे।

ज्ञातव्य है कि इन्दौर में भी समस्त नागर विद्योत्तेजक फंड एवं ट्रस्ट द्वारा शिक्षण क्षेत्र में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा अन्य गतिविधियों में उपलब्धि प्राप्त करने पर प्रतिवर्ष सम्मानित किया जाता है। इस ट्रस्ट का कार्यक्षेत्र इन्दौर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र हैं। ट्रस्ट की ओर से चांदी के सिक्के तथा प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जाता है। ये सब आयोजन शुभ संकेत हैं कि सम्मान के प्रतिफल स्वरूप ये युवा अवश्य ही भविष्य में समाज को कुछ न कुछ लाभ अवश्य देंगे।

पं.त्रिवेदी ने सिंहस्थ 2016 हेतु साधु-संतों को आमंत्रण दिए

म.प्र. के मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने सपत्निक नासिक पहुँचकर 13 अखाड़ों के मुख्य साधु-संतों एवं द्वारका तथा ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरुपानंदजी महाराज को अप्रैल-मई 2016 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महापर्व में पधारने हेतु मंगल तिलक लगाकर हार पहनाकर प्रसाद एवं शाल भेंटकर आमंत्रण दिया। उनके साथ नागर ब्राह्मण समाज के पं.शिवेशचन्द्र त्रिवेदी भी थे। इस दौरान मुख्यमंत्रीजी ने सभी अखाड़ा प्रमुखों से मेले की सफलता हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया तथा सबके लिए समुचित व्यवस्था हेतु आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी कहा कि नर्मदा नदी का जल क्षिप्रा में पहुँचाकर शुद्ध जल उपलब्ध कराया जाएगा। आमंत्रण कराने की अधिकृत प्रक्रिया सिंहस्थ कार्यालय में पदस्थ प्रतिवेदन अधिकारी प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य एवं शिक्षाविद् डॉ.पं.शिवेशचन्द्र त्रिवेदी ने मंत्रों एवं स्वस्तिवाचन द्वारा सम्पन्न करवाया। ज्ञातव्य है कि प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य डॉ.पं.शिवेशचन्द्र त्रिवेदी (शास्त्री) ने गत सिंहस्थ 2004 में भी साधु-संतों को आमंत्रित करने का कार्य तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री दिग्विजयसिंह से करवाया था। उस समय भी श्री त्रिवेदी मेला प्रतिवेदन अधिकारी थे। डॉ.त्रिवेदी स्व.सौ. नारायणीदेवी एवं स्व.पं.दुर्गाशंकरजी त्रिवेदी जागीरदार सा. भूतेश्वर के तृतीय सुपुत्र हैं।

सम्पूर्ण स्वास्थ्य का एकमात्र विकल्प-आयुर्वेद एवं योग

नागर ब्राह्मण समाज के अग्रणी एवं उत्साही आयुर्वेद चिकित्सक डॉ.प्रकाश जोशी ने आयुर्वेद एवं योग के स्वास्थ्य सम्बंधि निर्देश पटलो के माध्यम से राहगिरी आनंदोत्सव में लघु प्रदर्शनी का आयोजन किया। जिसकी शहर की प्रथम नागरिक श्रीमती मीना जोनवाल ने प्रशंसा की, कोठी रोड़ पर प्रति रविवार प्रातः 6 से 10 बजे तक राहगिरी आनंदोत्सव का आयोजन 20 दिसम्बर से आरंभ किया गया है।

श्रीमती जोनवाल ने प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान अपने उद्‌बोधन में कहा कि स्वस्थ भारत एवं स्वस्थ विश्व की कामना से देवताओं एवं ऋषियों ने आयुर्वेद एवं योग की स्थापना की, परन्तु आज हम आधुनिकता की शरीर को विनाश की ओर ले जाने वाली विभिन्न जीवन शैलियों की ओर निरन्तर अग्रसर है और अल्पायु में ही जटिलतम एवं प्राणघातक व्याधियों से ग्रसित होते जा रहे हैं। हमारी प्राथमिकता शरीर एवं उत्तम स्वास्थ्य होना चाहिए।

उपरोक्त बातों को प्रभावी ढंग से कहने के लिए प्रदर्शनी से संदेश का तरीका डॉ.प्रकाश जोशी एवं डॉ.निरंजन सराफ ने इजाद किया। अंततः सम्पूर्ण स्वास्थ्य का एकमात्र विकल्प आयुर्वेद एवं योग ही है।

उज्जैन में कम्प्यूटर सेन्टर का शुभारंभ

दीपावली के पावन पर्व पर उज्जैन शहर में समस्त नागर समाज के लिए एवं उज्जैन के निवासियों के लिए एम एस कंप्यूटर टेक का शुभारम्भ स्वामी श्री दिव्यानंद जी महाराज भिक्षु हरिद्वार के आशीर्वाद एवं कैरियर मार्गदर्शक ज्योतिषाचार्य श्री प्रशांत राव सम्वेदुला जी के मार्गदर्शन से उज्जैन स्थित अभिलाषा कॉलोनी में 22 नवंबर को हुआ। कंप्यूटर संचालक आयुष त्रिवेदी एवं पारुल सक्सेना ने बताया कि इंस्टिट्यूट पर AISECT यूनिवर्सिटी भोपाल से सम्बंधित PGDCA, DCA, DESKTOP PUBLISHING, NETWORK TECHNOLOGY, BASIC COMPUTER, SPECIAL COURSES FOR HOUSE WIFES, WEB TECHNOLOGY आदि कोर्स करवाये जाएंगे। यह सभी कोर्स सरकारी नौकरी में मान्य है। नागर समाज के लिए कोर्स करने हेतु एडमिशन में विशेष छूट दी जाएगी। कोर्स पार्ट टाइम एवं फुल टाइम की सुविधा भी सेंटर पर उपलब्ध रहेगी।

-अंकुश त्रिवेदी उज्जैन 9977891389

श्री हाटकेश्वर धाम, उज्जैन

सिंहस्थ 2016 में यात्रियों की सुविधा हेतु खास व्यवस्था

न्यास मंडल की बैठक में निर्णय

श्री हाटकेश्वर धाम के संरक्षक हमारे पूज्यनीय मालव माटी के परम संत गुरुदेव पं.श्री कमल किशोरजी नागर महाराज की असीम कृपा एवं कृतसंकल्प से अपने पूज्य माता-पिताजी की स्मृति में श्री हाटकेश्वर धाम सिंहस्थ 2016 के पूर्व न्यास को इस आशा एवं विश्वास के साथ सौंपा है कि इसकी पवित्रता एवं स्वच्छता के साथ समाजजनों को उचित सुविधा मिले तथा सिंहस्थ 2016 के दौरान एक माह की अवधि में बाहर से पधारने वाले श्रद्धालुओं को ठहरने की उचित व्यवस्था हो, ताकि इस महाकुंभ में देशभर के समाजजनों को इसका लाभ मिल सके।

इसी सन्दर्भ में न्यास मंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि श्री हाटकेश्वर धाम के कमरे प्रथम आवे। प्रथम पावे के आधार पर बुकिंग किए जावे। तथा एक कमरा एक परिवार को तीन दिन की अवधि के लिए प्रदान किया जाएगा। कमरे बुक करने के लिए श्री हाटकेश्वर धाम कार्यालय से दिनांक व सदस्यों की संख्या कन्फर्म करने के पश्चात् अग्रिम राशि कार्यालय में नकदी या सीधे बैंक में नागर ब्राह्मण मंदिर न्यास के भारतीय स्टैट बैंक कंठाल शाखा उज्जैन अकाउंट नं. 32715150447 में जमा कर सकते हैं।

राशि जमा कन्फर्म होने पर आपको रसीद एवं कमरा नं. बुक करने की सूचना प्रदान की जाएगी। सभी समाजजन कमरा बुक होने के पश्चात् रसीद एवं अपना परिचय पत्र अवश्य लावें, यह जरुरी है।

न्यास मंडल सिंहस्थ 2016 की अवधि में पधारने वाले सभी समाजजनों से विनम्र निवेदन करता है कि हाटकेश्वर धाम में ठहरने की अवधि में आप श्रद्धा एवं सेवा की भावना लेकर आवें। हमारा प्रयास आपको उत्तम सुविधा प्रदान करने का रहेगा, लेकिन इतने बड़े महाकुंभ में आपकी सहभागिता भी जरुरी है, क्योंकि न्यास के पदाधिकारी अपनी निःस्वार्थ सेवा एवं समय दान करेंगे। हमें आपसे भी यही अपेक्षा है।

आप सिंहस्थ 2016 की अवधि में महाकुंभ का आनन्द लेवें और श्री हाटकेश्वर धाम में तन-मन-धन से सहयोग प्रदान करें, ताकि सिंहस्थ के पश्चात् प्रस्तावित चौथी मंजिल के निर्माण में सहयोग प्राप्त हो सके। आप पधारिये एवं सिंहस्थ के पुण्य लाभ के साथ श्री हाटकेश्वर धाम विस्तार में अपनी सहभागिता प्रदान कर दोगुना पुण्य कमाएं इसी आशा एवं विश्वास के साथ पुनः आपका स्वागत, वंदन, अभिनंदन।

जय हाटकेश

-सचिव (न्यास मंडल)

श्री जगदीशचन्द्र नागर (नये न्यासी सदस्य) उज्जैन का प्रथम बैठक में न्यास मंडल द्वारा स्वागत किया गया।

श्री हाटकेश्वर धाम में दानराशि भेंट

स्व.प्रेमकुमारजी शास्त्री श्री कमलकांतजी नागर श्रीमती रेखा नागर

श्रीमती रेखा कमलकांतजी नागर
राजेन्द्र नगर इन्दौर 21,000/-
(पिता स्व. श्री प्रेमकुमारजी शास्त्री की स्मृति में भेंट)

श्री नागर भगवती मंडल (रजि.), मुम्बई 21,000/-
श्री जमनाप्रसाद पाठक (शुजालपुर वाले), उज्जैन 13,332/-
(घोषणानुसार मासिक पैंशन राशि से 1111/- रुपये एक वर्ष के)
श्री रामचन्द्रजी त्रिवेदी खजराना 2,500/-
(घोषणा राशि पेटे)
श्री मनोहरलालजी नागर, उज्जैन 2,000/-
श्री कृष्णकांतजी मेहता, उज्जैन 1,000/-
श्री सुरेन्द्रजी मेहता 'सुमन' अध्यक्ष
मासिक दानराशि (दिसम्बर 15) घोषणा पेटे 500/-
स्व.श्रीमती मीराबाई पिताम्बरलालजी (जसवंतपुरा) बैंगलोर 500/-
श्री गिरीजाशंकर नागर (न्यासी सदस्य) 11,111/-
(राऊ) (ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपये)
(बर्तन खरीदने बाबत नकद जमा)
श्री जगदीशचन्द्र नागर (न्यासी सदस्य) 5,000/-
नागर इंजीनियरिंग वर्क्स (उज्जैन) नगद जमा
25,000/- (घोषणा राशि पेटे)

श्री हाटकेश्वर धाम में कम्प्यूटर सेट भेंट

नागर ब्राह्मण समाज की वरिष्ठ समाजसेवी स्व.मातुश्री श्रीमती मधुकांता शर्मा (इटावा) की स्मृति में इनके सुपुत्र श्री दिनेश शर्मा (युवा समाजसेवी एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि) द्वारा श्री हाटकेश्वर धाम उज्जैन को माताजी की पगड़ी कार्यक्रम में कम्प्यूटर सेट पूर्व सांसद श्री प्रेमचंद गुड्डू के द्वारा न्यास के पदाधिकारी) श्री सुरेन्द्र मेहता 'सुमन' (अध्यक्ष) श्री संतोष जोशी (सचिव) श्री रामचन्द्र नागर (कोषाध्यक्ष) को भेंट किया गया। श्री हाटकेश्वर धाम न्यास द्वारा श्री दिनेशजी शर्मा एवं इनके परिवार को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

सेवा के साथ सिंहस्थ का आनंद लेवें
सेवा भावी समाजजनों से विनम्र अपील

श्री हाटकेश्वर धाम उज्जैन में सिंहस्थ 2016 में बाहर से पधारने वाले समाज के श्रद्धालुओं की उचित व्यवस्था करके एवं अन्य सेवा प्रकल्पों में सहयोग प्रदान करने के लिए सेवाभावी समाजजन सादर आमंत्रित है। जो भी समाजजन सेवा-प्रदान करना चाहते हैं वह पूरी जानकारी नाम, पता, मोबाइल समयावधि आदि लिखकर श्री हाटकेश्वर धाम में दिनांक 15 मार्च 2016 तक प्रेषित कर देवें।

पिता चन्द दो पाइयाँ

(1) पिता प्रेम की खान है, अस्तित्व का आधार।
सत्ता, महत्ता, है अकथ बिन याके हम लाचार।
(2) बौने-सारे शब्द हुए, है ये संगम राज।
हम कितनी भी गड़बड़-होता ना नाराज।
(3) गहरा सागर की तरह, नभ साहृदय विशाल।
स्नेह, संस्कार, शुभआशीष से करता मालामाल।
(4) देता सुख की शीतल छाँव, पिता, दिल के निकट है यार।
कड़ी धूप सहकर सदा देता नूतन-संसार।
(5) चेन्ज चेहरे की रंगत करें, बदले चेहरा चाल चरित्र।
मन मौजी मन मालिक है यही ना ही-भूले मित्र।
(6) 'कहना' हरदम मानिये, 'प्रभु' ये ही साकार
सुखड़ों का दाता ये ही, दुखड़ों का हिस्सेदार।
(7) देता अधरों को गीत है, देता हाथों को काम।
हर-हिथ, हनुमान हो, माने अपने राम।
(8) कलाकार ग्रेट यही, सम्पादक, सूत्र धार।
अपनी मर्जी थोपे नहीं, करत-सुन्दरतम संसार।
(9) बापा, बाबूजी, डेडी, पापा टॉनिक से संबोधन।
इनी, मनी सा, लगाव है, चुंबक वत् सम्मोहन।
(10) हम कृतघ्न है पाठकों, वो है, दाड़म, दाख।
जान से बढ़कर रखते हमें हम करते हैं राख।
(11) आनन्द मस्ती, उससे है दोस्तों, रखिये नहीं दुराव।
नव, पुरातन का ब्रिज है यही, लाए लाइफ में बदलाव।

-गड़बड़ नागर
191, सत्यसुख सेठी नगर, उज्जैन

झाबुआ में अन्नकूट महोत्सव सम्पन्न

नागर ब्राह्मण समाज की विशेष बैठक शनिवार दोपहर करीब १२ बजे स्थानीय नेहरू मार्ग स्थित महाकालिका माता मंदिर के पीछे श्री कल्लाजीधाम पर आयोजित हुई। पश्चात् भगवान श्री हाटकेश्वर महादेवजी को समाजजनों द्वारा अन्नकूट का भोग लगाया।

पश्चात् महाआरती की गई एवं अन्नकूट प्रसादी का भक्तजनों को वितरण किया गया। सर्वप्रथम नागर ब्राह्मण समाज की बैठक श्री कल्लाजी धाम पर आयोजित हुई। जिसमें जानकारी दी गई कि राजेश नागर द्वारा श्री कल्लाजी धाम झाबुआ के गादीपति संतोष गेहलोत से चर्चा कर अनुमति प्राप्त की गई। जिसमें हाटकेश्वर मंदिर परिसर छोटा होने से वर्तमान में जो साई बाबा की प्रतिमा स्थापित है, वहां पर शिव परिवार की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की जाए एवं शिव परिवार के स्थान पर साई बाबा की प्रतिमा की प्रतिष्ठा करने का आग्रह किया गया। प्राण-प्रतिष्ठा एवं आवश्यक निर्माण में जो भी धनराशि होगी, वह समाजजनों के सहयोग से पूर्ण की जाएगी। बैठक में इस हेतु समाजजनों से स्वेच्छा से सहयोग राशि देने की मांग की गई।

भोग लगाकर महाआरती की गई, पश्चात् समाजजनों द्वारा भगवान हाटकेश्वर महादेवजी को अन्नकूट (प्रसादी) का भोग लगाया गया। इसके पूर्व श्री हाटकेश्वर महादेवजी का रुद्राभिषेक पं. कमलेश व्यास द्वारा विधि-विधान से करवाया गया। जिसका लाभ मुख्य यजमान धर्मेन्द्र एवं श्रीमती लक्ष्मी नागर ने लिया। तत्पश्चात् महाआरती की गई। महाआरती पं. द्विजेन्द्र व्यास द्वारा संपन्न करवाई गई। जिसमें बडी संख्या में समाजजन शामिल हुए। पश्चात् महाप्रसादी का श्रद्धालुओं को वितरण किया गया। सभी कार्यक्रमों में नागर ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सुभाष नागर, संरक्षक राजेश नागर, नारायणप्रसाद, लक्ष्मीकांत, मितेश, शशांक, धर्मेन्द्र, रजनीकांत, प्रवीण नागर, महिलाओं में श्रीमती लीना, इंदुबाला, शीतल, मंगला, आरती, मधुबाला, हेमलता, सरोज, पूनम नागर सहित बडी संख्या में समाज के महिला-पुरूष एवं बच्चें शामिल हुए।

पिपलिया में नागर ब्राह्मण समाज कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

पिपलियामंडी में म.प्र.नागर ब्राह्मण समाज की शाखा मंदसौर परिषद इकाई की बैठक 17 जनवरी 2016 को संतोष नागर व डा. हनुमानप्रसाद नागर के निवास पर प्रभाशंकरजी नागर की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

इस अवसर पर मंदसौर में स्थित हाटकेश्वर मंदिर के नामान्तरण भूखंड संबंधी न्यायालय में चल रही कार्यवाही को यथावत जारी रखने अगामी 7 मार्च को महाशिवरात्री पर्व 20 अप्रेल को हाटकेश्वर जयंती 23-24 वाँ वार्षिक अधिवेशन में प्रतिभा सम्मान समारोह परिषद का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुति कार्यकारिणी के चुनाव तथा आगामी बैठक शामगढ़ व प्रतापगढ़ क्षेत्र में आयोजन होने आदि विषयों पर विचारविमर्श हुआ।

बैठक में मुख्यत: जिलाध्यक्ष अध्यक्ष जयेश नागर, पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल नागर जमनाशंकर नागर, डा. कैलाश शर्मा, शिवनारायण नागर, मोहन नागर, सुनील नागर, नवीन नागर, विजयकुमार नागर, महेश नागर, महिला मंडल में श्रीमती तारा ललित नागर, श्रीमती राधा नागर, श्रीमती रेखा नागर, सुश्री दिव्या व शिक्षा आदि उपस्थित थे। बैठक से पूर्व उपस्थित सभी समाजिक बंधुओं द्वारा भगवान हाटकेश्वर को दीप जलाकर मां अंबे व नरसिजी की तस्वीर को माल्यार्पण किया गया।

राजू : अगर प्रिंसिपल ने अपने शब्द वापस न लिए तो मैं स्कूल छोड़ दूंगा।
मोहन : क्या कहा था प्रिंसिपल ने ?
राजू : कहा था, स्कूल छोड़ दो।

पत्नी (पति से): शादी करने आए थे तब तो बहुत अकड़ के चल रहे थे। अब क्यों सहमे-सहमे से हो??
पति (पत्नी से): तब मैं अकेला नहीं था पूरी बारात मेरे साथ थी।

श्रीमती शैलबाला मेहता की समारोहपूर्वक सेवानिवृत्ति

बिरलाग्राम नागदा में 31 जनवरी 2016 को भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें श्रीमती शैलबाला विजय प्रकाश मेहता उच्च श्रेणी शिक्षिका हायर सैकेण्डरी स्कूल नागदा को सेवानिवृत्ति पर बधाई हेतु स्थानीय, उज्जैन, रतलाम, इन्दौर, खाचरोद आदि स्थानों से अतिथि गण पहुँचे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री दिलीपसिंह शेखावत विधायक, दिलीपसिंह गुर्जर पूर्व विधायक, सुबोध स्वामी, डॉ.अनिल दुबे अध्यक्ष सर्वब्राह्मण महासभा श्री सी.एल.परमार साहित्यकार, मनोज राठी, श्री सुरेन्द्र मेहता 'सुमन', (वरिष्ठ पत्रकार) श्रीमती स्मिताजी प्राचार्या शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय श्री जितेन्द्र गैहलोत विधायक का स्वागत श्रीमती शैलबाला मेहता, श्री विजय प्रकाश मेहता, श्री जी.आर. मेहता, रतलाम श्री अजय प्रकाश मेहता उज्जैन, श्री मनोहर शुक्ल उज्जैन, श्री लीलाधर मेहता खाचरोद ने किया। सभी उपस्थिति अतिथियों ने श्रीमती मेहता के यशस्वी कार्यकाल एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। ज्ञातव्य है कि 44 वर्षों तक अपनी उम्दा शिक्षण सेवाएं देने के पश्चात् श्रीमती मेहता 30 जनवरी को सेवा निवृत्त हुई।

झोकर में नागर धर्मशाला का निर्माण कार्य शुभारम्भ की ओर

झोकर में 20 सितम्बर को आयोजित म.प्र. नागर परिषद की क्षेत्रीय बैठक में उपस्थित समाजजनों ने वहां धर्मशाला निर्माण प्रारम्भ करने हेतु दानराशि की घोषणा की थी, उपरोक्त निर्माण कार्य जल्दी ही शुरु किया जाना है, अतः सभी समाजजनों से आग्रह है कि वे अधिकाधिक आर्थिक सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें। आप अपनी सहयोग राशि समिति के खाता क्र. 955810110003598 शाखा बैंक ऑफ इंडिया शाखा झोंकर आयएफएससी बीकेआईडी 0009558 में जमा कर सकते हैं। दानदाताओं को प्राप्ति रसीद डाक या स्वयं द्वारा पहुँचा दी जाएगी।

सम्पर्क सूत्र- अध्यक्ष नवीन नागर मो. 9893463553, सचिव प्रमोद मेहता मो. 9752129818, नागर ब्राह्मण समाज, झोकर।

लड़की: मेरा मोबाइल मम्मी के पास रहता है.
लड़का: कभी हम पकड़े गए तो.?
लड़की: तुम्हारा नंबर मैंने मोबाइल में बैटरी लो के नाम से सेव कर रखा है. जब भी तुम्हारा फोन आता है, मम्मी कहती है बेटा मोबाइल चार्ज कर लो...!

पति : सजनी अपनी जुल्फों को जरा सवांर भी लिया करो?
पत्नी (शर्माते हुए) : आप भी न बड़े वो हो...
पति : माँ कसम अगली बार खाने में बाल आया तो सजनी से गजनी बना दूंगा

अभिनंदन... व्यास परिवार के आधार स्तम्भ श्री सन्तोष कुमारजी व्यास

का ७५वाँ अमृतोत्सव २५ दिसम्बर २०१५ को समारोहपूर्वक सम्पन्न मंगलमय शुभकामनाएँ

त्रिगुणों के जन्मदाता

दम्भ, मान, ईर्ष्या की जीवन में जगह नहीं, अनादि वैष्णव धर्म तथा नित्य निकुंज बिहारी श्री श्यामा श्याम (राधा माधव) की निकुंजोपासना में सदैव संलग्न, भजन शक्ति की दृढ़ता शारीरिक, मानसिक, आर्थिक आध्यात्मिक शांति, सद्भाव, एकता, घर परिवार और अंतर जागृति में रहकर सत्संग, समागम व सेवा में संलग्न प्रातः चार बजे ब्रह्म मुहूर्त में अनिवार्य रूप से उठ्यावजागृ, सूर्योदय से पूर्व स्नान संध्या, देवपूजन कर नित्य स्वाध्याय में लीन रहते हैं। ऐसे हमारे पूरे परिवार के आधार स्तम्भ श्री संतोषकुमार व्यास को हम दीर्घायु की मंगलकामना करते हुए उनके चरणों में नतमस्तक हो शुभाशीर्वाद

दादाजी के प्रिय पौत्र-पौत्री
सानिध्य, मोक्षदा, संस्कृति, ओमित्य

नानाजी के प्रिय नाती-नातिन
प्रणव, रम्या

सौ.कादम्बरी-विनीत व्यास,
मनीष व्यास, सौ.नूतन-संदीप व्यास,
सौ.स्वाति-निखिल सेलट

हार्दिक बधाई

चि.ओमित्य
(गोपाला)

(आत्मज- सौ.नूतन-संदीप व्यास)

का उपनयन संस्कार 25 दिसम्बर 2015 को विद्वान ब्राह्मणों द्वारा श्री गणेश अथर्वशीर्ष का 11000 मूलपाठ के साथ सम्पन्न हुआ।

शुभाकांक्षी- बधाईकर्ता समस्त व्यास परिवार, इन्दौर

"उत्सव मामा-मौसी परिवार"
25-27 दिसम्बर 2015

खण्डवा नागर समाज के प्रतिष्ठित जोशी परिवार ने स्वर्गीय माधवराव जोशी एवं श्रीमती स्वर्गीय त्रिवेणी जोशी के परिवार वंशजों द्वारा मिलन समारोह दिनांक 25 से 27 दिसम्बर तक खण्डवा में मनाया गया। स्वर्गीय माधवराव जोशी के परिवार में 4 पुत्र, 6 पुत्रियों एवं उनके पुत्र, पुत्रवधु, पुत्रियों, दामाद एवं बच्चों सहित कुल 167 सदस्यों में से 130 सदस्य उपरोक्त कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

सर्वप्रथम मुकुन्द जोशी एवं परिवार द्वारा रुद्राभिषेक, हवन, पूजन एवं परिवार के समस्त सदस्यों का सहभोज दिनांक 25-12-15 को उनके निवास स्थान किशोर नगर में आयोजित किया गया। स्वर्गीय माधवराव जोशी एवं स्व.त्रिवेणी जोशी की 50वीं पुण्यतिथि पर आयोजित भजन संध्या में बालाजी भजन मण्डल के सदस्यों के साथ श्री मनोज जोशी, आलोक जोशी, श्री प्रणव वोरा (अहमदाबाद), श्री शिवाशीष वोरा ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का आरम्भ श्री दीपक जोशी, आलोक जोशी एवं मनोज जोशी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना में हुआ। स्थानीय ग्रेण्ड होटल परिवार में दिनांक 25 एवं 27 को परिवार का मिलन समारोह आयोजित किया गया।

सर्वप्रथम परिचय सत्र में समस्त परिवार इकाईयों का परिचय डॉ.विजयलक्ष्मी पोत्दार (डॉली) एवं डॉ.चित्रा वोरा द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के सदस्यों का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.मंगलेश्वरी जोशी एवं संदीप जोशी द्वारा किया गया। सम्मान समारोह के दौरान श्री एम.आर. मण्डलोई ने अपने विचारों से अवगत कराते हुए ऐसे आयोजन प्रतिवर्ष किये जाने की बात कही। प्रत्येक सम्मानित सदस्यों के विषय में टिप्पणी स्वरूप अपने विचार डॉ.चित्रलेखा वोरा ने व्यक्त किए।

दोपहर भोज के पश्चात् परिवार के बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। इसमें कुल 38 प्रस्तुतियाँ, डान्स, गीत, मिमिक्री, चुटकुले, कविता, भजन आदि की थी। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ.रवि शर्मा (बिस्टान) एवं श्रीमती श्वेता शाह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में परिवार के दिवंगत सदस्यों की स्मृति हेतु एक पॉवर पाईन्ट प्रजेन्टेशन श्री परेश मंडलोई (आईसलैण्ड) पवेश मंडलोई (पूजा), आनन्द जोशी, प्रशांत दीक्षित, सरोज जोशी द्वारा तैयार किया गया। वीडियो द्वारा, श्री जी.एम. जोशी, श्री एम.आर. मंडलोई, श्री मुकुंद जोशी, श्रीमती मंगलेश्वरी जोशी द्वारा याद किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री सरोजकुमार जोशी ने किया।

रात्रिकालीन संगीत के कार्यक्रम में परिवार के सदस्यों ने गीतों की सुमधुर प्रस्तुति रात 11.00 बजे से 4.00 बजे तक लगभग 57 सदस्यों द्वारा देर रात तक गीतों की प्रस्तुति दी गई। परिवार के हर फन मौला कलाकार आलोक जोशी द्वारा मिमिक्री द्वारा फिल्म कलाकारों की आवाजें प्रस्तुत की गई। आलोक जोशी द्वारा मिमिक्री द्वारा फिल्म कलाकारों की आवाजे प्रस्तुत की गई। संगीत-निशा में परिवार के प्रत्येक सदस्यों द्वारा गीत प्रस्तुत किये गये।

कार्यक्रम में सम्मिलित होने आईसलैण्ड, पूना, अहमदाबाद, मुम्बई, रतलाम, महावदा, मंदसौर, उज्जैन, भोपाल, इन्दौर, बिस्टान (खरगोन), बड़ौदा, सूरत, सिर्रा, से जोशी, वोरा, शर्मा, दीक्षित, मंडलोई, उपाध्याय, खण्डवा (स्थानीय) जोशी परिवार के अलावा, रावल, नागर, समस्त परिजन भोपाल से कला-समीक्षक श्री विनय उपाध्याय भी पारिवारिक कार्यक्रम में उपस्थित हुए। इस अवसर पर श्री गोपालकृष्ण दीक्षित द्वारा परिवार सदस्यों पर स्वरचित कविता प्रस्तुत की गई।

-सरोज कुमार जोशी, खण्डवा

नगर पालिका शाजापुर की........................

नव-निर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती शीतल भट्ट

ईश्वर की अनुपम सौगात है नारी
सृष्टि का श्रृंगार है नारी
घर आँगन में खुशियाँ देने वाली
परिवार की जान है नारी
अपनी प्रतिभा से परचम लहराने वाली
समाज की शान है नारी

नारी जितनी कोमल ह्रदय, दयालु व सहनशील है वही उसके अंदर एक शक्ति, एक ज्वाला छुपी होती है। बस उसे निखारने वाला चाहिए और उस शक्ति का नाम है- 'श्रीमती शीतल क्षीतिज भट्ट' ब्यावरा निवासी श्री देवी प्रसादजी नागर एवं श्रीमती पवित्रा देवी नागर की सुपुत्री शाजापुर निवासी डॉ.बसंत कुमार भट्ट एवं श्रीमती प्रतिमा भट्ट की पुत्रवधु श्री क्षीतिज भट्ट की धर्मपत्नी श्रीमती शीतल भट्ट (बी.ए.) नाम के अनुरुप ही गुण विद्यमान है। सुंदर सुशील व्यवहार कुशल मिलनसार मृदुभाषी सौम्य व्यक्तित्व की धनी शीतलजी ने मधुर कण्ठ भी पाया है। संगीत में भी आपकी विशेष रुचि है।

आप भट्ट परिवार में 14-15 वर्षों से बहू के कर्त्तव्यों का पूर्ण उत्तरदायित्व से निर्वहन कर रही है। आपके दो पुत्र है आरव व आराध्य। आपके पति श्री क्षीतिज भट्ट भी कर्मठ मेहनती है। कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं व बाबा आटो मोबाईल के डीलर है। सेवाभावी परोपकारी व्यक्तित्व के धनी है। आप विगत 50 वर्षों से चिकित्सा के क्षेत्र में तथा राजनीति के क्षेत्र में निःस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

श्रीमती प्रतिमा भट्ट बहुत ही सुशील शालीन समाजसेविका व मिलनसार महिला है। आप वर्षों से महिला मण्डल के अध्यक्ष पद का उत्तरदायित्व निभा रही है। शाजापुर के स्थानीय नगर-पालिका चुनाव दिनांक 22 दिसम्बर 2015 को सम्पन्न हुए। श्रीमती शीतल भट्ट कांग्रेस पार्टी से अध्यक्ष पद की उम्मीदवार थी। आपने भाजपा की उम्मीदवार श्रीमती संगीता भण्डावत को करीब 30,00 वोटों से पराजित किया।

समाज के लिए बहुत ही गर्व की बात है कि ब्राह्मण परिवार की महिला नगर पालिका के विशिष्ट पद पर मनोनीत हुई है। समस्त समाजजनों तथा शाजापुर की जनता ने आपको बधाई दी है। ईश्वर से यही कामना है कि आप दिनों दिन प्रगति करें। व अपने कर्तव्य का पालन पूर्ण जिम्मेदारी से करें व नाम के अनुरुप सभी को शीतलता प्रदान करें।

-श्रीमती संतोष शर्मा
प्रान्तीय अध्यक्ष, शाजापुर

पं. राजेश्वरजी नागर ने किया हाटकेश कैलेण्डर का विमोचन

समाज का कैलेंडर व्यक्ति की कार्य योजना बनाने और उसके क्रियाकलापों का निर्धारण करने का एक आवश्यक दस्तावेज है। व्यक्ति इस वार्षिक कैलेंडर में देखकर वर्ष भर समाज की कल्पना को आधार मानकर अपनी दिनचर्या का निर्वहन करता है। राष्ट्रीय नागर ब्राम्हण युवा परिषद कैलेंडर प्रकाशन में अग्रणी संस्था रही है।

यह बात मालव माटी के संत पं. राजेश्वरजी नागर ने आनंद आश्रम बेरछी में राष्ट्रीय नागर ब्राम्हण युवा परिषद द्वारा प्रकाशित हाटकेश कैलेण्डर 2016के विमोचन करते हुए कही। उन्होंने कहा कि परिषद द्वारा किया गया यह कार्य सराहनीय है। भविष्य में भी परिषद द्वारा और रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। राष्ट्रीय नागर ब्राम्हण युवा परिषद के अध्यक्ष हेमंत दुबे ने कहा कि युवाओं को मार्गदर्शन संस्कारित समर्पित व्यक्तित्व बनाने की दिशा में यह कैलेंडर एक मार्गदर्शक साबित होगा।

संगठन को बढ़ावा देने एवं लोगों को अपने समाज के प्रति लगाव पैदा करने के लिए इस प्रकार के साहित्य का सृजन आवश्यक है। नागर ब्राम्हण युवा परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता पं. दिलीप नागर ने कहा कि कैलेण्डर के प्रकाशन का यह चौथा वर्ष है। कैलेण्डर में उज्जैन में लगने वाले सिंहस्थ महाकुंभ में शाही स्नान की तिथियों का भी समावेश किया गया है। वहीं शासन द्वारा घोषित अवकाश की तिथि भी इस कैलेंडर में समाहित की गई है।

-दिलीप नागर, राष्ट्रीय प्रवक्ता, नागर ब्राम्हण युवा परिषद, मो. 90399-34908

कलेक्टर ने श्री व्यास को सम्मानित किया

श्री हाटकेश्वर देवालय न्यास शाजापुर के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र व्यास को शाजापुर नगर की ख्याति प्राप्त संस्था श्री जीवाजी क्लब द्वारा सम्मानित किया गया। जीवाजी क्लब द्वारा आयोजित वार्षिक उत्सव 2016में शाजापुर कलेक्टर श्री राजीव शर्मा के मुख्य आतिथ्य में श्री वीरेंद्र व्यास को उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय सामाजिक कार्यों यथा साम्प्रदायिक सौहार्द्र, हिन्दू सेवा समिति के माध्यम से शाँतिवन में पौधारोपण एवं सौंदर्यीकरण, बापू की समाधि का सौंदर्यीकरण, जीवाजी क्लब के पदाधिकारी रहते हुए क्लब की आर्थिक स्थिति का सुदृढ़ीकरण, नागर ब्राह्मण समाज का चहुंमुखी विकास, श्रीकृष्ण व्यायामशाला द्वारा आयोजित होली, दशहरा, कंस दशमी आदि उत्सवों को शांति एवं सद्भाव से सम्पन्न करवाना तथा जिला प्रशासन को प्रत्येक समाजोपयोगी कार्यों में बढ़चढ़ कर मदद करने जैसे कार्यों के लिए शाल श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया गया। श्री व्यास के अभिनंदन समारोह में नगर के सभी गणमान्य नागरिक, जीवाजी क्लब के सदस्य सपरिवार एवं सभी प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। श्री व्यास के इस नागरिक अभिनन्दन से शाजापुर नागर समाज भी अपने आप को गौरवान्वित अनुभव कर रहा है। शाजापुर नागर समाज के सर्वश्री सुरेश दवे मामा, कैलाश मेहता, लक्ष्मीकांत नागर, पं. लालशंकर मेहता, अनिल नागर, हेमंत दुबे, परमानंद नागर, राजेंद्र नागर, संजय नागर (शिक्षा), संजय नागर (एसटीडी), प्रसून मेहता, दिलीप नागर, गजेंद्र शर्मा, नागर महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता मेहता, सचिव श्रीमती सुषमा अनिल नागर, युवा परिषद के सभी कार्यकर्ताओं के साथ हाटकेश्वर देवालय न्यास के कोषाध्यक्ष पं. रमेश रावल एवं सचिव अरूण व्यास ने इस सम्मान को समाज का सम्मान मानते हुए हर्ष व्यक्त किया है।

द्वारा-अरूण व्यास, सचिव, हाटकेश्वर देवालय न्यास, शाजापुर, मो. 92296-79001

सात दिवसीय भागवत कथा का भव्य आयोजन सम्पन्न

पं. नागर ने किया भागवत पाठ

मक्सी के समीपस्थ ग्राम देरखेड़ी जिला उज्जैन में स्थित श्रीराम मन्दिर परिसर में पं. बालकृष्ण नागर द्वारा सात दिवसीय भागवत पाठ किया गया। भागवत कथा 8जनवरी से प्रारंभ होकर 14 जनवरी तक प्रतिदिन दोप. 12 से 3 बजे के बिज आयोजित की गई जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित हुए। पं. नागर ने प्रतिदिन भक्तों को भागवत कथा के साथ ही विभिन्न धार्मिक कहानियों एवं भजनों के द्वारा भक्तों का मन मोह लिया। अन्तिम दिन एक चल समारोह भी निकाला गया जो ग्राम के प्रमुख मार्गों से निकला।

-पण्डित बालकृष्ण नागर, भागवत कथा वाचक मोबाईल नं. 9826508504

ब्यावरा में हाटकेश्वर धाम में श्रीमद् भागवत कथा सम्पन्न

ब्यावरा में 11 से 17 दिसम्बर 2015 तक हाटकेश्वर मंदिर भूमि पूजन के उपलक्ष में श्रीमद् भागवत् कथा का आयोजन रखा गया। भागवत कथा का वाचन भागवताचार्य पं.सतीष नागर द्वारा किया गया। जिसमें प्रतिदिन भागवताचार्यजी को हाटकेश्वर धाम समिति द्वारा दुपट्टा एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। आयोजन में श्री प्रमोद नागर, श्री नरेन्द्र नागर कथाकार वर्षाजी नागर, श्री नीलेश शर्मा, श्री रोहित नागर, सुश्री कविता दीदी, सुश्री सत्यप्रिया दीदी, श्री कपिल शर्मा, श्री कमल नयनजी, पं.रमेशचन्द्र नागर ने विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज की। 16 दिसम्बर को हाटकेश्वर मंदिर का भूमि पूजन सत्यप्रिया दीदी परमधाम श्री सतीष नागर के करकमलों द्वारा किया गया। भागवत् कथा में बड़ी संख्या में धर्मालूजनों ने हिस्सा लिया तथा समाजजनों ने पूर्ण रूप से सहयोग प्रदान किया।

-रमेशप्रसाद नागर ब्यावरा

ऐलेन करियर इंस्टीट्यूट सेंटर हेड विशाल शर्मा का प्रेरणादायी कदम

शिक्षा जगत की सुप्रसिद्ध संस्था ऐलेन करियर इंस्टीट्यूट के इन्दौर ब्रांच हेड एवं देवास निवासी श्री सुरेन्द्रजी-सौ.सुशीला शर्मा के सुपुत्र श्री विशाल शर्मा ने प्रेरणादायी कदम उठाते हुए प्रतिदिन अपने निवास अपोलो डी.बी.सिटी निपानिया से साउथ तुकोगंज स्थित कॅरियर सेन्टर तक सायकिल आना-जाना शुरु किया है। वे विगत कई दिनों से अपने निवास से कर्त्तव्य स्थल तक सायकिल द्वारा ही जा रहे हैं। कई बार उन्हें साउथ तुकोगंज कार्यस्थल से फूटीकोठी स्थित ब्रांच भी जाना पड़ता है, परन्तु वहां भी वे सायकिल द्वारा ही जाते हैं।

श्री शर्मा ने बताया कि उनके इस कदम से जहां पेट्रोल का बड़ा खर्च बचता है वहीं स्वास्थ्य के लिए भी यह सायकिल चालन लाभप्रद है। जब इंस्टीट्यूट के हेड को सायकिल से आते-जाते देखा तो उनके स्टाफ के अन्य साथी फेकल्टीज ने भी यही कदम उठाया तथा सायकिल से आना-जाना शुरु कर दिया। अब इस कदम से तीहरा लाभ होना शुरु हुआ और वह है, पार्किंग की समस्या का हल। श्री शर्मा के पास लग्जरी स्कोडा कार का सुपरब मॉडल है, इसी प्रकार बड़ी गाड़ियों की जगह सायकिल के से लेने से पार्किंग की समस्या का हल हो गया।

अब इतने सारे लाभ देखकर इंस्टीट्यूट में सायकिल चालन अपना चुके स्टाफ की संख्या बढ़ती जा रही है। कुछ दिनों में यह भी होने लगे कि महंगी एवं कम एवरेज की कार में आने वाले शेष स्टाफ को अपने आप में शर्मिंदगी होने लगे। क्या इस प्रेरणादायी लेख को पढ़कर आप अनेक लाभ वाली सायकिल को अपनाना नहीं चाहेंगे। लेकिन चलते-चलते सायकिल का एक ओर लाभ आपको बताता चलूं वह यह कि मैं एक दिन श्री विशाल शर्मा से मिलने गया तो गार्ड ने वहाँ प्रवेश से पूर्व अपना नाम-पता मोबाइल नं. लिखवाते हुए पूछा कि आपको किनसे मिलना है? मैंने कहा- कि विशालजी से। तब उसने बताया कि हाँ जरुर वे ऑफिसर में ही है, क्योंकि उनकी सायकिल मेरे पास ही पार्किंग रहती है। उनकी उपलब्धता या अनुपलब्धता की स्थिति उनकी सायकिल बता देती है। सायकिल के इतने फायदे एवं अपने गुरुजनों को सायकिल से आते-जाते देखकर लगता है कि जो विद्यार्थी पेट्रोल वाहन से आ-जा रहे हैं वे भी एक दिन सायकिल को अपना लेंगे। नागर समाज के जय हाटकेश वाणी पाठक भी सायकिल को अपनाने का प्रयास करें। इसमें लाभ ही लाभ है।

-दीपक शर्मा

राऊ में प्रथम अन्नकूट महोत्सव का सफल आयोजन

राऊ में सखी सहेली ग्रुप ने 20 दिसम्बर 2015 को प्रथम अन्नकूट महोत्सव का सफल आयोजन किया, जिसके अंतर्गत अतिथिजनों ने समाज को संगठित एवं समृद्ध बनाने हेतु अपने विचार व्यक्त किए।

राऊ कम्यूनिटी हाल में आयोजित इस समारोह का शुभारम्भ भगवान गोवर्द्धनाथजी की पूजा अर्चना पं.विनोद नागर द्वारा करवाकर किया गया। बाद में महाआरती का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पं. मनोहरलाल नागर, श्री गिरिजाशंकर नागर, श्री मनोहर लालजी नागर (थानेदार सा.), श्री भालचन्द्र पंड्या, इन्दौर से पधारे श्रीमती संगीता शर्मा एवं दीपक शर्मा के द्वारा कार्यक्रम में समाज को संगठित कर आपसी सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। सभी नागर बहनों को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम में सभी बहनों की सहभागिता तय करने के लिए प्रशंसनीय पहल के तहत ग्रुप की सभी बहने एक-एक व्यंजन अपने घर से बनाकर लाई तथा उनका नेवैद्य लगाया गया। सभी उपस्थित नागरजनों ने महाप्रसादी का आनन्द लिया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी बहनों का सहयोग रहा, जिसमें सौ.अर्चना विनोद नागर, सौ. विनीता-चिन्मय पंड्या, सौ.किरण-हेमन्त शर्मा, सौ.सुनिता-अनिल नागर, सौ.ज्योति-विनोद शर्मा, सौ.उर्मिला-रमेशभाई, श्रीमती पुष्पा व्यास, सौ.रुपिका-अतुल व्यास, सौ. माया गिरजाशंकर नागर, श्रीमती पार्वती रावल, श्रीमती शकुन्तला एवं सौ.शान्तिदेवी मनोहरलाल नागर ने सक्रिय भूमिका निभाई।

सखी सहेली ग्रुप का यह प्रथम अन्नकूट महोत्सव अत्यंत सफल रहा एवं एक अच्छी शुरुआत के साथ यह संकेत मिला कि आगामी वर्षों में यह आयोजन भव्य रूप ले लेगा।

सिंहस्थ महाकुंभ में प्रवचनों के साथ अमृत्व की प्राप्ति करवाएंगे...

पं. सुधांशु नागर महाराज

22 अप्रैल से 21 मई 2016तक उज्जैन में आयोजित सिंहस्थ महाकुंभ में युवा प्रवचनकार पं. सुधांशु नागर महाराज प्रवचनों के साथ अमृत्व प्राप्ति भी करवाएंगे। सुधांशु महाराज का पांडाल दत्त अखाड़ा क्षेत्र में रहेगा, जिसमें संतों व ब्राह्मणों के सान्निध्य में प्रतिदिन योग, सहस्त्रार्चन, पूजन, अभिषेक, पंचकुंड़ीय शिव-शक्ति व विष्णु-लक्ष्मी महायज्ञ, कालसर्प दोष शांति, गृहशांति, अनुष्ठान, महामृत्युंजय जाप, श्रेष्ठ विद्वानों द्वारा ज्योतिष परामर्श व समाधान श्रीमद्‌भागवत कथा, प्रवचन, सत्संग व विद्वान अतिथियों के उद्‌बोधन, भंडारा व प्रतिदिन सुंदरकांड एवं अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न होंगे। कार्यक्रम स्थल को खजराना गणेश धाम नाम दिया गया है।

12 वर्ष की उम्र में ही भागवत कथा करने लगे थे : शाजापुर जिले के झोंकर में विख्यात पौराणिक परिवार में जन्मे पं. सुधांशु नागर महाराज बचपन से ही भक्ति में रमने लगे थे। पिता सतीश जी नागर (पौराणिक) और माँ के सान्निध्य में सिखी भक्ति धीरे-धीरे और बढ़ती गई। 12 वर्ष की उम्र में तो वे भागवत कथा करने लगे और कई श्लोकों को कंठस्थ कर लिया। बाद में ज्योतिष, कर्मकाण्ड में रुचि के चलते अन्य धार्मिक कार्यों में भी सुधांशु की रुचि बढ़ने लगी। अब तक इंदौर, उज्जैन, शाजापुर, धार के अलावा अनेक शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों में श्रीमद् भागवत कथा और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को सफलतापूर्वक कर चुके सुधांशु महाराज पहली बार सिंहस्थ में प्रवचनों के साथ-साथ कई तरह की धार्मिक गतिविधियों को संचालित करने जा रहे हैं। सुधांशु महाराज के प्रवचनों की विशेषता यह रहती है कि वे सीधी, सरल और सटीक वाणी से भक्तों को भक्ति रस से भाव-विभोर कर देते हैं। प्रवचनों के साथ-साथ सामाजिक कुरीतियों के खात्मे के अलावा पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ से लेकर अन्य सामाजिक संदेश भी देते हैं। पिछले दिनों इंदौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर परिसर में उनकी भागवत कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण जुटे थे। सिंहस्थ के दौरान पं. सुधांशु नागर महाराज के कार्यक्रमों में भाग लेने व अन्य अनुष्ठान कराने के इच्छुक पं. कन्हैया मेहता (मो.नं. 9826028874) से सम्पर्क कर सकते हैं।

-कन्हैया मेहता

श्री शरदचन्द्र नागर की यशस्वी सेवा निवृत्ति

विधि सहायक (अधीक्षण अभियन्ता उदयपुर-अजमेर विद्युत वितरण निगम मर्यादित कार्यालय) के महत्वपूर्ण पद से सफल सेवा काल पूर्णकर 31 नवम्बर 2015 को सेवानिवृत्त हुए। आपके सद्व्यवहार, श्रमपूर्ण, निश्छल कार्यकाल के प्रतिफल स्वरूप अभिनंदन समारोह आयोजित कर सहयोगियों एवं अधिकारियों ने विदाई दी।

ज्ञातव्य है कि श्री शरदचन्द्र नागर की कार्यशैली प्रशंसित रही वे अपने कार्य के साथ नागर समाज की गतिविधियों में भी सक्रिय रहे। आप समाजजनों के लिए हाटकेश हुंडी एवं सहायक पेढ़ी का कार्य भी सम्पादित करते हैं। सेवा निवृत्ति के पश्चात् समाजसेवा के कार्य में सक्रियता और समय बढ़ेगा इसी आशा के साथ...

-पी.आर.जोशी, इन्दौर

श्रीमती शिखा मंडलोई को पीएचडी

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा श्रीमती शिखा लोकेन्द्र मण्डलोई को उनके शोध कार्य "STUDIES ON ANTIFONGAL ACTINTK OF PLANT EXTRACTS ON AEROM COFLORA OF BHOPAL" विषय पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है।श्रीमती शिखा मण्डलोई वर्तमान में श्री सत्यसाँई महिला महाविद्यालय भोपाल के मॉयक्रोबॉयोलाजी विभाग में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। श्रीमती शिखा मण्डलोई के 16 पेपर्स राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय जनरल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। श्रीमती शिखा मण्डलोई बड़ायला माताजी जिला रतलाम की श्रीमती कमला राजेन्द्र मण्डलोई की पुत्रवधु एवं श्रीमती कृष्णा-सुरेन्द्र नारायण नागर भोपाल की सुपुत्री है। श्रीमती शिखा मण्डलोई को इस उपलब्धि पर समस्त परिवारजनों की ओर से बहुत-बहुत बधाई।

-डॉ.शिखा मण्डलोई मो. 9406523570

अवनीश नागर को पी.एच.डी.

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय उदयपुर (राजस्थान) द्वारा श्री अवनीश नागर को उनके शोध "दक्षिणी राजस्थान में वनवासी महिलाओं की आजीविका पर स्वयं सहायता समूह के प्रभाव का अध्ययन" के लिए पी.एच.डी. प्रदान कर सम्मानित किया गया है। श्री अवनीश ने अपना यह शोधकार्य विश्वविद्यालय के 'सामाजिक कार्य' विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ.प्रमोद कुमार वाजपेयी के मार्गदर्शन में सम्पादित किया। श्री अवनीश नागर को इस गरिमामयी सम्मान के लिए क्रमशः श्री ओमप्रकाश नागर (पिताश्री) श्रीमती आशा नागर (मातुश्री) श्रीमती डॉ.नेहा नागर (पत्नी), कु.आशा नागर (बेटी), श्री दीपक रावल (बहनोई), श्रीमती अरुणा रावल (बहन), श्री नरेन्द्र शर्मा (श्वसुर), श्रीमती मंजु शर्मा (सासुमाँ), सौ.डॉ.दीर्घा शर्मा हिमांशु शर्मा (सालेजी) सहित नागर परिवार, रावल परिवार एवं शर्मा परिवार से संबंधित सभी सदस्यों ने अपनी शुभकामनाएँ, बधाई एवं आशीर्वाद प्रदान किया है।

विनय दीक्षित को पदोन्नति

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) प्रधान कार्यालय मुम्बई मे कार्यरत श्री विनय दीक्षित पुत्र स्व.श्री कल्याण जी नागर की दिनांक 01 जनवरी 2016से सहायक महा प्रबंधक के पद पर पदोन्नति की गई। उन्हें मुम्बई में ही रखा गया है। मो. 7208153522

पत्रकार श्री नागर का अभिनंदन

पिपलियामंडी के वरिष्ठ पत्रकार बाबूलाल नागर का आर्य समाज के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि डा. सोमदेव शास्त्री द्वारा उत्कृष्ट पत्रकारिता पर उनके द्वारा आयोजित समारोह में श्री नागर का मोतियों की माला पहनाकर व शाल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया।

चिन्मय नागर को सुयश

चिन्मय नागर सुपुत्र-सौ.शोभा-राजेन्द्र नागर शाजापुर ने केन्द्रीय विद्यालय शाजापुर से कक्षा 10वीं 10 सीजीपीए अंक प्राप्त कर विद्यालय व शाजापुर जिले की मेरिट सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि पर सभी भाई-बहिनों व सम्पूर्ण परिवार की ओर से हार्दिक-हार्दिक बधाई।

साथ ही 15 जुलाई को उनके जन्मदिवस की भी हार्दिक बधाई। भगवान हाटकेश्वर उन्हें इसी प्रकार उन्नति प्रदान करें।

-श्रैयांश शुक्ला, उज्जैन

वैदिक त्रिवेदी को स्वर्णपदक

चि.वैदिक त्रिवेदी सुपुत्र श्री संजय-श्रीमती राधा त्रिवेदी को म.प्र. नागर ब्राह्मण प्रतिभाशाली छात्र प्रोत्साहन समिति द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में उज्जैन संभाग के आयुक्त डॉ.रवीन्द्र पस्तोर (मुख्य अतिथि) ने समिति द्वारा 5 बार पुरस्कृत होने पर आशा-विष्णु स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। वैदिक ने एक प्रतिभावान छात्र होने के साथ ही गायन, क्रीड़ा के क्षेत्र में भी उपलब्धि प्राप्त की है। वैदिक त्रिवेदी सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार, वरिष्ठ समाजसेवी श्री अभिमन्यु त्रिवेदी-श्रीमती उषा त्रिवेदी के सुपौत्र है।

-विजय नागर

श्री विवेक नागर को पी.एच.डी.

स्व. कुंजबिहारी लाल जी नागर के सुपौत्र तथा स्व. डॉ. विजय कुमार नागर के सुपुत्र प्रो. विवेक नागर को म.प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय भोपाल (म.प्र.) ने प्रस्तुत शोध प्रबंध- महिलाएँ और मानवाधिकार कामकाजी महिलाओं के वैधानिक संरक्षण के संदर्भ में डॉक्टर ऑफ फिलासॅफी की उपाधि प्रदान की। श्री नागर ने अपना शोध कार्य डॉ.एस.एन.शर्मा प्राचार्य विधि महाविद्यालय उज्जैन के मार्गदर्शन में किया।

श्री विवेक नागर वर्तमान में ज्ञानमंदिर विधि महाविद्यालय में प्राचार्य के पद पर कार्यरत् हैं। श्री विवेक नागर को उनकी इस उपलब्धि पर डॉ. नरेन्द्र नागर एवं परिजनों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

-विवेक नागर
मो. 9425991876

प्रोफेसर ऋचा नागर को अमरीका में मिले कई उच्च सम्मान

मुझे आपके साथ यह समाचार बांटते हुए हर्ष हो रहा है कि मेरी और स्व. डॉ. शरद नागर की बड़ी बेटी प्रोफेसर ऋचा नागर को गत जुलाई 2015 में अमरीका की यूनिवर्सिटी ऑफ मिनिसोटा ने उनके श्रेष्ठतम शोधकार्य, रचनात्मक लेखन, और शिक्षण के लिये उन्हें बेनेट चेयर इन एक्सिलेंस तथा फिंक चेयर इन लिबरल आर्ट्स के पुरस्कारों से विभूषित किया। साथ ही, कॉलेज ऑफ लिबरल आर्ट्स-जिसमें कला, ललित कला, तथा सामाजिक शास्त्र संकाय से जुड़े 35 विभाग शामिल हैं, ने ऋचा को प्रोफ़ेसर ऑफ द कॉलेज के ख़िताब से नवाज़ा। यूनिवर्सिटी ऑफ मिनिसोटा के कॉलेज ऑफ लिबरल आर्ट्स ने यह खिताब पहली बार किसी को दिया है। इसके बाद नवम्बर माह में ऋचा की नई पुस्तक 'मडीइंग द वाटर्स' को अमरीका के नेशनल वुमेन्स स्टडीज़ असोसिएशन ने ग्लोरिया आन्ज़ाल दुआ पुरस्कार से सम्मानित किया। ऋचा 21 वर्ष की उम्र में सन् 1989 में मकार्थर फेलोशिप पाकर भूगोल में पी.एच.डी. करने भारत से अमरीका गई थीं। तब से अब तक उन्होंने 8महत्वपूर्ण ग्रन्थ और 250 से भी अधिक लेख, कवितायें, नाटक आदि लिखे हैं और भारत और यू.एस.ए. के अलावा उत्तरी अमरीका, यूरोप, अफ्रीका, तथा एशिया के 20 से भी अधिक देशों में उनके भाषण हुए हैं तथा सांस्कृतिक विविधता, ग़ैर बराबरियों और सामाजिक हिंसा से जुड़े मुद्दों पर उनके लिखे काम को शोधार्थियों द्वारा पूरे विश्व में पढ़ा जाता है।

-विभानागर, लखनऊ

गुजरात के हर्ष पंड्या का म.प्र. में सम्मान

म.प्र. में नागर ब्राह्मण प्रतिभाशाली छात्र प्रोत्साहन समिति द्वारा आयोजित 25 दिसम्बर 2015 के समारोह में पहली बार गुजरात निवासी श्री हर्ष पंड्या का सम्मान किया गया। ज्ञातव्य है कि बी.एच. गार्गी इंजीनियरिंग कॉलेज राजकोट के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के मात्र उन्नीस वर्ष के विद्यार्थी श्री हर्ष परेशभाई पंड्या तथा उनके दो सहपाठियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके अनुसंधान प्रोजेक्ट को प्रस्तुत कर न केवल वैज्ञानिकों को अचंभे में डाल दिया। वरन ज्ञाति, गुजरात तथा देश को भी सम्मान दिलवाया है। अमेरिका की एक सौ अस्सी वर्ष पुरानी संस्था अमेरिकन सोसायटी फॉर मैकेनिकल इंजीनियरिंग आर्गेनाईजेशन द्वारा आयोजित इनोवेटिव जीजाईन सिम्युलेशन चेलैंज की अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में उनका प्रोजेक्ट थियो जेनसन सायकल प्रस्तुत कर 2 अगस्त 2015 को बोस्टन शहर में प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तथा दो हजार डालर का इनाम प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि पर म.प्र. नागर प्रतिभाशाली छात्र प्रोत्साहन समिति के कार्यक्रम में उनका सम्मान किया गया।

-अनिल कुमार मेहता, भावनगर (गुजरात)

प्रतिभा के माने हैं बुद्धि में नई-नई कोपलें फूटते रहना। नई कल्पना, नया उत्साह, नई खोज, नई स्फूर्ति- ये सब प्रतिभा के लक्षण है...।

चि.हिमांशु एवं कु. मोक्षदा सम्मानित

सौ.शकुन्तला-वरिष्ठ पत्रकार श्री हरिनारायण नागर के पौत्र-पौत्री तथा सौ.सुनीता-मनमोहन नागर (पीपलरावाँ)। देवास के पुत्र-पुत्री चि.हिमांशु तथा मोक्षदा ने केन्द्रीय विद्यालय बी.एन.पी. देवास से सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम अंग्रेजी माध्यम से चि.हिमांशु नागर ने 10वीं परीक्षा 2015 में अंग्रेजी एवं गणित में शत-प्रतिशत अंक के साथ 9.4 सी.जी.पी.ए. तथा कु.मोक्षदा नागर ने 8वीं में 9.3 सी.जी.पी.ए. अर्जित कर परिवार को गौरवान्वित किया है।

इस उपलब्धि पर उज्जैन में म.प्र. नागर (ब्राह्मण) प्रतिभाशाली छात्रा-छात्रा प्रोत्साहन समिति द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में चि. हिमांशु नागर को द्वितीय तथा कु.मोक्षदा नागर को तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया है।

नेहा नागर ने खेल प्रतियोगिता में पाया प्रथम स्थान

पिपलियामंडी संवाददाता बाबूलाल नागर की पौत्री नेहा पिता चंद्रशेखर नागर ने केन्द्रीय विद्यालय पिकेट सिकंदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिस पर स्कूल प्रबंधन द्वारा नेहा को गोल्ड मेडल व प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार व सभी परिजनों ने नेहा नागर को हार्दिक बधाई दी।

रोहन नागर का चयन

रोहन नागर (बी.ई., एम.बी.ए.) सुपुत्र श्री कृष्णकांत नागर (मैनेजर बैंक ऑफ महाराष्ट्र उज्जैन) का चयन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नालॉजी गाजियाबाद के कैंपस प्लेसमेंट दौर द्वारा आईसीआईसीआई बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर (कार्पोरेट बैंकिंग) के पद पर 9 लाख रु. वार्षिक के पैकेज पर हुआ है। चि. रोहन स्व.श्री रामगोपाल नागर (कायथा) के पौत्र एवं स्व.श्री बृजमोहन शर्मा (इंदौर) के नाती है। उनकी इस उपलब्धि पर परिवारजनों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कु.वैशाली एवं विशाल नागर का सुयश

कु. वैशाली एवं विशाल नागर (प्रपौत्री-प्रपौत्र- स्व.सेठ श्री मणीशंकरजी श्रीधर सर्राफ सुपौत्री-सुपौत्र- स्व.श्री प्रभाशंकरजी-श्रीमती प्रभा नागर, सुपुत्री-सुपुत्र- किरण-मुकेश नागर शाजापुर) का उच्च शिक्षा हेतु चयन क्रमशः पी.जी.जे.एम. कोर्स हेतु एम.एस. रमैय कॉलेज बैंगलोर एवं कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग पुणे में बी.ई. मैकेनिकल कोर्स हेतु हुआ है। शाजापुर नागर समाज की ओर से हार्दिक बधाई।

-अरुण नागर, पंकज नागर, शाजापुर

जूनागढ़ में श्री रमेश भाई पंड्या का सम्मान

रमेश पंड्या अपनी सेवानिवृत्ति के पश्चात् पर्यावरण एवं पशु-पक्षी संरक्षण के कार्य में जुटे हुए हैं को 4 जनवरी 2016 को कलोल में सम्पन्न हुए अ.भा. नागर सम्मेलन में नागर रत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया। हाल ही में करुणा इंटरनेशनल के वार्षिक अधिवेशन में जूनागढ़जिले के 31 सम्मानितजनों ने सहभागिता की। इसका नेतृत्व करते हुए श्री पंड्या एवं अलकाबेन भट्ट को अहिंसा और करुणामयी गतिविधियों के लिए सम्मानित किया गया।

|| श्री गोवर्धन धरो विजयते ||
श्री गोवर्धननाथजी
सौ. गौरी
एवं
को
सिंचन
शुभविवाह की प्रथम सालगिरह
(29 जनवरी 2015)
पर हार्दिक बधाई...शुभकामनाएँ...
शुभाकांक्षी-
शाजापुर से :- श्रीमती शकुन्तला मेहता (दादी)
श्रीमती यामिनी स्व. मुखिया नरेन्द्र मेहता (ताईजी)
सौ. नीलोत्पला-डॉ. सुरेश मेहता (मम्मी-पापा)
सौ.आभा-मुकेश मेहता (चाची-चाचा)
सौ.ममता-निकुन्ज मेहता, (चाची-चाचा)
सौ.कामिनी-योगेश मेहता (चाची-चाचा)
सौ.पूजा-अर्पित मेहता (भाई-भाभी)
सौ.सुरभि-नितिश मेहता (भाई-भाभी)
प्रितू, उत्सव, प्रियंक, राघव, आराध्या (भाई-बहन)
एवं अव्य (भतिजा)
सौ. प्रबोधिनी-आशीष पोटा (जीजी-जीजाजी)
सौ.नीतू-प्रवीण मिश्र (जीजी-जीजाजी)
अहमदाबाद से :- सौ. कृपा -सौम्येश भाई देसाई (मम्मी-पापा)
सौ. निकिता-संतन देसाई (भाई-भाभी)
सौ. स्तुति-हार्दिक नानावटी (दीदी-जीजाजी) आरोह (भतिजा)
एवं समस्त
मेहता एवं देसाई परिवार

जनवरी 2016

श्रीमती कांतू बेन दवे-राजकोट
(1 जनवरी)
श्रीमती श्रुति अपूर्व नागर, गोवा
(15 जनवरी)
चि. सत्यम (विनू) प्र.जाधव, इन्दौर
(23 जनवरी)
श्री कौशल ज.दवे, राजकोट
(29 जनवरी)
श्रीमती सोनम-विलियम, अमेरिका
(31 जनवरी)

-जोशी नागर, जाधव इन्दौर)
तिवारी (महू) परिवार

चि. ध्वज त्रिवेदी

सुपुत्र- सौ.अभिलाषा-अमित त्रिवेदी
7 जनवरी
शुभाकांक्षी-
दादा-दादी- श्री कमल-सौ.शशिकला त्रिवेदी
नाना-नानी- प्रमोदराय-सौ.मंजू झा

श्रीमती ममता नागर

25 जनवरी
जन्मदिन के अवसर पर जीवनसाथी ईश्वरी शंकर नागर, सुपुत्र- राहुल पुत्र-वधू रुचि नागर की ओर से बधाई।

रोहित नागर

23 जनवरी
जन्मदिन की बधाई पिताजी ईश्वरीशंकर नागर, माताजी ममता नागर आदि परिवार की ओर से बधाई।

मेहुल शर्मा भट्ट मेहता
को 21 जनवरी जन्मदिन की बधाई

बधाई

मनोज जाधव - 1 फरवरी
डॉ.प्रदीप मेहता - 7 फरवरी
श्रीमती तृप्ति मित्रा तिवारी - 10 फरवरी
कु.इशिता मनोज तिवारी - 11 फरवरी
श्रीमती अनु-अमित जोशी - 17 फरवरी

-पी.आर. जोशी, इन्दौर

कु.मोनिका नागर
5 दिसम्बर 1999
बधाईकर्ता-पापा-मम्मी-संतोष-सरोज नागर।
मो. 8718915870

---

26 जनवरी 2016 गणतन्त्र दिवस के पावन पर्व पर सकल व्यापारी संघ झाबुआ द्वारा आसरा पारमर्थिक ट्रस्ट के संस्थापक श्री राजेशजी नागर द्वारा नगर में किये जा रहे समाज सेवा के कार्यों के लिए सम्मान किया गया।

कु. आस्था शर्मा
सुपुत्री- डॉ.राजेन्द्र शर्मा इन्दौर ने सी.ए.-सी.पी.टी. परीक्षा में 200 में से 169 अंक प्राप्त कर उपलब्धि प्राप्त की। बधाई।

दीवार

पुराने पेड़ से एक दीवार ने कहा।
तुम तो एक दिन गिरकर नष्ट हो जावेंगे।
पर मेरी मिट्टी मेरे गिरने के बाद
भी काम आएगी।
दीवारों को कितना सजाया जाता है।
पुताई, पोस्टर, पेन्टिंग से दुल्हन बनती है।
दीवार खड़ी होती है, तो मकान बनता है।
जमीन का बटवारा नहीं हो पाता जहाँ
वहाँ दीवार खड़ी कर दो,
बटवारा हो जाता है।
पर दीवार कभी नहीं जताती,
अपना अधिकार।
ना ही दीवारें कभी लड़ती है, आपस में।
ना जमीन पर अपना हक जताती है।
आदमी दीवार से ही महल बनाता है।
मन्दिर, मस्जिद, गुरुद्वारे बन गई दीवार।
फिर भी इन्सान एकता की भावना
नहीं सीखता है।
एक-एक ईंट जोड़कर एकता से
बनती है दीवार।
औरों को सुख देने को,
सतत खड़ी रहती है दीवार।
इन्सान इतना समझ पाता
कि गिरकर संभल जाता।
गिरकर ना आदमी रहा
ना इन्सान ही बन पाया।

-चारुमित्रा नागर, इन्दौर
मो. 9826667059

अंदरुनी समृद्धि

धन कमाना तभी सार्थक होता है जब व्यक्ति भीतर का भी धनी हो, उसके संवेदनाएँ हो, वह दूसरों के काम आए और धन सही कार्यों में व्यय हो।

संकलित-दीपिका नागर, देवास

साल जरुर बदल गया है लेकिन साथ नहीं,
आपका स्नेह सदा बना रहे
2016 मंगलमय हो, यही शुभकामना...।

-जितेन्द्र ओमप्रकाश नागर
मोतीबंगला, देवास मो. 9827678692

चि.निर्मल (बबलू)
सौ. दीक्षा व्यास
को पुत्रीरत्न
प्राप्ति पर
हार्दिक बधाई
बधाई
महेश-सौ.हेमलता व्यास, शैलेन्द्र (कालू) व्यास
रतलाम (निनोर वाले)
बधाईकर्ता : रामेश्वर पुष्पा नागर
(हाटपिपलिया) इन्दौर

विवाह की 25 वीं वर्षगाँठ पर बधाईयाँ
सौ.रीता-मनोज मेहता
मुंबई
26 जनवरी 2016
शुभाकांक्षी :
मेहता परिवार
मुंबई-भोपाल

सौ.कां. निहारिका सुपुत्री- विनोद कुमार दशोरा निवासी उदयपुर (हाल-अहमदाबाद) का शुभविवाह ऊँझा निवासी कर्म रावल (सुपुत्र-श्री अतुलजी रावल एवं सौ.दिव्यानी बेन रावल के साथ 15-2-15 को सम्पन्न हुआ। यह रिश्ता मेलापक के माध्यम से हुआ, जय हाटकेश वाणी द्वारा निःशुल्क मेलापक में सेवा देने पर हार्दिक धन्यवाद, विनोद दशोरा अहमदाबाद।

16वीं परिणय वर्षगांठ
श्री आशुतोष पी.-सौ.विभूति जोशी
10 फरवरी

दाम्पत्य जीवन, खुशनुमा, स्नेहसिक्त, स्वस्थ सफलता के शिखर की ओर बढ़ता जाए।
शुभाकांक्षी- जोशी, नागर, जाधव, तिवारी, दवे परिवार **-पी.आर.जोशी**

प्रेरक भट्ट (प्रथम वर्षगांठ) 13 जनवरी
सुपुत्र- सौ. सुनीता-हर्षद भट्ट
शुभाकांक्षी- नाना-नानी- रमेशचन्द्र-सौ.हेमलता शुक्ल, दादा-दादी- मनोजकुमार-सौ.ममता भट्ट एवं समस्त भट्ट परिवार उन्हेल, उज्जैन, रतलाम शुक्ल परिवार लसुडिया ब्राह्मण।

श्रीमती अंजना-श्री गणेशराम पुराणिक
(20 जनवरी)
श्रीमती चरुमित्रा-श्री प्रदीप जाधव
(21 जनवरी)
अनु (कृपाली)- श्री अमित जोशी
(30 जनवरी)
शुभाकांक्षी- जोशी, नागर,
तिवारी परिवार, इन्दौर

सौ.दीपिका
जितेन्द्र नागर
5 फरवरी

शुभाकांक्षी- समस्त नागर परिवार मोती बंगला, देवास मो. 9827678692

16वीं परिणय वर्षगांठ
आशुतोष-पी.जोशी- सौ.विभूति आ जोशी
10 फरवरी
शुभाकांक्षी- जोशी, नागर, जाधव, तिवारी, दवे परिवार **-पी.आर.जोशी**

पुत्री रत्न की प्राप्ति पर बधाई

श्रीमती विद्यावती हाटकेश्वर नागर (झा) हावड़ा निवासी यां पड़पौत्री चि. आर्या ना जन्म (15-10-15) ना उपलक्ष्य यां दादाश्री राजेन्द्र (आर.के.झा) एवं दादी सौ.शशि झा (पुत्री-शाश्वत-सौ.स्वर्णिमा झा) ने जय हाटकेश वाणी ने रु. 10,000/- अक्षरी दस हजार सप्रेम भेंट आप्या। धन्यवाद

पुत्री रत्न प्राप्ति की बधाई

सौं.नेहा अम्बरीश नागर को 12-10-15 को पुत्री रत्न प्राप्ति की हार्दिक बधाई।
शुभाकांक्षी- श्रीमती ताराबाई नागर एवं परिवार मो. 9098318509

मंगल परिणय की बधाई

भोपाल निवासी चि. प्रियंक (बी.ई., एम.बी.ए., गोवा) सुपुत्र चि. मनोज एवं सौ.सुमन झा, सुपौत्र श्रवणेश्वर झा एवं सौ.मनोरमा झा ना शुभ लग्न इन्दौर निवासी सौ.कां.वन्दना (बी.ई.एम.टेक.) सुपुत्री श्री दीवानसिंह अने सौ.गायत्री साथे 14-12-15 ने सम्पन्न थया। चि. प्रियंक कोटा निवासी श्री दिनेश चन्द्र एवं सौ.सरला दवे ना दोहित्र छे। चि. प्रियंक इन्फोसिस कम्पनी, हैदराबाद मां कार्यरत छे।

कुर्यात सदा मंगलम्

दिनांक 23-11-2015
चि.दीपेश
सुपुत्र- श्री बृजकिशोर शर्मा
झालरापाटन (राज.)
सौ.कां. स्वाति
सुपुत्री- श्री भीमराज शर्मा
अकलेरा (राज.)

27-11-2015
चि.राजकुमार
सुपुत्र- श्री भुवनेश नागर
बकानी (राज.)
सौ.कां. ज्योति
सुपुत्री- श्री राजेन्द्र नागर
बनेठा जिला टोंक (राज.)

13-12-2015
चि. सिद्धार्थ
सुपुत्र- श्री सुधीर नागर
अकलेरा (राज.)
सौ.कां. प्रगति (पूजा)
सुपुत्री- श्री संजय मंडलोई
नागदा (म.प्र.)

13-12-2015
चि.चन्द्रशेखर (विजय)
सुपुत्र- स्व.श्री पूनमचन्द नागर
बकानी (राज.)
सौ.कां. गुंजन कुमारी
सुपुत्री- दिनेशचन्द्र दशोरा
नाथद्वारा (राज.)

15-12-2015
चि.विशाल
सुपुत्र- श्रीरमाकान्त नागर
इन्दौर (म.प्र.)
सौ.कां. माधुरी
सुपुत्री- डॉ.अशोक नागर
ताखला (नलखेड़ा)

4-12-2015
चि.हिमांशु
सुपुत्र- श्री अनूप दीक्षित
खण्डवा (म.प्र.)
सौ.कां. सोनम
सुपुत्री- श्री बजरंग भट्ट नौगांव (म.प्र.)
-कुलेन्द्र नागर, अकलेरा

समय परिवर्तन के साथ समाज में वैवाहिक रिश्ते तय करवाने वाले माध्यमों का अभाव हो गया था, जिसकी पूर्ति मासिक पत्रिका एवं सोशल मीडिया ने की है।

शुभ संकेत ; शुभ-लाभ

कुछ वर्षों पहले मासिक जय हाटकेश वाणी की सम्पादकीय में लिखा गया था कि समाज की विभिन्न कुरीतियों एवं विकृतियों के बारे में समाजजन घर में बैठकर चिंतन और चिंता करते हैं, और हम घर से बाहर निकलकर उसके लिए प्रयास करते हैं। उस समय अंतरजातीय विवाह की बहुलता चिंता का प्रमुख विषय हो गया था, लेकिन मासिक जय हाटकेश वाणी ने प्रतिवर्ष मेलापक का प्रकाशन प्रारंभ किया तथा नियमित अंकों में भी विवाह योग्य युवक-युवती की जानकारी प्रकाशित करना प्रारम्भ किया, जिसके शुभ परिणाम प्राप्त हुए, समाज के अन्दर ही रिश्ते तय होकर अंतरजातीय विवाह पर अंकुश लगा। युवा समाजसेवी डॉ.नीलेश नागर भी प्रेरित हुए तथा उन्होंने वाट्सअप के माध्यम से रिश्ते तय करवाने में यशस्वी हुए है।

दरअसल समय परिवर्तन के साथ समाज में वैवाहिक रिश्ते तय करवाने वाले माध्यमों का अभाव हो गया था, जिसकी पूर्ति मासिक पत्रिका एवं सोशल मीडिया ने की है। नागर ब्राह्मण समाज में आपस में रिश्ते तय किए जाने के अनेक लाभ है, इससे समाज एवं रिश्तों का विस्तार होता है। कहा जाता है कि ब्याह तो वर-वधू का होता है, परन्तु जुड़ते हैं, सम्बंधी बनाते हैं। इसी दिशा में आगे और प्रयास की आवश्यकता है, जिसके अंतर्गत नागर ब्राह्मण समाज के सभी घटकों को जोड़कर उनके बीच विवाह सम्बंध बनाने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इन घटकों के बीच रीति-रिवाजों का कुछ अन्तर है, उसमें आपसी समझ से तालमेल बैठाना पड़ेगा।

समाज को यह तय करना पड़ेगा कि वह पहली प्राथमिकता अपने समाज को दे वहीं पर रिश्ते ढूंढे। यदि विभिन्न प्रयासों के बाद भी समाज में सम्बंध तय न हो सके तो सर्वब्राह्मण समाज के घटकों को दूसरी प्राथमिकता दें।

-संगीत-दीपक शर्मा

मेलापक 2016 के बारे में...

जैसा कि सर्वविदित है मासिक जय हाटकेश वाणी द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित किए जा रहे मेलापक अंक के माध्यम से अनेक रिश्ते तय हो चुके हैं तथा जितने भी रिश्ते तय हुए हैं वे निश्चित रूप से सफल वैवाहिक जीवन की ओर बढ़े हैं। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मेलापक अंक का प्रकाशन किया गया है, जिसमें पाठकों द्वारा भेजी गई जानकारी का समावेश किया गया है, बहुत कम प्रविष्टियां ऐसी भी शामिल है जो अन्य ब्राह्मण समाज से हैं, परन्तु वे नागर ब्राह्मण समाज में रिश्ते करने के इच्छुक हैं।

जय हाटकेश वाणी इस उद्देश्य के तहत कि ज्यादा-से-ज्यादा रिश्ते हमारे स्वयं के समाज में ही तय होना चाहिए तथा अंतरजातीय विवाह पर रोक लगना चाहिए के तहत वैवाहिक प्रस्तावों का निःशुल्क प्रकाशन करती है। आपसे आग्रह है कि आप अपने स्तर पर पूरी जानकारी लेकर एवं पूर्ण संतुष्ट होने पर ही रिश्ता तय करें। अत्यंत सावधनी के साथ जानकारियों को प्रकाशित किया गया है, इसके बावजूद यदि कोई त्रुटि हो गई हो तो हम अग्रिम रूप से क्षमाप्रार्थी हैं।

सम्पादक

मासिक जय हाटकेश वाणी के तत्वावधान में
प्रथम नागर ब्राह्मण सामूहिक विवाह का आयोजन 27 नवम्बर 2016
विस्तृत जानकारी एवं विवरण हेतु आगामी अंक देखते रहिये।

शिखा गौतम राजेन्द्र शर्मा 01
दिनांक 1-1-1985, मंगल- हाँ
जन्म समय 18.38, जयपुर
कद- 5'3", वजन- 70 किलो
शिक्षा- एम.टेक. (कम्प्यू. साईंस), एम. साईंस
कार्यरत- पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर
सम्पर्क- 190, मोहन नगर, जयपुर
मो. 9460312777

दीपिका विद्याशंकर व्यास 02
दिनांक 27-12-1989, मंगल- हाँ
जन्म समय 4.50 ए.एम., खण्डवा
कद- 5'4", वजन- 50 किलो
शिक्षा- एम.कॉम.
कार्यरत- -
गौत्र- गौतम
सम्पर्क- जय अम्बे कॉलोनी, एम.पी.ई.बी. रोड, बिरलाग्राम, नागदा
मो. 9165592178

रीना अजीत भट्ट 03
दिनांक 22-10-1987, मंगल- हाँ
जन्म समय 11.09 पीएम, मुम्बई
कद- 5', वजन- 50 किलो
शिक्षा- बी.कॉम., पीजीडीएफएम
कार्यरत- नौकरी
गौत्र- पाराशर
सम्पर्क- ए-1/15, प्रेमजी नगर, दौलत नगर, रोड नं. 10 बोरीवली पूर्व मुम्बई
मो. 9869325517

पूजा संतोष मेहता 04
दिनांक 5-6-1994, मंगल- नहीं
जन्म समय 10.30 ए.एम., उज्जैन
कद- -, वजन- -
शिक्षा- बी.एस.सी. (आई.टी.)
कार्यरत- -
गौत्र- पाराशर
सम्पर्क- 2, कानीपुरा रोड, सेंट पॉल स्कूल के पीछे, उज्जैन
मो. 8982563959

कविता स्व. महेन्द्र नागर 05
दिनांक 27-10-1983
जन्म समय 11.11 रात्रि, नागदा
कद- 5'7", वजन- -
शिक्षा- एम.ए., एम.एड. बी.एड.
कार्यरत- -
गौत्र- -
सम्पर्क- -
मो. 9827571662
9981806146
तलाकशुदा

आयुषी राजेन्द्र कु. शर्मा 06
दिनांक 17-6-1993, मंगल- नहीं
जन्म समय 1.50 ए.एम., शाजापुर
कद- 5'4", वजन- -
शिक्षा- एम.एस.सी. (मैथ्स)
कार्यरत- प्राईवेट स्कूल में टीचर
गौत्र- भारद्वाज
सम्पर्क- मोहन बड़ोदिया जिला शाजापुर
मो. 9893278461
9074730881

निधि अनिल मेहता 07
दिनांक 6-8-1992
जन्म समय 10.15 पीएम, उज्जैन
कद- 5'2", वजन- -
शिक्षा- बी.एस.सी. टेक्सटाइल
कार्यरत- एक्सपोर्ट कम्पनी
गौत्र- कश्यप
सम्पर्क- इ.गा.न. परियोजना फलोदी, जोधपुर
मो. 9983082322

आरती सोमदत्त नागर 08
दिनांक 7-10-1987
जन्म समय 7.55 एएम, जयपुर
कद- 5'5", वजन- -
शिक्षा- एम.ए. (संस्कृत एण्ड पोल.साईंस)
कार्यरत- -
गौत्र- गौतम
सम्पर्क- 464, शुभम विहार नीयर सोमानी हॉस्पिटल, जयपुर
मो. 9352905048

सस्मिता सुरेशचन्द्र नागर 09
दिनांक 30-6-1997, मंगल- नहीं
जन्म समय 5.00, झाड़मडू
कद- 5', वजन- 40 किलो
शिक्षा- बी.ए. द्वितीय वर्ष
कार्यरत- -
गौत्र- साठोत्रा नागर
सम्पर्क- ग्राम पोस्ट झाड़मडू, तह. जीरापुर, जिला राजगढ़
मो. 9755817807

नीती विपीन त्रिवेदी 10
दिनांक 16-9-1986 मंगल- नहीं
जन्म समय 12.20 दोप., बूंदी
कद- 5', वजन- 50 किलो
शिक्षा- एम.ए., एम.एड., पी.एच.डी., यू.जी.सी. एन.आई.टी. क्वालिफाईड
कार्यरत- असिस्टेंट प्रोफेसर एट आईआईटी
गौत्र- सांस्कृतस्य
सम्पर्क- 129, गोपाल कुटीर,
मो. 9012387178

मेघा दिनेश जोशी 11
दिनांक अगस्त 1980, मंगल- हाँ
जन्म समय -, इन्दौर
कद- 5'4", वजन- -
शिक्षा- बीपीटी, एमबीए
कार्यरत- इन जॉब
सम्पर्क- 115, तिलक नगर, पलासिया, इन्दौर
मो. 0731-2491007
7869714442

विधि शशिकांत याज्ञनिक 12
दिनांक 10-1-1987, मंगल- -
जन्म समय 11.18 एएम, मुम्बई
कद- 5', वजन- 40 किलो
शिक्षा- एम.बी.ए., बी.सी.ए.
कार्यरत- गेटवे टेक्नो लैब में कार्यरत
गौत्र- -
सम्पर्क- श्रीनन्द सिटी 5, आई-104, नीयर अहमदाबाद बड़ोदा एक्सप्रेस हाईवे
मो. 84001238226

गार्गी मुकुन्द मोहन दवे 13
दिनांक 1-1-1990
जन्म समय 23.45, उज्जैन
कद- 5'7.5", वजन- -
शिक्षा- बी.टेक. कम्यूनि. इंजीनियरिंग
कार्यरत- एसोसिएट्स इंजीनियर
आय- 3.5 लाख (वार्षिक)
गौत्र- -
सम्पर्क- एस-160, संगम विहार, झांसी
मो. 7525013388
8960419138

माया पं. कैलाशचन्द नागर 14
दिनांक 17-9-1992
जन्म समय 5 बजे, अकलेरा
कद- -, वजन- -
शिक्षा- बी.ए., बी.एड.
कार्यरत- कोचिंग प्राइवेट स्कूल
गौत्र- -
सम्पर्क- अकलेरा (राज.)
मो. 8741941955
8387048952

श्रद्धा दिलीप नागर 15
दिनांक 15-10-1988, मंगल- नहीं
जन्म समय 10.35 एएम, देवास
कद- 5'5", वजन- 56 किलो
शिक्षा- एम.बी.ए.
कार्यरत- -
गौत्र- आलुम्ब्यान
सम्पर्क- 201, शक्ति टॉवर, 158-159, गोयल नगर, इन्दौर
मो. 0731-2592356
9826857093

वर्तिका मुकेश नागर 16
दिनांक 19-3-1991, मंगल- हाँ (आंशिक)
जन्म समय 11.00 एएम, कोटा
कद- 5'2", वजन- -
शिक्षा- बी.ई.आई.टी.
कार्यरत- डेल कॉम. नोएडा
गौत्र- छान्द्रोस्य
सम्पर्क- 889, छोटा बाजार, हरिफाटक, महू जिला इन्दौर
मो. 277561
9770202015

यामिनी मेघशंकर नागर 17
दिनांक 15-12-1991, मंगल- नहीं
जन्म समय 2.18 एएम, रतलाम
कद- 5'3", वजन- 60 किलो
शिक्षा- एम.ए. (इंग्लिश लिट.) बी.एड.
कार्यरत- -
गौत्र- काश्यप
सम्पर्क- 16, विज्ञान नगर, होटल रिजेन्सी के पीछे,सवाई माधोपुर
मो. 9460778351
8233923337

रुचि दिनेश मेहता 18
दिनांक 2-2-1989, मंगल- नहीं
जन्म समय 4.00 ए.एम., उज्जैन
कद- 5'3", वजन- 37 किलो
शिक्षा- बी.कॉम., एम.कॉम., पीजीडीसीए इन कम्प्यूटर
कार्यरत- -
गौत्र- अलम्भान
सम्पर्क- 5, शिव विहार कॉलोनी, हरनीया खेड़ी महू, जिला इन्दौर
मो. 9977910109

चेतना गोपालकृष्ण नागर 19
दिनांक 2-1-1993, मंगल- हाँ
जन्म समय 6.20 पीएम, मंदसौर
कद- 5'4", वजन- 55 किलो
शिक्षा- बी.ए.सैकण्ड ईयर
कार्यरत- -
गौत्र- दालभ्य
सम्पर्क- 74, भागवंत नगर (रामटेकरी) मंदसौर
मो. 9926758037

वैशाली गोपालकृष्ण नागर 20
दिनांक 10-11-1995, मंगल- नहीं
जन्म समय 12.30 रात्री, मंदसौर
कद- 5'5", वजन- 55 किलो
शिक्षा- 12वीं
कार्यरत- -
गौत्र- दालभ्य
सम्पर्क- 74, भागवंत नगर (रामटेकरी) मंदसौर
मो. 9926758037

अदिती भानू शंकर व्यास 21
दिनांक 31-3-1989, मंगल- नहीं
जन्म समय 6.00 पीएम, धार
कद- 5'4", वजन- -
शिक्षा- एम.ए. हिन्दी, संस्कृत, बी.एड. पीजीडीसीए
कार्यरत- शिक्षक
गौत्र- -
सम्पर्क- जुना राम मंदिर, खण्डवा
मो. 8602424646
9039381416

अभिलाषा अशोक रावल 22
दिनांक 22-11-1992, मंगल- नहीं
जन्म समय 12.30 पीएम, इन्दौर
कद- 5'6", वजन- 54 किलो
शिक्षा- एम.एस.सी. (कम्प्यूटर)
कार्यरत- बुटिक
गौत्र- पाराशर
सम्पर्क- 18, विवेकानन्द कॉलोनी, मोती बंगला, देवास
मो. 9669579415
9575705845

अल्पा राजेन्द्रनाथ दीक्षित 23
दिनांक 2-6-1986, मंगल- नहीं
जन्म समय 3.46 एएम, वाराणसी
कद- 5', वजन- 53 किलो
शिक्षा- एम.बी.ए. (फाईनेंस)
कार्यरत- कान्जिजेन्ट , पुणे
आय- 11 लाख (वार्षिक)
गौत्र- कापिष्ठलस्य
सम्पर्क- ए-269, सेक्टर ए, शाहपुरा, भोपाल 9893921916
मो. 7049732311

दीप्ति गोपालकृष्ण जोशी 24
दिनांक 30-7-1983, मंगल- हाँ
जन्म समय 6.5 प्रातः, मन्दसौर
कद- 5'3", वजन- -
शिक्षा- इन्टीरियर डिजाइनर, एमबीए
कार्यरत- इन्टीरियर का कार्य
गौत्र- कौरव्य (दशोरा)
सम्पर्क- 334, तिलक नगर, फ्लेट नं. 101, इन्दौर
मो. 9926497379
9926412078

वीणा विनोद जोशी 25
दिनांक 5-1-1988, मंगल- नहीं
जन्म समय 2.27 एएम, इन्दौर
कद- 5'3", वजन- -
शिक्षा- एम.सी.ए.
कार्यरत- सॉफ्टवेयर कम्पनी, इन्दौर
गौत्र- कौरव्य मिश्र
सम्पर्क- 170, गुलाब बाग कॉलोनी, देवास नाका, इन्दौर
मो. 0731-3254425
9479561268

प्रियंका रमेशचन्द्र तिवारी 26
दिनांक 11-2-1994, मंगल- हाँ
जन्म समय 2.00 रात्री, इन्दौर
कद- 5'2", वजन- 58 किलो
शिक्षा- बी.ई.
कार्यरत- सिनटेल कंपनी (पुना)
गौत्र- भारद्वाज
सम्पर्क- बैंक नोट प्रेस (देवास)
मो. 9009336766
727256577

शुभांगी नरेन्द्र नागर 27
दिनांक 13-8-1991, मंगल- नहीं
जन्म समय 1.30 , वाराणसी
कद- -, वजन- -
शिक्षा- बी.कॉम.
कार्यरत- -
गौत्र- -
सम्पर्क- के-25/1, सूट टोला, वाराणसी
मो. 9918916885

स्वाति दीपक जोशी 28
दिनांक 18-12-1988, मंगल- मांगलिक
जन्म समय 2.00 पीएम, शाजापुर
कद- 4'9", वजन- 45 किलो
शिक्षा- एम.एससी. माइक्रोबॉयलोजी, बी.एड.
कार्यरत- प्राइवेट स्कूल
गौत्र- कश्यप
सम्पर्क- दीपक जोशी ओंकार प्रसादालय प्रबंधक ओंकारेश्वर
मो. 9425333707

कोमल महेन्द्र दशोरा 29
दिनांक 16-4-1986, मंगल- हाँ
जन्म समय 10.50 एएम, कांकरोली
कद- 5'3', वजन- -
शिक्षा- एम.बी.ए., एम.फील.
कार्यरत- सीनियर एक्जिक्यूटिव
गौत्र- भारद्वाज भट्ट
सम्पर्क- आर-5/51, जयश्री कॉलोनी ठोकर चौराहा, उदयपुर
मो. 0294-2492834
9414928051

आस्था भंवरलाल दशोरा 30
दिनांक 27-7-1989, मंगल- नहीं
जन्म समय 10.50 पीएम, नाथद्वारा
कद- 5'4", वजन- -
शिक्षा- बी.सी.ए., एम.सी.ए.
कार्यरत- सॉफ्टवेयर कम्पनी
गौत्र- भार्गव श्रावण भट्ट
सम्पर्क- 225, एन.बी. नगर, धाउजी की बावड़ी,उदयपुर
मो. 9460029125
9602208485

रीतु सुधीर जोशी 31
दिनांक 13-11-1980, मंगल- हाँ
जन्म समय 6.34, इन्दौर
कद- 5'1", वजन- -
शिक्षा- एमएससी (सी.एस.)
कार्यरत- शिक्षक
गौत्र- -
सम्पर्क- ए-28/2, वेद नगर, उज्जैन
मो. 0734-2525956

खुशबू शैलेन्द्रनाथ पंड्या 32
दिनांक 16-9-1989, मंगल- नहीं
जन्म समय 8.00 पीएम, अजमेर
कद- 5'9", वजन- 75 किलो
शिक्षा- बी.सी.ए., एम.सी.ए.
कार्यरत- -
गौत्र- शार्कराक्ष
सम्पर्क- 427/11, विश्व विमल सदन, डॉ.क्षेत्रपाल आँखों के अस्पताल के पीछे,अजमेर
मो. 9571422522

सलोनी ज्योतिषचन्द्र पंड्या 33
दिनांक 22-7-1989, मंगल- हाँ
जन्म समय 00.15 एएम, नड़ियाद
कद- 5'4", वजन- 58 किलो
शिक्षा- एम.ई. (ही.सी.) अध्ययनरत
कार्यरत- प्राईवेट ट्यूशन
गौत्र- पाराशर
सम्पर्क- बी-2/68, सहयोग आदर्श नगर, देवास रोड, उज्जैन
मो. 0734-2521688
9406605600

प्रीति प्रकाशचन्द्र नागर 34
दिनांक 4-5-1990, मंगल- आंशिक
जन्म समय 12.15 पीएम, खिलचीपुर
कद- 4'11", वजन- 48 किलो
शिक्षा- बी.कॉम., एमबीए
कार्यरत- जॉब सर्चिंग
गौत्र- भारद्वाज
सम्पर्क- 87, महालक्ष्मी नगर, कॉलोनीदेवास रोड, उज्जैन
मो. 9425801216
9406626863

अदिती डॉ.सी.पी. त्रिवेदी 35
दिनांक 31-8-1975, मंगल- नहीं
जन्म समय 2.33 पीएम, इन्दौर
कद- -, वजन- -
शिक्षा- 12वीं, बी.ए. इन कम्प्यूटर फैशन डिजाईनिंग कोर्स
कार्यरत- नौकरी
गौत्र- पाराशर
सम्पर्क- प्रो. रविशंकर नागर, रतलाम
मो. 07412-232772
9425456518

नेहा राजेश मेहता 36
दिनांक 26-1-1988, मंगल- आंशिक
जन्म समय 10.40 पीएम., भोपाल
कद- 5'3", वजन- -
शिक्षा- बी.कॉम., एम.बी.ए. फायनेंस
कार्यरत- सीनि. ऐसोसियेट, सोसाइट जनरल बैंगलौर (कर्ना.)
गौत्र- औक्षण
सम्पर्क- ई-3/347, अरेरा कॉलोनी, भोपाल
मो. 9893055869
8602551116

नुपूर शर्मा 37
दिनांक 24-8-1987, मंगल- मांगलिक
जन्म समय 6.25 पीएम, इन्दौर
कद- 5'5", वजन- -
शिक्षा- एमएसडब्ल्यू, बी.कॉम. कम्प्यूटर
कार्यरत- प्रोजेक्ट मैनेजर इन एनजीओ
गौत्र-
सम्पर्क- इन्दौर
मो. 8962359100

लक्ष्मी स्व.प्रदीप नागर 38
दिनांक 12-9-1980
जन्म समय 12.31 एएम, बनारस
शिक्षा- एमएमसी, बीएड
कार्यरत- अध्यापिका (बनारस)
आय- 20,000/-
सम्पर्क- बनारस
मो. 9839447258

जया लक्ष्मी नारायण नागर 39
दिनांक 24-4-1995, मंगल- -
जन्म समय 2.30 एएम
कद- -, वजन- -
शिक्षा- बी.एससी. बायोटेक डीएमएलटी पैथालाजी (अध्ययनरत)
कार्यरत- -
गौत्र- -
सम्पर्क- अभयपुर (शाजापुर)
मो. 9993351577
9039439411

सलोनी राजेन्द्र नागर 40
दिनांक 22-8-1992
जन्म समय 5.02 एएम, इन्दौर
कद- 5', वजन- 60 किलो
शिक्षा- मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एजुकेशन
कार्यरत- -
गौत्र- -
सम्पर्क- इन्दौर
मो. 9303274678

कुसुम जगदीश नागर 41
दिनांक 28 उम्र
जन्म समय -
कद- -, वजन- -
शिक्षा- बी.कॉम.
कार्यरत- मुम्बई मे
गौत्र- -
सम्पर्क- मुम्बई
मो. 9892236858

कुसुम श्याम कु. नागर 42
दिनांक 6-6-1989
जन्म समय 1.45 पीएम, शाजापुर
कद- -, वजन- -
शिक्षा- एम.ए., बी.एड., डी.एड.
कार्यरत- अध्यापिका (शासकीय)
गौत्र- -
सम्पर्क- शाजापुर
मो. 9425918559

पूर्वा मोहनलालजी दशोरा 43
दिनांक 27-5-1988
जन्म समय 9.7 एएम, इन्दौर
कद- 5'5"
शिक्षा- बी.कॉम., एम.बी.ए. (एचआर) एसएपी, एएस.एपी. इंफोटेक
कार्यरत- एचआर एक्जीक्यूटिव सिटी पैलेस उदयपुर
सम्पर्क-
मो. 9829189748
फोन 0294-2426087

इशिता गिरीश कु.नागर 44
दिनांक 1-8-1990, मंगल- मांगलिक
जन्म समय 1.45 पीएम, राजकोट (गुज.)
कद- 5'1", वजन- 50 किलो
शिक्षा- आईसीडब्ल्यूए (कॉस्ट अकाउंटेंट)
कार्यरत- एक्जीक्यूटिव शक्तिपंप पीथमपुर
गौत्र- गौतम
सम्पर्क- इन्दौर
मो. 7697478649
7697378649

रुपल राजेश नागर 45
दिनांक 5-5-1988
जन्म समय 13-13, अलवर
कद- 5'4", वजन- -
शिक्षा- बी.बी.ए., एम.बी.ए.
कार्यरत- -
गौत्र- -
सम्पर्क- -
मो. 09793913246

मिताली प्रभाशंकर मेहता 46
दिनांक 8-9-1989, मंगल- मांगलिक
जन्म समय 5.55 प्रातः, मन्दसौर
कद- -, वजन- 48 किलो
शिक्षा- बी.एस.सी., (बायोटेक्नालॉजी) बी.एड., एम.बी.ए.
कार्यरत- ए.पी.सी. स्कूल प्रतापगढ़
तलाकशुदा
सम्पर्क-
मो. 07422400029
9926056561

आरती कैलाशनारायण शर्मा 47
दिनांक 7-3-1987
जन्म समय 12.22 एएम, जोबट
कद- 5'3", वजन- 50 किलो
शिक्षा- एमसीए
कार्यरत- सॉफ्टवेअर इंजीनियर इन पुणे
गौत्र- -
सम्पर्क- इन्दौर
मो. 9752910991
9425486724

मोनिका अशोक कुमार नागर 48
दिनांक 12-1-1993
जन्म समय 10.00 पीएम, अहमदाबाद
कद- 4'10", वजन- -
शिक्षा- बी.कॉम., एम.कॉम. (रनिंग)
कार्यरत- -
गौत्र- पाराशर
सम्पर्क-
मो. 9826769403
8462975970

अदिति अशोक शर्मा — 49
दिनांक 10-3-1992
जन्म समय 5.15 पीएम, नागदा
कद- -, वजन- -
शिक्षा- बी.कॉम., बी.एड. अध्ययनरत, एम.कॉम.
कार्यरत- -
गौत्र- आलम्बान
सम्पर्क- -
मो. 9001869340
9636468111

नेहा शर्मा — 50
दिनांक 6-1-1986
शिक्षा- एमबीए (फायनेंस) बैंगलोर से, बी.कॉम. (कम्प्यूटर्स) भोपाल से
कार्यरत- नरेश राजानी एंड कं. (चार्टर्ड अकाउंटेंट) टिचिंग सब्जेक्ट, इनकम टेक्स, इन्डायरेक्ट टेक्स, कार्पोरेट अकाउंट्स
सम्पर्क- भोपाल
मो. 09826494778

आकाँक्षा सुनील मेहता — 51
दिनांक 21-11-1993
जन्म समय 5.2 एएम, इन्दौर
कद- 5'4", वजन- -
शिक्षा- एम.ए., बी.एड.
कार्यरत- -
गौत्र- -
सम्पर्क- बूंदी (राज.)
मो. 8094522483
9982051060

शिमोना विनोद मेहता — 52
दिनांक 24-1-1990
जन्म समय 11.30 ए.एम., जयपुर
कद- -, वजन- -
शिक्षा- बी.ए., एम.बी.ए. (जयपुर)
कार्यरत- डिपार्टमेन्ट ऑफ प्लानिंग राजस्थान सरकार सचिवालय जयपुर
गौत्र- आलम्बान
सम्पर्क- विनोद मेहता
मो. 9001195695
9001199722

निकिता शैलेन्द्र मंडलोई — 53
दिनांक 24-7-1988, मंगल- मांगलिक
जन्म समय 4.20 पीएम, जबलपुर
कद- -, वजन- -
शिक्षा- एम.कॉम., पीजीडीसीए
कार्यरत- -
गौत्र- -
सम्पर्क-
मो. 0761-4064500
9329003583

टीना सुबोध जोशी — 54
दिनांक 4-11-1988
जन्म समय 2.16 पीएम, इन्दौर
कद- 5'1", वजन- -
शिक्षा- एम.बी.ए. फायनेंस
कार्यरत- -
गौत्र- कौरव्य
सम्पर्क-
मो. 9009019595

रुचि अशोक गुरु — 55
दिनांक 5-2-1985
जन्म समय 4.00 एएम, खंडवा
कद- 5'8", वजन- -
शिक्षा- एमसीए 2009
कार्यरत- -
गौत्र- कश्यप
सम्पर्क- खण्डवा
मो. 9406852088
9923349905

वाणी झा — 56
दिनांक 18-2-1986
जन्म समय 11.22 एएम, कोलकाता
कद- 5'4"
शिक्षा- बी.टेक. आय.टी.एट कोलकाता एम.एस.इन.सी.एस. (यु.एस.)
कार्यरत- सेन फ्रांसिस्को (यु.एस.)
गौत्र-
सम्पर्क-
मो. 9432020014

बनाना राजेन्द्र कुमार भट्ट — 57
दिनांक 27-3-1989
जन्म समय 12.37 एएम, बांदीकुई (राज.)
कद- -, वजन- -
शिक्षा- एम.ए. बी.एड., नेट एंड पीएचडी अध्ययनरत
कार्यरत- -
गौत्र- -
सम्पर्क- -
मो. 9414978430

दिपाली विश्वंभर दत्त मेहता — 58
दिनांक 30-5-1989, मंगल- है
जन्म समय 10.10 एएम, बूंदी (राज.)
कद- -, वजन- -
शिक्षा- एम.ए. (म्यूजिक), एम.ए. इंग्लिश (अध्ययनरत)
कार्यरत- इंचार्ज इन कान्वेन्ट स्कूल
गौत्र-
सम्पर्क-
मो. 9982382460

अलंकृता डॉ. भेरुशंकर दशोरा — 59
दिनांक 5-3-1987, मंगल- है
जन्म समय -, इन्दौर
कद- 5'3", वजन- -
शिक्षा- एम.एस.सी. बी.एड. पी.एच.डी. (प्रयासरत)
कार्यरत- -
गौत्र- -मांडव्य
सम्पर्क- -
मो. 9461915274
9461915275
9461915276

दीक्षा आर.सी. नागर — 60
दिनांक 22-5-1993
शिक्षा- बी.ई. (कम्प्यूटर साईंस)
कार्यरत- -
गौत्र- -
सम्पर्क- इन्दौर
मो. 9425988796

प्राची सन्तोष व्यास — 61
जन्मदि. 26-10-1989, उज्जैन
कद- 5'4", गौत्र- गौतम
शिक्षा- बी.कॉम., सी.ए. फायनल अध्ययनरत
सम्पर्क- भोपाल
मो. 08435941360

यामिनी धर्मेन्द्र भट्ट — 62
दिनांक 28-3-1989
जन्म समय 10.33 पीएम, इन्दौर
शिक्षा- बी.बी.ए. (हास्पिटलिटी एंड होटल मैनेजमेन्ट)
कार्यरत- ड्यूटी मैनेजर
गौत्र- शांडिल्य
सम्पर्क- खजराना, इन्दौर
मो. 7869078309

अति धर्मेन्द्र भट्ट — 63
दिनांक 21-7-1990
जन्म समय 6.30 प्रातः
शिक्षा- बी.ई., आय.टी.
कार्यरत- आई.बी.एम. पुणे (महा.)
सम्पर्क- खजराना, इन्दौर
मो. 7869078309

मेघा अनिल ठाकोर — 64
जन्म दि. 16-8-1981
जन्म समय- 11.15 रात्रि (ग्वालियर)
शिक्षा- एम.एस.सी. (मॉस कम्युनिकेशन), कद- 5'6"
कार्यरत- प्रोड्यूसर समाचार प्लस नई दिल्ली
सम्पर्क- जयपुर
मो. 09166866890, 09717089349

आयुषी राजेन्द्र कु. शर्मा — 65

जन्मदि.17-6-1993
जन्म समय-1.50 ए.एम., शाजापुर
शिक्षा- एम.एस.सी. अध्ययनरत
कार्यरत- प्रा. स्कूल में शिक्षिका
सम्पर्क- मोहन बड़ोदिया
मो.098932-78461,
9074730881

भार्गवी लक्ष्मीलाल दशोरा — 66

जन्मदि. 7-8-1987
शिक्षा-एम.बी.ए.
(एच.आर.एंड मार्केटिंग)
कार्यरत- डेवलपमेंट (अनुभव 5 वर्ष),
कद- 5'3"
आय- 4.5 लाख प्लस
सम्पर्क-
मो.07359464946

नीति विपीन कुमार त्रिवेदी — 67

जन्मदि.16-9-1986
जन्म समय- 12.20 पी.एम. (नून)
बूंदी (राज., कद- 5'
शिक्षा- पीएचडी, युजीसी नेट
कार्यरत- असि.प्रोफेसर
(गांधीनगर, गुजरात)
गृहनगर बांसवाड़ा
सम्पर्क-
09012387178

पूजा विजय कुमार नागर — 68

जन्मदि.22-5-1983
(गौत्र- डालभ्य)
जन्म समय 3.40 पी.एम., उदयपुर
(स्ट्रक्चर डिजाईन इंजीनियर)
कार्यरत- ह्यूस्टन (टेक्सास) यु.एस.
सम्पर्क- विजय कुमार नागर, मुम्बई
मो. 09987079846

सोना महेश नागर — 69

जन्मदि. 27-9-1989 (मांगलिक)
जन्म समय- 5.5 पीएम, शाजापुर
शिक्षा- एलएलएम, पीएचडी
अध्ययनरत
कद- 5'3"
सम्पर्क-
9893474182,
9179313313

कु. मालती महेश नागर — 70

जन्मदि. 23-3-1991
जन्मसमय- (4.00 ए.एम.) मंगलाज
शिक्षा- बी.कॉम. एम.ए. हिन्दी
साहित्य
कार्यरत- म.प्र. पुलिस
सम्पर्क-
9893474182,
9179313313

प्रिया महेन्द्र दशोरा — 71

जन्मदि. 26-05-1992 (मांगलिक)
कद- 5'3"
प्रश्नोरा नागर ब्राह्मण
शिक्षा- एम.सी.ए.,
कार्यरत- कॉग्नीजेंट कंपनी, सम्पर्क-
मो. 9926021478

अरुणा रामगोपाल नागर — 72

जन्मदि. 11-06-1986
समय- 9.55 ए.एम., झालावाड़
कद- 5'3", वजन- 55
शिक्षा- एम.एस.सी., बी.एड.
एम.फिल, सम्पर्क- झालावाड़ (राज.)
मो. 9829182412,
07432-232344

निकिता शैलेन्द्र मंडलोई — 73

जन्मदि. 24-07-1988 (जबलपुर)
शिक्षा- एम.कॉम., पी.जी.डी.सी.ए.
सम्पर्क- फोन 0761-4084500,
मो. 09329003583

"कोई भी काम शुरू करने के पहले तीन सवाल अपने आपसे पूछो —
मैं ऐसा क्यों करने जा रहा हूँ ?
इसका क्या परिणाम होगा ?
क्या मैं सफल रहूँगा ?"

जो व्यक्ति शक्ति न होते हुए भी मन से हार नहीं मानता है।
उसको दुनिया की कोई भी ताकत हरा नहीं सकती है।
- चाणक्य

विनय ईश्वरी प्रकाश नागर 01
दिनांक 27-3-1993
जन्म समय 11.00 दोप., ताखला नलखेड़ा
कद- 5'8", वजन- 50 किलो
शिक्षा- बी.एस.सी. केमेस्ट्री फार्मा, पीजीडीसीए, कार्यरत- अतिथि शिक्षक वर्ग-2,
गौत्र- भारद्वाज
सम्पर्क- प्रतापपुरा हा.से. स्कूल के पीछे, नलखेड़ा जिला आगर
मो. 9098835986

हेमन्त कैलाशचन्द्र नागर 02
दिनांक 21-1-1989, मंगल- नहीं
जन्म समय 4.15 पीएम, मनासा
कद- 5'11', वजन- 70 किलो
शिक्षा- एमसीए (कम्प्यूटर)
कार्यरत- एचसीएल (चैन्नई)
गौत्र- ऋषि भारद्वाज
सम्पर्क- 13, कृष्णा पार्क, उज्जैन
मो. 9826470339

अमित दुर्गादत्त दशोरा 03
दिनांक 16-7-1985, मंगल- नहीं
जन्म समय 13.50, जोधपुर
कद- 5'7", वजन- 71 किलो
शिक्षा- एम.बी.ए. (फायनेंस) एम.कॉम. (एबीएसटी)
कार्यरत- एचडीएफसी बैंक लि.
सम्पर्क- 121/80, विजय पथ, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर जयपुर
मो. 9460556693

दिविजनाथ देवेन्द्र पण्ड्या 04
दिनांक 1-5-1988, मंगल- हाँ
जन्म समय 2.50 ए.एम., आगरा
कद- 6', वजन- 80 किलो
शिक्षा- बी.एस.सी., एम.बी.ए., (मार्केटिंग)
कार्यरत- असिस्टेंट मैनेजर, मणीपाल हास्पिटल, गोवा
गौत्र- दारभश
सम्पर्क- मेरठ
मो. 07417984404

सुनील स्व.लक्ष्मीनारायण 05
दिनांक 1-3-1985, मंगल- नहीं
जन्म समय 12.55 एएम, रतलाम
कद- 5'8", वजन- 61 किलो
शिक्षा- बी.कॉम.
कार्यरत- अरिहन्त मार्केटिंग कम्पनी
सम्पर्क- मंदसौर
मो. 9165906989

प्रवीण स्व.राजेन्द्र रावल 06
दिनांक 28-1-1989, मंगल- हाँ
जन्म समय 12.30 पीएम, भोपाल
कद- 5'10", वजन- 72 किलो
शिक्षा- एम.बी.ए. (एच.आर.)
कार्यरत- रीमेक्स रीयल स्टेट कम्पनी
गौत्र- औक्षण
सम्पर्क- अनिल नागर 13, कृष्णा पार्क, उज्जैन
मो. 9826470339

अंकित स्व.सुनील व्यास 07
दिनांक 5-5-1988
जन्म समय 5.23 पीएम, -
कद- -, वजन- -
शिक्षा- बी.ई.आई.टी.
कार्यरत- -
गौत्र- दारबस
सम्पर्क- 9-बी, गणराज नगर, इन्दौर
मो. 9575323143

डॉ.वैभव महेन्द्र नागर 08
दिनांक 7-11-1987
जन्म समय 9.30 एएम, वलसाड़ (गुज.)
कद- 5'9", वजन- 80 किलो
शिक्षा- एमबीबीएस, एम.डी. अध्ययनरत
कार्यरत- -
सम्पर्क- एन-19, फस्ट-सी, क्रोस, फस्ट मेन मनुवाना विजय नगर, बैंगलोर
मो. 9342816914
नि. 08023204623

दीपांश विद्याशंकर व्यास 09
दिनांक 28-10-1988, मंगल- नहीं
जन्म समय 8.55 रात्री, खण्डवा
कद- 5'10", वजन- 80 किलो
शिक्षा- एम.कॉम.
कार्यरत- बिजनेस
आय- 30,000/-
गौत्र- गौतम
सम्पर्क- जय अम्बे कॉलोनी, एमपीईबी रोड, बिरलाग्राम नागदा
मो. 9165592178

रोहित रवि दवे 10
दिनांक 27-11-1989, मंगल- -
जन्म समय 00.43 रात्री, नीमच
कद- 5'6", वजन- 65 किलो
शिक्षा- एम.कॉम.
कार्यरत- प्रायवेट सर्विस
गौत्र- औक्षण
सम्पर्क- डि.आर.10 डुप्लेक्स, राजेन्द्र नगर, इन्दौर
मो. 0731-2321264
9826059096

मयंक कैलाशचन्द्र नागर 11
दिनांक 22-12-1987, मंगल- आंशिक
जन्म समय 9.30 रात्री, पचोर
कद- 5'6", वजन- 65 किलो
शिक्षा- कम्प्यूटर साईंस में एम.टेक.आनर
कार्यरत- प्रोफेसर प्रा.इंजीनियरिंग कालेज तथा स्वयं का एन.जी.ओ.
गौत्र- आलभ्यान
सम्पर्क- इटारसी जिला होशंगाबाद
मो. 9713427568

कमल सुरेशचन्द्र नागर 12
दिनांक 15-7-1996, मंगल- नहीं
जन्म समय 5.00, झाड़मह
कद- 5'5", वजन- 55 किलो
शिक्षा- बी.एस.सी. प्रथम वर्ष
कार्यरत- अध्ययनरत
गौत्र- साठोत्रा नागर
सम्पर्क- ग्राम पोस्ट झाड़मह तह. जीरापुर, जिला राजगढ़
मो. 9179281097

सचिन ओमप्रकाश नागर 13
दिनांक 29-7-1992, मंगल- नहीं
जन्म समय 5.55 एएम, छापरी
कद- 5'7", वजन- -
शिक्षा- -
कार्यरत- स्वयं का व्यवसाय
गौत्र- औरा
सम्पर्क- दूपाड़ा
मो. 9752192046

कुलेन्द्र पं.कैलाश चन्द्र 14
दिनांक 26-6-1986, मंगल- -
जन्म समय 8.00 रात्री, अकलेरा
कद- -, वजन- -
शिक्षा- बी.ए.
कार्यरत- दुकानदारी
आय- 30,000/-
गौत्र- -
सम्पर्क- अकलेरा (राज.)
मो. 8741941955
8387048952

प्रेमप्रकाश बालकृष्ण रावल 15
दिनांक 15-12-1977, मंगल- नहीं
जन्म समय 7.45 प्रातः, सनावद
कद- 5'9", वजन- 60 किलो
शिक्षा- 12वीं
कार्यरत- सेल्समेन
गौत्र- औक्षण
सम्पर्क- 365, एम.डी. जैन कॉलोनी, सनावद जिला खरगोन रेलवे स्टेशन रोड
मो. 7693962485

अंशुल रमेश मेहता (प्रतीक) 16
दिनांक 15-6-1985, मंगल- हाँ
जन्म समय 19.13, उज्जैन
कद- 6', वजन- 70 किलो
शिक्षा- बी.कॉम., एनीमेशन एण्ड फिल्म मैकिंग
कार्यरत- जेआर. आर्ट डायरेक्टर
आय- 10.20 लाख
गौत्र- भारद्वाज
सम्पर्क- उज्जैन
मो. 9425093702

अमित घनश्याम नागर — 17
दिनांक 4-10-1983
जन्म समय 9.15 एएम, ब्यावरा
कद- -, वजन- -
शिक्षा- बी.ए.
कार्यरत- मार्केटिंग मैनेजर, दिल्ली
आय- 25,000/-मासिक
गौत्र- -
सम्पर्क- अकलेरा (राज.)
मो. 9887194177

अमित रमेशचन्द्र नागर — 18
दिनांक 24-6-1992, मंगल- हाँ
जन्म समय 12.53 दोप., उज्जैन
कद- 5'8", वजन- 55 किलो
शिक्षा- बी.सी.ए.
कार्यरत- स्वयं का किराना एवं जनरल स्टोर्स
गौत्र- औक्षण
सम्पर्क- 23, गोकुल विला, बेरछा रोड, शाजापुर
मो. 9977552510

शुभम दिलीप नागर — 19
दिनांक 21-10-1986, मंगल- नहीं
जन्म समय -, देवास
कद- 6', वजन- -
शिक्षा- बी.ई. (ई.सी.) एम.बी.ए.
कार्यरत- एम.एन.सी. (गुड़गाँव)
गौत्र- -
सम्पर्क- 201, शक्ति टॉवर 158-159, गोयल नगर, इन्दौर
मो. 0731-2592356
9826857093

कौशिक सन्तोष पाराशर — 20
दिनांक 4-1-1988 (नागर चित्रोप्र)
जन्म समय 11.04 ए.एम., इन्दौर
कद- 5'5", वजन- -
शिक्षा- बी.कॉम., पी.जी.डी.सी.ए.
कार्यरत- ट्रेवल्स, मोबाइल
गौत्र- पाराशर
सम्पर्क- 25-बी, कान्यकुब्ज नगर, नीयर एयरपोर्ट रोड, इन्दौर 9977224444
मो. 9926048111

अनिल स्व.शरदचन्द्र जोशी — 21
दिनांक 15-1-1981
जन्म समय 3.30, शाजापुर
कद- -, वजन- -
शिक्षा- 12वीं
कार्यरत- फार्मास्युटिकल्स प्रा.लि.
आय- 12,000/-
गौत्र- -
सम्पर्क- हरसिद्धी नगर, (न्यू पटेल कालोनी), सांवेर रोड, इन्दौर
मो. 9009771722

हिमांशु योगेन्द्र स्वादिया — 22
दिनांक 13-4-1981, मंगल- हाँ
जन्म समय 11.20 रात्री, झाँसी
कद- 5'9", वजन- 68 किलो
शिक्षा- एम.ए. फिजियोलोजी, एम.बी.ए. एमएड. पीएचडी
कार्यरत-असि. प्रोफेसर
गौत्र- सारक्वस
सम्पर्क- 246-बी, लक्ष्मी नगर, जोधपुर
मो. 0291-2546554
9351321132

चिन्तन अतुल पाठक — 23
दिनांक 31-3-1984
जन्म समय 19.13 (7.13 पीएम)
आदिपुर (कच्छ-भुज), गुजरात
शिक्षा- बी.टेक., आय.आय.टी., एम.टेक. सिविल
कार्यरत- विजिटिंग साईंटिस्ट (यू.एस.)
(वड़नगरा ब्राह्मण)
सम्पर्क- इन्दौर
फोन 0731-2361974
मो.9752248741

निखिल अनिल मंडलोई — 24
दिनांक 21-10-1989, मंगल- नहीं
जन्म समय 11.21 पीएम, नौगाँव
कद- 5'8", वजन- 63 किलो
शिक्षा- बी.ई., सैप
कार्यरत- सैप कंसलटेन्ट एट इंटलेक्ट प्रिजवेयर सर्विसेस प्रा.लि.
गौत्र- शाडिल्य
सम्पर्क- भंडारिया रोड, अवस्थी चौराहा, नियर सेल्स टैक्स, खण्डवा
मो. 9977038217

घनश्याम मांगीलाल नागर — 25
दिनांक 13-7-1983, मंगल- नहीं
जन्म समय -
कद- 5'5", वजन- -
शिक्षा- बी.ए. फायनल
कार्यरत- केबल ऑपरेटर
गौत्र- भारद्वाज
सम्पर्क- निवाली जिला बड़वानी
मो. 9993258790

देवेन्द्र मांगीलाल नागर — 26
दिनांक 5-5-1989, मंगल- नहीं
जन्म समय -
कद- 5'6", वजन- -
शिक्षा- 12वीं
कार्यरत- स्वास्थ्य विभाग 108, एम्बुलेंस (चालक)
गौत्र- भारद्वाज
सम्पर्क- मनोज गुप्ता निवाली जिला बड़वानी
मो. 9993258790

सुनील ललित प्रसाद नागर — 27
दिनांक 22-1-1987, मंगल- नहीं
जन्म समय 11.30, कुकरसी, नीमच
कद- 5'7", वजन- 59 किलो
शिक्षा- एम.ए. हिन्दी साहित्य
कार्यरत- प्रायवेट जॉब एवं कर्मकाण्ड
गौत्र- भट्ट पाराशर
सम्पर्क- गाँव-पोस्ट बालागुड़ा, तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर
मो. 9981174511
9627399693

तुषार गौरांग त्रिवेदी — 28
दिनांक 9-1-1986, मंगल- हाँ
जन्म समय 12.5 पीएम, नीमच
कद- 6'1", वजन- 70 किलो
शिक्षा- बी.ई., एम.बी.ए.
कार्यरत- एच.डी.एफ.सी. लाईफ,इन्दौर
गौत्र- शाडिल्य
सम्पर्क- डी-12-ए, क्लासिक क्राउन कालोनी, न्यू इन्दिरा नगर, नीमच
मो. 9893642227

ईशान विनोद नागर — 29
दिनांक 29-6-1990, मंगल- नहीं
जन्म समय 3.15, ग्वालियर
कद- 5'11", वजन- -
शिक्षा- बी.कॉम. एम.बी.ए.
कार्यरत- असिस्टेंट मैनेजर, आईसीआईसीआई बैंक
गौत्र-औक्षण
सम्पर्क- 4, गीता कालोनी, दाल बाजार, लश्कर ग्वालियर
मो. 9406983588

पारिजात अनिल व्यास — 30
दिनांक 28-10-1987
जन्म समय 11.45 एएम, न्यू दिल्ली
कद- 5'11", वजन- 72 किलो
शिक्षा- बी.एस.सी.
कार्यरत- चीफ ऑफिसर इन मर्चेन्ट नेवी
गौत्र- गौतम
सम्पर्क- बी/6, 46 डीडीए, एलआईजी, फ्लेट सेक्टर 18, रोहणी दिल्ली
मो. 9013298644

मयंक कैलाशचन्द्र नागर — 31
दिनांक 22-12-1987, मंगल- हाँ (आंशिक)
जन्म समय 9.30 रात्री, पचोर
कद- 5'6", वजन- 65 किलो
शिक्षा- कम्प्यूटर साईंस में एम.टेक. आनर
कार्यरत- प्रोफेसर प्रा.इंजी.कॉलेज एवं स्वयं का एन.जी.ओ.
गौत्र- आलम्यान
सम्पर्क- ईडब्ल्यूएस 357, न्यास कॉलोनी, इटारसी जिला होशंगाबाद
मो. 9713427568

अक्षय नागर — 32
दिनांक 1-3-1985
जन्म समय - 4.40 एएम, दिल्ली
कद- 5'9", वजन- -
शिक्षा- बी.टेक. आयईटी लखनऊ
कार्यरत- सॉफ्टवेयर इंजीनियर यूओपी हनीवेल इन गुड़गांव
गौत्र-
सम्पर्क-
मो. 9554487706
9717080069

दीपेश बृजेश नागर 33

दिनांक 9-12-1986, मंगल- नहीं
जन्म समय 3.48 पीएम, ब्यावरा
कद- 5'10", वजन- 70 किलो
शिक्षा- बी.कॉम. (टेक्स) पीजीडीसीए
कार्यरत- शेयर खान लिमिटेड, इन्दौर
गौत्र- भारद्वाज
सम्पर्क- 69-ए, सोमानी नगर, एरोड्रम रोड, इन्दौर
मो. 7898796942
8120008943

रोहित ईश्वरी शंकर नागर 34

दिनांक 23-1-1990, मंगल- नहीं
जन्म समय 10.28 रात्री, भवानीमंडी (राज.)
कद- 5'6", वजन- 55 किलो
शिक्षा- एम.कॉम., एलएलबी, द्वितीय वर्ष
कार्यरत- मारुति भाटिया एण्ड कम्पनी कोटा इंश्योरेंस डिपार्टमेन्ट
गौत्र- कश्यप
सम्पर्क- विज्ञान नगर, एफ.सी.आई. गोदाम के सामने, सवाईमाधोपुर
मो. 9785542746

लोकेश भगवतीलाल भट्ट 35

दिनांक 2-1-1985, मंगल- आंशिक
जन्म समय 5.30 एएम, राऊ, इन्दौर
कद- 5'10", वजन- 59 किलो
शिक्षा- एम.एससी. माइक्रोबायोलोजी
कार्यरत- एसआर एक्जीक्यूटिव
गौत्र- आलुम्भान
सम्पर्क- 451, इन्द्रा नगर, रतलाम
मो. 9907512659
9424020501

प्रवीण जगदीश नागर 36

दिनांक 24-12-1975
जन्म समय 2.17 दोपहर, जबलपुर
कद- 5'9", (तलाकशुदा मान्य)
शिक्षा- हायर सेकण्डरी
कार्यरत- प्रायवेट नौकरी
गौत्र- कश्यप
सम्पर्क- 257, मधुर नगर, मुसाखेड़ी, सावरिया धाम मंदिर के पास, इन्दौर
मो. 9925614790

पंकज एश्वर्य मिश्रा 37

दिनांक 20-9-1990, मंगल- नहीं
जन्म समय 8.00 पीएम, उज्जैन
कद- 6', वजन- 72 किलो
शिक्षा- बी.ई. (सी.एस.)
कार्यरत- सॉफ्टवेयर कम्पनी, हैदराबाद
गौत्र- कौरव्य मिश्र
सम्पर्क- 89, जेआर एमआईजी मुखर्जी नगर, देवास
मो. 07272-400215
9009159579

संजय पुरुषोत्तम रावल 38

दिनांक 25-7-1975, मंगल- नहीं
जन्म समय 12.30 रात्री, उज्जैन
कद- 5'2', वजन- 45 किलो
शिक्षा- 10वीं पास
कार्यरत- प्रायवेट नौकरी
गौत्र- पाराशर
सम्पर्क- मुकाम-पोस्ट-पालिया, व्हाया हातोद, जिला इन्दौर
मो. 9926491869

अतुल पुरुषोत्तम रावल 39

दिनांक 18-6-1988, मंगल- नहीं
जन्म समय 4.00 शाम, पालिया
कद- 5'4", वजन- 48 किलो
शिक्षा- बी.ए. कम्प्यूटर हार्डवेयर डिप्लोमा, एमसीपी डिप्लोमा
कार्यरत- चेरी इनफो मिडिया प्रा.लि.
गौत्र- पाराशर
सम्पर्क- पालिया, व्हाया हातोद, जिला इन्दौर
मो. 9926491869

देवेन्द्र दिलीप मेहता 40

दिनांक 1-2-1992, मंगल- नहीं
जन्म समय 10.55 पीएम, उज्जैन
कद- 5'6", वजन- 62 किलो
शिक्षा- 12वीं
कार्यरत- कृषि कार्य
गौत्र- अकशद
सम्पर्क- 62, नई सड़क संतोष कुटी की गली, उज्जैन
मो. 9301936998
9713087377

शशांक लक्ष्मीशंकर व्यास 41

दिनांक 30-7-1988
जन्म समय 20.40, खण्डवा
कद- 5'10", वजन- -
शिक्षा- बी.कॉम., एम.बी.ए. (मार्केटिंग)
कार्यरत- जे.के. सीमेन्ट
गौत्र- -
सम्पर्क- 13, श्री भीलट बाबा मंदिर, ब्राह्मणपुरी, खण्डवा
मो. 9827510566
9713071843

कुन्दन महेशचन्द्र पोत्दार 42

दिनांक 26-9-1986, मंगल- नहीं
जन्म समय 10.35 प्रातः, खण्डवा
कद- 5'9", वजन- 55 किलो
शिक्षा- एम.कॉम., पीजीडीसीए
कार्यरत-खण्डवा में निजी संस्थान में कार्यरत
गौत्र- कश्यप
सम्पर्क- 16, रमा कॉलोनी, आर्य समाज स्कूल के पास, खण्डवा
मो. 9926950537
9981297651

सुमीत संतोष नागर 43

दिनांक 2-10-1991, मंगल- हाँ
जन्म समय 6.5 पीएम, उज्जैन
कद- 6', वजन- 60 किलो
शिक्षा- बी.ई. सीविल
कार्यरत- इंजीनियर
गौत्र- पाराशर
सम्पर्क- 163, मंछामन गणेश नगर, नीलगंगा रोड, उज्जैन
मो. 9424038993
9425491981

चिंतन प्रकाशचन्द्र पंड्या 44

दिनांक 25-11-1985
जन्म समय 9.15 एएम, इन्दौर
शिक्षा- बी.कॉम., एम.कॉम.
कार्यरत- लेखापाल विशवुड कॉटेज स्कूल, पार्ट टाईम बिजनेस
सम्पर्क- महू
मो. 9826368552
9907861141

हर्ष बलराम नागर 45

दिनांक 26-8-1992
जन्म समय 12.00 पीएम, जावरा
शिक्षा- बी.ई. विथ कम्प्यूटर साईंस
कार्यरत- स्कूल संचालक (बड़ावदा में)
सम्पर्क- घुंसी जिला शाजापुर
मो. 9406624158
9926825251

गौरव स्व.विजय कु.नागर 46

दिनांक 22-9-1983
जन्म समय -
कद- 6', वजन- -
शिक्षा- बी.बी.ए., एम.बी.ए.
कार्यरत- एस.बी.आई. में कार्यरत
गौत्र- -
सम्पर्क- -
मो. 8052976221
9005605506

कौस्तुभ दिनेश व्यास 47

दिनांक 2-9-1985, मंगल- आंशिक
जन्म समय 5.03 एएम, उज्जैन
कद- 5'10", वजन- 61 किलो
शिक्षा- बी.कॉम., एम.बी.ए.
कार्यरत- स्वयं का व्यवसाय (मेडिकल शाप)
गौत्र- गौतम
सम्पर्क- 12, ब्राह्मण गली, बहादुर गंज, उज्जैन
मो. 9425094792
9479887792

निहार सुनील वच्छराजानी 48

दिनांक 31-3-1986, मंगल- नहीं
जन्म समय 1.40 पीएम, जामनगर
कद- 5'8", वजन- 70 किलो
शिक्षा- बी.ई. मैकेनिकल
कार्यरत- महिन्द्रा में कार्यरत, हैदराबाद
गौत्र- ओक्षणस्य
सम्पर्क- बी-4, मनदीप फ्लेट, अमृत ज्योति स्कूल, अहमदाबाद
फोन 079-26461107
मो. 9879012097

49 राहुल सुधीर जोशी
दिनांक 17-5-1985
जन्म समय 3.40
कद- 5'6", वजन- -
शिक्षा- बी.ई. (सी.एस.)
कार्यरत- विप्रो
गौत्र- -
सम्पर्क- ए-28/2, वेद नगर, उज्जैन
मो. 0734-2525956

50 मनन स्व.राजीव हाथी
दिनांक 1-10-1986, मंगल- शनी
जन्म समय 11.40 ए.एम., जोधपुर
कद- 5'5", वजन- 72 किलो
शिक्षा- बी.फार्मेसी, एम.बी.ए., एच.आर.
कार्यरत- बायोकेम फर्मास्टीक कं. बैंगलोर एवजी. एच.आर.
गौत्र- शार्कवस
सम्पर्क- 244, हाथी कुटीर गाँधी मैदान के पास, जोधपुर
मो. 9828288198

51 अनित दिनेश पण्ड्या
दिनांक 7-9-1986, मंगल- नहीं
जन्म समय 8.00 पीएम, अहमदाबाद
कद- 5'7", वजन- 72 किलो
शिक्षा- बी.कॉम, एम.बी.ए.
कार्यरत- मैनेजर रेडियो मिर्ची
गौत्र- शार्कराक्ष
सम्पर्क- ए/502, श्रीजी एनक्लेव, अपो. विशाल टावर, देव नगर, अहमदाबाद
मो. 9327012118

52 गीतेश रशिकलाल नागर
दिनांक 19-11-1985
जन्म समय - 14.20, इन्दौर
कद- 5'9", वजन- -
शिक्षा- एमसीए, एम.टेक.
कार्यरत- सिस्टम एडमीनीस्टेटर
गौत्र-
सम्पर्क- 229, लोकनायक नगर, शिक्षक नगर के पीछे, एरोड्रम रोड, इन्दौर
मो. 9479939684

53 खुशाल स्व.योगेन्द्र व्यास
दिनांक 9-10-1989, मंगल- नहीं
जन्म समय 2.30 पीएम, इन्दौर
कद- 5'6", वजन- 61 किलो
शिक्षा- बी.ई., एम.टेक.
कार्यरत- असिस्टेंट प्रोजेक्ट इनचार्ज
गौत्र- शार्कराक्ष
सम्पर्क- 312, कोसमोस सिटी, सम्पत हिल्स, ए.बी. रोड, इन्दौर
मो. 9179971123
9406606817

54 हेमन्त छगनलाल नागर
दिनांक -,
जन्म समय -
कद- -, वजन- -
शिक्षा- बी.ई., एम.बी.ए.
कार्यरत- एच.आर. इन्दौर
आय- 5 अंकों में
गौत्र- भारद्वाज
सम्पर्क- 74, आशाराम कालोनी, ए.बी.रोड, मक्सी, जिला शाजापुर
मो. 8989453849

55 पंकज ऐश्वर्य मिश्रा
दिनांक 20-9-1990, मंगल- नहीं
जन्म समय 8.00, उज्जैन
कद- 6'1", वजन- 60 किलो
शिक्षा- बी.ई. (कम्प्यू.साईंस)
कार्यरत- लीगल क्राफ्ट सॉफ्टवेयर सोल्युशन, हैदराबाद
गौत्र- कौरव
सम्पर्क- 89, जे.आर. एमआईजी, मुखर्जी नगर, देवास
मो. 9009159579

56 अंकित दिनेश मिश्रा
दिनांक 11-3-1992, मंगल- नहीं
जन्म समय 6.55, पाटन (राज.)
कद- 5'7", वजन- 60 किलो
शिक्षा- एम.सी.ए.
कार्यरत- -
गौत्र- कौरव
सम्पर्क- 82, एलआईजी, मुखर्जी नगर, देवास
मो. 9926080115
9754149941

57 हेमंत जगदीश मिश्रा
दिनांक 8-3-1996, मंगल- नहीं
जन्म समय -, देवास
कद- 5'8", वजन- -
शिक्षा- बी.सी.ए.
कार्यरत- -
गौत्र- कौरव
सम्पर्क- 81, एलआईजी, मुखर्जी नगर, देवास
मो. 9009159579

58 अभिषेक ओमप्रकाश नागर
दिनांक 7-9-1995, मंगल- है
जन्म समय 8.45, उज्जैन
कद- 5'7", वजन- -
शिक्षा- बी.एससी. (सेकण्ड इयर)
कार्यरत- -
गौत्र- काश्यप
सम्पर्क- एम.पी.ई.बी. पॉवर हाउस के सामने, उज्जैन रोड, माकड़ोन
मो. 8989448518
7879482758

59 राजकुमार सुभाष नागर
दिनांक 1-7-1983, मंगल- नहीं
जन्म समय 3.38 रात्री, अकलेरा
कद- 5'8", वजन- 62 किलो
शिक्षा- एम.ए.
कार्यरत- अध्यापक
गौत्र- लवकाक्ष
सम्पर्क- सदर बाजार, माचलपुर, जिला राजगढ़ (ब्यावरा)
मो. 9977013086
9039925144

60 प्रदीप सुभाष नागर
दिनांक 1-7-1982, मंगल- हाँ
जन्म समय 4.00 प्रातः, अकलेरा
कद- 5'10", वजन- 65 किलो
शिक्षा- बी.एससी. कम्प्यू.साईंस, पीजीडीसीए
कार्यरत- सहा. ई. कांट्रेक्टर नगर-निगम, कोटा
गौत्र- लवकाक्ष
सम्पर्क- माचलपुर
मो. 9977013086

61 सुजेश जनार्दन भट्ट
दिनांक 19-6-1984, मंगल- हाँ
जन्म समय 2.34 सुब, लुनावाड़ा (गुज.)
कद- 5'10", वजन- 75 किलो
शिक्षा- बी.कॉम.
कार्यरत- व्यवसाय
गौत्र- भारद्वाज
सम्पर्क- सिया तालाब रोड, गंज रोड, रायचुर, कर्नाटक
मो. 9986461994

62 अमित अरुण दवे
दिनांक 18-6-1976, मंगल- नहीं
जन्म समय 11.25 रात्री, दिल्ली
कद- 5'6", वजन- 62 किलो
शिक्षा- बी.ए.
कार्यरत- प्रायवेट जॉब
गौत्र- औक्षनस्य
सम्पर्क- हरी नगर, न्यू दिल्ली
मो. 011-28124089
9899520755

63 शर्विल जनार्दन भट्ट
दिनांक 27-9-1985, मंगल- नहीं
जन्म समय 10.45 प्रातः, लुनावाड़ा (गुज.)
कद- 5'10", वजन- 75 किलो
शिक्षा- बी.कॉम.
कार्यरत- व्यवसाय (मशीनरी कॉटन)
गौत्र- भारद्वाज
सम्पर्क- सिया तालाब रोड, गंज रोड, रायचुर, कर्नाटक
मो. 9986461994

64 जय शैलेष भट्ट
दिनांक 24-9-1985, मंगल- हाँ
जन्म समय 6.45 प्रातः, रायचुर
कद- 5'11", वजन- 65 किलो
शिक्षा- बी.कॉम., गौत्र- भारद्वाज
कार्यरत- व्यवसाय (मशीनरी राईस मील स्पेयर्स)
सम्पर्क- सिया तालाब रोड, गंज रोड, रायचुर, कर्नाटक
मो. 9986461994
9036550414

मीत किरण कुमार भट्ट — 65
दिनांक 22-3-1988, मंगल- हाँ
जन्म समय 12.04 नून, गाँधीनगर (गुज.)
कद- 5'11", वजन- 60 किलो
शिक्षा- बी.सी.ए.
कार्यरत- व्यवसाय (एग्रीकल्चर)
गौत्र- भारद्वाज
सम्पर्क- जयंतीलाल ऐजेन्सीज, गंज रोड, रायचुर कर्नाटक
मो. 9482460464

हार्दिक गिरीशचन्द्र पंड्या — 66
दिनांक 12-7-1983, मंगल- हाँ
जन्म समय 3.05 दोपहर, खण्डवा
कद- 5'7", वजन- 68 किलो
शिक्षा- एम.कॉम., पीजीडीसीए
कार्यरत- एमआईटीएस कॉलेज
गौत्र- पाराशर
सम्पर्क- एलआईजी, सी-11/3, ऋषि नगर, उज्जैन
मो. 0734-2517824
9827348396

असीम सी.पी. त्रिवेदी — 67
दिनांक 24-12-1976
जन्म समय 11.00 पीएम
कद- -, वजन- -
शिक्षा- बी.सी.ए, एम.बी.ए. (मार्केटिंग)
कार्यरत- ब्रांच मैनेजर वाल स्ट्रीट फायनेंस (मनी ट्रांसफर), इन्दौर
गौत्र- पाराशर
सम्पर्क- प्रो. रविशंकर नागर रतलाम
मो. 07412-2232772
9425456518

अक्षय रमेशचन्द्र नागर — 68
दिनांक 28-8-1986, मंगल- हाँ
जन्म समय 4.45 दोप., देवास
कद- 6'2", वजन- 70 किलो
शिक्षा- -
कार्यरत- स्वयं का किराना एवं जनरल स्टोर्स
गौत्र- औक्षण
सम्पर्क- 23, गोकुल विला, बेरछा रोड, शाजापुर
मो. 9977552510

आकाश शिशिर नागर — 69
दिनांक 7-2-1989
जन्म समय 4.15 पीएम, वाराणसी
कद- 5'7", वजन- -
शिक्षा- बी.एस.सी., पी.जी.डी.सी.ए
कार्यरत- डिप्टी मैनेजर, कोटेक महेन्द्रा बैंक, अहमदाबाद
गौत्र- गांगायानस
सम्पर्क-
मो. 0542-2670016
09415622955

संजय अशोक नागर — 70
दिनांक 15-9-1990
जन्म समय 10.10 एएम, नागदा
कद- -, वजन- -
शिक्षा- बी.कॉम. (अध्ययनरत)
कार्यरत- लीड मैनेजर, टेलीफार्मेंस
गौत्र- -
सम्पर्क- नागदा
मो. 9009250045
9926958417

कुशाग्र नरेन्द्र नागर — 71
दिनांक 27-11-1988
जन्म समय 8.00, उज्जैन
कद- 6'2", वजन- -
शिक्षा- बी.ई., एम.टेक.
कार्यरत- सॉफ्टवेयर इंजीनियर, नीदरलैंड
गौत्र- पाराशर
सम्पर्क- देवास
मो. 9425948068
8989703974

अक्षय पंकज चौबे — 72
दिनांक 27-1-1989, मंगल- मांगलिक
जन्म समय 1.45 एएम, भोपाल
कद- -, वजन- -
शिक्षा- बी.ई. (आई.टी.)
कार्यरत- -
गौत्र- -
सम्पर्क-
मो. 9424444274

अविनाश अनिल जोशी — 73
दिनांक 3-9-1993
जन्म समय 3.35 दिन, हरदा
कद- -, वजन- 58 किलो
शिक्षा- बी.कॉम.
कार्यरत- रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड
गौत्र- शांडिल्य
सम्पर्क- खंडवा
मो. 9977007966
9827926470

शैलेन्द्र सुरेशचन्द्र नागर — 74
दिनांक 12-7-1992, मंगल- हाँ
जन्म समय 3.00 एएम, डालोन
कद- -, वजन- -
शिक्षा- एम.ए. (संस्कृत), पीजीडीसीए
कार्यरत- आई.टी.आई.
गौत्र- -
सम्पर्क- उज्जैन
मो. 8989436558
8989436521

योगेश जगदीश नागर — 75
दिनांक 17-5-1985
जन्म समय 5.57 एएम, पाली (राज.)
कद- -, वजन- -
शिक्षा- बी.कॉम.
कार्यरत- दुबई
गौत्र- -
सम्पर्क- मुम्बई
मो. 9892236858

लोकेन्द्र गौरीशंकर शर्मा — 76
दिनांक 7-2-1985
जन्म समय 9.35 एएम, शाजापुर
शिक्षा- बी.एस.सी. (मैथ्स) मास्टर इन मॉस कम्युनिकेशन (टॉपर)
कार्यरत- स्वव्यवसाय, सीमेन्ट (श्री विनायक ट्रेडर्स स्टॉकिस्ट)
सम्पर्क- माकड़ोन (जिला उज्जैन)
मो. 9826568528
7566166475
07369261424

अमित अनिल नागर — 77
दिनांक 15-6-1986
जन्म समय 11.30 एएम, शाजापुर
कद- 5'7", वजन- 65 किलो
शिक्षा- एम.बी.ए. (आस्ट्रेलिया से)
कार्यरत- मल्टीनेशनल के.ब्रिसबेन (आस्ट्रेलिया)
गौत्र- -
सम्पर्क- शाजापुर
मो. 9479887922
9424517425

अंकित स्व.सुनील व्यास — 78
दिनांक 5-5-1985, मंगल- मांगलिक
जन्म समय 5.23
कद- -, वजन- -
शिक्षा- बी.ई., आई.टी.
कार्यरत- -
गौत्र- दरबस
सम्पर्क- खजराना
मो. 9575323143

अमित कैलाशनारायण शर्मा — 79
दिनांक 18-4-1985
जन्म समय 6.5 एएम, शाजापुर
कद- 5'8", वजन- 65 किलो
शिक्षा- बी.ई. (कम्प्यूटर साईंस)
कार्यरत- सॉफ्टवेयर इंजीनियर इन पुणे
गौत्र- -
सम्पर्क- इन्दौर
मो. 9752910991
9425486724

वरुण विपिन झा — 80
दिनांक 13-12-1988
जन्म समय 19.55, कोटा
कद- 5'9", वजन- 63 किलो
शिक्षा- ग्रेज्युएट इन कम्यूनिकेशन, चेन्नई
कार्यरत- ब्रांड मैनेजर ब्लैकबेरी, गुड़गांव
गौत्र- -
सम्पर्क-
मो. 9711888774
9910805711

नितिन गोपालकृष्ण दशोरा 81
दिनांक 8-7-1987
जन्म समय -, स्थान- उदयपुर
कद- 6', वजन- -
शिक्षा- बी.ई. मैकेनिकल
कार्यरत- सीनियर इंजीनियर आदित्य बिड़ला ग्रुप अल्ट्राटेक सीमेन्ट, रायपुर (छती.)
गौत्र- भारद्वाज भट्ट
सम्पर्क- नाथद्वारा (राज.)
मो. 02953-233749
9414541196

धीरेन्द्र स्व.लक्ष्मीनारायण व्यास 82
दिनांक 9-3-1983
जन्म समय 1.00 पीएम, रतलाम
कद- 5'5", वजन- -
शिक्षा- बी.कॉम.
कार्यरत- बिजनेस अरिहंत मार्केटिंग कंपनी इन्दौर
गौत्र- -
सम्पर्क- मंदसौर
मो. 9165906989

नवीन रामप्रसाद शर्मा 83
दिनांक 10-5-1990
जन्म समय 10.45 पीएम, इन्दौर
कद- -, वजन- -
शिक्षा- एम.बी.ए., होटल मैनेजमेन्ट
कार्यरत- असिस्टेंट मैनेजर होटल लेमन ट्री
गौत्र- आत्रेय
सम्पर्क- -
मो. -

सुमित विनोद कु.नागर 84
दिनांक 30-12-1986
जन्म समय 8.10 ए.एम., वाराणसी
कद- 6', वजन- -
शिक्षा- एम.बी.ए.
कार्यरत- प्रायवेट जॉब (ऑपरेशन्स) नवी मुम्बई
गौत्र- -
सम्पर्क- वाराणसी
मो. 9919088984

विदित विजयशंकर याज्ञिक 85
दिनांक 18-12-1985
जन्म समय -, स्थान- कोलकाता
कद- 5'4", वजन- -
शिक्षा- एम.बी.ए. इन एचआर
कार्यरत- कैप जैमिनी, पुणे
गौत्र- -
सम्पर्क-
मो. 9049445474
9049493106

डॉ.यश दवे 86
दिनांक 14-6-1986
जन्म समय -
कद- 5'6, वजन- -
शिक्षा- बीएचएमएस, डीओटी, मुम्बई
कार्यरत- होम्योपैथिक डॉक्टर (प्राय. प्रेक्टिशनर)
गौत्र- -
सम्पर्क-
मो. 9453223825
0551-2502205

रोहित अशोक गुरु 87
दिनांक 24-5-1987
जन्म समय 6.00 पीएम, खंडवा
कद- 5'9", वजन- -
शिक्षा- बी.ई. (सीएससी 2009)
कार्यरत- टेस्ट एनालिस्ट बार्कले, पुणे
गौत्र- कश्यप
सम्पर्क-

कविश डॉ.भैरुशंकर दशोरा 88
दिनांक 2-11-1985
जन्म समय -, स्थान- उदयपुर
कद- 6', वजन- -
शिक्षा- एम.टेक.फ्राम एमएएनआईटी, भोपाल
कार्यरत- सॉफ्टवेयर इंजी. युनिसिस ग्लोबल, सर्विसेस,बैंगलोर
गौत्र-मांडव्य
सम्पर्क- 9461915274
9461915275

तन्मय मुकेश दीक्षित 89
दिनांक 20-10-1990
जन्म समय 5.30 एएम, धागंध्रा (गुज.)
कद- 6'1", वजन- -
शिक्षा- बी.कॉम., एम.बी.ए. (आय.टी.)
कार्यरत- फ्रंट-एंड डेवलपर (सायर इंफ्राट्रक्चर, इन्दौर)
गौत्र- शाकल्य
सम्पर्क- इन्दौर
मो. 7582910361
7581819320

प्रशांत डॉ.गोपेश नागर 90
दिनांक 14-4-1984, कद- 5'8"
जन्म समय 6.11 पीएम, अकलेरा (राज.)
शिक्षा- चार्टर्ड अकाउंटेंट
कार्यरत- बायोस्टड इंडिया लि. मुम्बई
आय- 9 लाख (वार्षिक)
सम्पर्क- सुधीर नागर 09414189633,
गोपेश नागर
09887623550
प्रमिला नागर
08504854965

अमित दुर्गादत्त दशोरा 91
दिनांक 16-7-1985
जन्म समय -
कद- 5'7", वजन- -
शिक्षा- बी.कॉम., एम.बी.ए. (फायनेंस) एंड एम.कॉम (एबीएसटी)
कार्यरत- एचडीएफसी बैंक लि. जयपुर
गौत्र- दशोरा (व्यास)
सम्पर्क- जयपुर
मो. 9460556693
9460556893

हर्ष संजय मेहता 92
दिनांक 6-1-1988, कद- 5'6"
जन्म समय 7.06 एएम, इन्दौर
शिक्षा- मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनीस्ट्रेशन (फायनेंस बेच. ऑफ साईंस (कम्प्यू. साईंस)
कार्यरत- क्रेडिट स्युईस (स्विटजरलैंड बेस्ड बैंकिंग एंड फायनेंशियल सर्विस कंपनी), मुम्बई
सम्पर्क- इन्दौर
मो. 9425329351

आदित्य अक्षय मेहता 93
दिनांक 4-9-1990
जन्म समय -, स्थान- इन्दौर
कद- 5'8", वजन- -
शिक्षा- बीबीए फ्रॉम इन्दौर
कार्यरत- बिजनेस एनालिस्ट एट अनरल मिल्स लि. मुम्बई
गौत्र- -
सम्पर्क- वडोदरा
मो. 8238098369

अचल निर्भयराम नागर 94
दिनांक 26-3-1983
जन्म समय 9.40 पी.एम., गाजियाबाद
कद- 5'7", वजन- 75 किलो
शिक्षा- ग्रेज्युएट फ्रॉम कामर्स इस्ट्रीम नेटवर्किंग कोर्स इन यु.एस., इंश्योरेंस
कार्यरत- ट्रेनर वेल नाऊ एमएनसी (इएक्सएल) नोएडा
पैकेज- 3 से 4 लाख (वर्ष)
सम्पर्क- गाजियाबाद
मो. 9873729294

हर्षित कुलेन्द्र नागर 95
दिनांक 5-1-1988
जन्म समय 8.00 पीएम, माचलपुर
कद- 5'6", वजन- 48 किलो
शिक्षा- बी.टेक, बी.ई. (ई.सी.)
कार्यरत- चेयरमेन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर (ओरियन ग्रुप, जयपुर)
गौत्र- डालभ्य
सम्पर्क- अकलेरा जिला झालावाड़
मो. 9413101899

मयंक अनिल ठाकोर 96
जन्मदि. 17-2-1983
जन्म समय- 10.15 पी.एम.(जयपुर)
शिक्षा-बी.एस.सी. (मॉस कम्युनिकेशन)
कार्यरत- प्रोड्यूसर (ई 24) नईदिल्ली
सम्पर्क- जयपुर
मो. 09166866890,
09871045905

गौरव लोकेन्द्र रावल 97

जन्मदि. 14-1-1989
4.35 रात्रि, बडनगर, उज्जैन
शिक्षा- बी.कॉम.,
एम.बी.ए. अध्ययनरत,
कद- 5'8"
कार्यरत- आयडिया सेल्यूलर लिमिटेड
सम्पर्क- उज्जैन
मो. 9425987234,
9424014742

अमित राजेन्द्र नागर 98

जन्मदि.25-8-1986
जन्म समय- 11.12 ए.एम. (नरसिंहगढ़ जिला राजगढ़), कद- 5'7"
शिक्षा- एम.बी.ए. फायनेंस
कार्यरत- संस्थापक ए.आर.डी. फायनेंशियल
सम्पर्क-
मो.09303002335,
08817996879

नकुल दिलीप मेहता 99

जन्मदि. 11-9-1986
जन्म समय-12.33 ए.एम. (इन्दौर)
कद- 5'10" वजन- 72
शिक्षा- बी.एस.इन फायनेंस (यू.एस.ए.), एम.बी.ए. (यू.एस.ए.)
कार्यरत- फिलाडेल्फिया (यू.एस.ए.)
सम्पर्क- इन्दौर घर 0731-2550799, मो. 9893312034

अतुल राजेन्द्र व्यास 100

जन्मदि. 6-8-1988
जन्म समय- 3.43 रात्री,
महावदा (खाचरोद)
शिक्षा- एम.ए.
कार्यरत- फोटोग्राफी, फोटो स्टुडियो, मोबाइल पाईंट एल्बम डिजाईनर
सम्पर्क-
मो.9752676965

लोकेश शरद नागर 101

जन्मदि. 8-5-1986,
प्रातः 5.30, मक्सी जि. शाजापुर
गोत्र- भारद्वाज, ऊँचाई- 5'8"
शिक्षा- बी.एस.सी. एवं एम.बी.ए.
कार्यरत- राष्ट्रीयकृत बैंक में
सम्पर्क-
मो.9826485952,
0734-2524052

प्रवीण जगदीश नागर 102

जन्मदि. 24-12-1975
समय- 2.17 दोप. जबलपुर
शिक्षा- हायर सैकण्डरी
कार्यरत- प्रायवेट नौकरी
गौत्र- कश्यप, कद- 5'9"
सम्पर्क- इन्दौर
मो.9926514790
(तलाकशुदा मान्य)

सुधांशु प्रदीपकुमार पारिख 103

जन्मदि. 11-01-1984
जन्म समय- 5.58 पी.एम.
शिक्षा- बी.ई. (कम्प्यूटर साईस)
कार्यरत- नेटवर्क एनॉलिस्ट इन बार्कले टेक्नालॉजी, सेन्ट्रल इंडिया, पुणे
सम्पर्क- मो.
09975702706,
09580391554

पलाश राजेन्द्र दशोरा 104

जन्मदि. 2-08-1992
प्रश्नोरा नागर ब्राह्मण
कद- 6 फीट
शिक्षा- बी.ई. (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन)
कार्यरत- कॉग्नीजैंट मल्टीनेशनल कंपनी
सम्पर्क-
मो. 9926021478

अंकित विजयकुमार मेहता 105

जन्मदि. 17-5-1988
जन्म समय- 2.15 एएम, धार
कद- 5'9" , वजन-
शिक्षा- बी.ई. (आय.टी.)
कार्यरत- साफ्टवेअर इंजीनियर सायबर इंफ्रा स्ट्रक्चर, इन्दौर
आय-6.50 लाख वार्षिक
सम्पर्क-
मो.9755096525
9752214326

गौरव महेश नागर 106

जन्मदि. 14-5-1993
कद- 5'10" मांगलिक
शिक्षा-बी.कॉम. बी.पी.एड. अध्ययनरत
कार्यरत- स्पोर्ट्स टीचर (शारदा विहार भोपाल)
मासिक आय- पॉच अंकों में
सम्पर्क-
मो.9893474182,
9179313313

अखिल अशोक नागर 107

जन्मदि. 23-4-1983
जन्म समय- 8.20 रात्री, उज्जैन
शिक्षा- एम.फार्मा, डीडीपी (पीएचडी)
कद- 5'6"
कार्यरत- पारुल कॉलेज, बड़ौदा
तलाकशुदा-2015
सम्पर्क-
8989051649,
9752844118

अभिषेक नवीन नागर 108

जन्मदि. 6-7-1989
4.45 ए.एम., उदयपुर (राज.)
कद- 5'10"
शिक्षा- बी.कॉम., एम.बी.ए. फायनेंस
कार्यरत- सीनियर अका.मैनेजर फ्यूचर ग्रुप, अहमदाबाद
सम्पर्क-
09783718508,
09649356113

लोकेश मनोहरलाल नागर (भंडारी) 109

जन्मदि. 6-8-1990
जन्म समय- 8.00 ए.एम.,
डेलची (माकड़ोन)
कार्यरत- कर्मकांड ज्योतिष एवं प्रायवेट नौकरी
सम्पर्क-
मो.9755210829

नीरज ओमप्रकाश मेहता 110

जन्मदि. 17-3-1990
12.120 पी.एम., कोटा (राज.)
कार्यरत- फूल डेकोरेशन एवं म्युजिशियन,
सम्पर्क- कोटा
मो. 09680204073

सुमित मेहता (मांगलिक) 111

जन्मदि. 9-12-1985
समय- 7.10 ए.एम., आगरा
शिक्षा- बी.कॉम. (एम.बी.ए.)
कार्यरत- एच.डी.एफ.सी. बैंक
सम्पर्क- 09252197733,
08742867462

आकाश पंकज चौबे 112

दिनांक 27-1-1988, मंगल- मांगलिक
जन्म समय 1.45 एएम, भोपाल
शिक्षा- बी.ई. (आय.टी.)
कार्यरत- ग्रेटनर, गुड़गांव
सम्पर्क-
मो. 9424444274

यम लोक का आंखों देखा हाल सुनाकर समाज को क्या संदेश देना चाहते हैं लेखक

जय हाटकेश वाणी में समय समय पर नागर जन समूह द्वारा विभिन्न स्थानों से की गई 'अम्बा जी' यात्रा, चित्रकूट यात्रा, मांडव यात्रा का सजीव चित्रण प्रकाशित होता रहता है। वहीं माह अक्टूबर 15 के अंक में एक लेखक महोदय द्वारा 'यमलोक यात्रा' का ऐसा सजीव चित्रण किया गया है जैसे वे स्वयं यमलोक की यात्रा करके लौटे हों। मेरे छोटे से ज्ञान से यह परे दिखाई देता है कि लेखक महोदय ने बिना प्रेत बने प्रत्यक्षदर्शी की तरह पाठकों को यमलोक की यात्रा करा दी।

संसार में प्राणी मात्र मरने के बाद कहां जाता है क्या करता है यह आज तक कोई बड़े से बड़ा साधु महात्मा ज्ञानी विद्वान नहीं समझ पाए और यह भी नहीं जान पाए कि मनुष्य के शरीर से आत्मा निकलने के बाद किस योनी का चोला ग्रहण करती है। लेखक महोदय ने मृत्यु लोक से यम लोक की दूरी 86हजार योजन किस फीते से नाप दी ये आश्चर्य का विषय है।

21वीं सदी में जहां मनुष्य चंद्रलोक, मंगल गृह व अन्य गृहों की यात्रा में रोज नए नए आयाम प्रस्तुत कर रहा है तथा कुछ तो चंद्रलोक पर बसने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं लेखक महोदय हम सबको यम लोक का आंखों देखा हाल सुनाकर समाज को क्या संदेश देना चाहते हैं? एक मोटी बात अच्छी तरह से समझ में आ जाना चाहिए कि मनुष्यों द्वारा किए गए सत्कर्म, या बुरे कर्मों का फल यहीं इसी धरती पर सहन करना है। उपर कुछ नहीं है। स्वर्ग नरक का अनुभव यहीं पर हो जाता है।

मेरे ज्ञान से जहां तक समझ पाया हूं कि व्यक्ति की मृत्यु के बाद परिजन द्वारा मृतात्मा की शांति पुष्टि हेतु किए गए कार्य भावात्मक एवं उसे सम्मान देने के लिए होते हैं। लेखक महोदय ने हो सकता है कि अपने लेख के सम्बंध में किसी पुराण, ग्रंथ का सहारा लिया हो। लेकिन हमारे पुराण ग्रंथों, वेदों, गीता, रामायण आदि में तो मानव कल्याण के लिए और भी अच्छी अच्छी बातें व सन्मार्ग व नैतिकता की शिक्षा की बातें कही गई है। जिनके द्वारा समाज को हम नई दिशा, चेतना तथा रचनात्मक आदर्शों की ओर उन्मुख कर प्रेरणा दे सकते हैं। इस तरह के स्फूर्ति दायक प्रेरणा दायक एवं अध्यात्म से परिपूर्ण विचार हमारे समाज के विद्वान लेखकगण श्री डॉ. तेजप्रकाश व्यास धार, पी.आर. जोशी इंदौर, डॉ. नरेंद्र कुमार मेहता उज्जैन, गोवर्धनलाल व्यास उज्जैन, हरिनारायण नागर देवास, डॉ. ओपी नागर उज्जैन, दीपक शर्मा इंदौर, संतोष व्यास इंदौर एवं यशवंत नागर उज्जैन आदि कई विद्वानों अपने लेखों द्वारा समाज को नई दिशा व उर्जा प्रदान करने में लगे हुए हैं। वहीं कुछ प्रेत आत्माओं दुष्ट आत्माओं के विभत्सता भरे मार्गों का सजीव चित्रण कर कौन से उद्देश्य की पूर्ति करना चाहते हैं यह उन्हीं से पूछा जाना चाहिए और न ही ऐसे भ्रांतिपूर्ण विचारों को सामाजिक पत्रिकाओं को स्थान दिया जाना चाहिए। हमारे लेखों की भाषा प्रेम, स्नेह, आपसी तालमेल, उच्च आदर्शों को इंगित करती हुई होना चाहिए। हमारी भाषा गीता जैसी होनी चाहिए। प्रसिद्ध जीवन प्रबंधन गुरू पं. विजयशंकर मेहता के अनुसार परिवार समाज में ज्ञान कर्म और उपासना के संतुलन की भाषा उतरेगी उस दिन हमारे परिवार समाज को कोई नष्ट नहीं कर पाएगा।

अंत में यही कहना चाहूंगा कि लेखों की विषयवस्तु ऐसी होनी चाहिए जो समाज को नई दिशा संदेश सन्मार्ग व उन्नति के अवसर प्रदान कर सके।

संसार में प्राणी मात्र मरने के बाद कहां जाता है क्या करता है यह आज तक कोई बड़े से बड़ा साधु महात्मा ज्ञानी विद्वान नहीं समझ पाया और यह भी नहीं जान पाए कि मनुष्य के शरीर से आत्मा निकलने के बाद किस योनी का चोला ग्रहण करती है।

यह कहकर मेरे दुश्मन
मुझे हंसता छोड़ गए,
कि तेरे अपने ही है
काफी तुझे रूलाने के लिए।

-सुरेश दवे 'मामा'
38, नीमवाड़ी, शाजापुर
मो. 94240-27500

> दान एक व्यापक शब्द है केवल धन का ही दान नहीं होता, वस्तु, अंग, रक्त, नेत्र दान भी आजकल बहुतायत में हो रहे हैं।

खुशी के बदले, मिलती है खुशी

धर्म शास्त्र एवं गुरु-ग्रंथ दान की महिमा बताते हैं। कहा जाता है कि मनुष्य को अपनी आय का एक हिस्सा अवश्य दान करना चाहिए, उसी से शेष आय शुद्ध एवं उपभोग लायक होती है। अनेक लोग इस नियम का पालन करते हैं तथा यथायोग्य दान देते हैं। सुपात्र को दान देने का विशेष महत्व है। कबीरजी कहते हैं कि-

जो जल बाढ़े नाव में, घर में बाढ़े दाम।
दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानो काम।।

अर्थात् यदि नाव में पानी बढ़ जाये, तो उसे दोनों हाथों से उलीचना चाहिये। इसी प्रकार यदि घर में धन हो, तो खूब दान देना चाहिए, चतुर आदमी का यही काम है। सभी धर्मों में दान का महत्व है। हजरत मोहम्मद का निर्देश है कि 'दान देने से सम्पत्ति कम नहीं होती।' दान एक व्यापक शब्द है केवल धन का ही दान नहीं होता, वस्तु, अंग, रक्त, नेत्र दान भी आजकल बहुतायत में हो रहे हैं।

पोखर में पड़ा जल जिस प्रकार सड़ने लगता है उसी प्रकार धन की गति भी होती है। संत नरसीजी मेहता का किस्सा है कि उनकी दान देने की प्रवृत्ति से ही क्षुब्ध होकर उनके भाई ने उन्हें दरबदर कर दिया था, परन्तु ईश्वर के प्रति सच्चे विश्वास के चलते उनकी बेटी का मामेरा करने भगवान कृष्ण स्वयं आए। दान की महिमा एवं महत्व सभी लोग बखूबी जानते हैं, परन्तु उसके विषय में महत्वपूर्ण चर्चा यहां करना है। दरअसल इस हाथ दें, उस हाथ लें की उक्ति के अनुसार दान के मामले में भी एक खास बात है कि उसमें खुशी के बदले ही खुशी प्राप्त होती है। हम किसी को भी दान देते हैं तो उससे उसे जो खुशी मिलती है उसके बदले ही हमें खुशी प्राप्त होती है।

इस बात को ज्यादा स्पष्ट करते हुए बताती हूँ कि कोई भी व्यक्ति चाहे वह किसी कार्यक्रम के लिए किसी निर्माण या अन्य प्रयोजन हेतु कहीं दान लेने जाता है तथा उसे जो दान प्राप्त होता है, चूंकि वह दान उसका स्वयं का नहीं होता, उसे किसी ओर को ही उसका हस्तांतरण करना होता है, लेकिन उसे उसकी बड़ी खुशी प्राप्त होती है। इतनी बड़ी खुशी कि जितनी स्वयं हेतु धन प्राप्त होने पर भी नहीं होती। उसी खुशी के बदले ही देने वाले को खुशी एवं आत्मिक शांति की प्राप्ति होती है, जिसकी तुलना नहीं की जा सकती।

मैं स्वयं एक व्यवसायी भी हूँ तथा व्यवसाय में जब धन की प्राप्ति होती है तो वह मानसिक संताप को बढ़ाती है, वह संताप उस धन के सही-सही वितरण को लेकर होता है, इतना पैसा आया है, किसको-कितना दें, लेकिन समाजसेवी होने के नाते मुझे विभिन्न गतिविधियों हेतु दान मांगने भी जाना पड़ता है, उस दानराशि की प्राप्ति से मुझे अपार खुशी प्राप्त होती है, जबकि वह धन मेरा नहीं होता, किसी घर में गए और दान का प्रस्ताव रखा जब वे अधिकाधिक दान राशि देते हैं तो उसी अनुपात में खुशी का अनुभव होता है।

उसी खुशी के बदले ही दानदाता को भी खुशी एवं आत्मीय सुख की प्राप्ति होती होगी, ऐसा मेरा अनुमान है। क्योंकि इस हाथ दे, उस हाथ ले का सिद्धांत यहां भी फिट बैठता है। इन सब बातों को लिखने का एक ही मकसद है कि जो व्यक्ति खुशी चाहता है वह पहले खुशी दें... ज्यादा से ज्यादा दें... ज्यादा से ज्यादा पाए। समाज का कोई भी काम हो वहां उदारमन से दान देने की आदत डालें, बल्कि किसी भी मकसद से कोई दान मांगने आए तो उनका स्वागत करें, यह सोचकर कि वे तुम्हें खुशी देने आए हैं।

सम्पादक के निजी विचार हैं, इस सम्बंध में आप अपनी बात या चिंतन लिख कर हमें 25 फरवरी 2016 तक अवश्य भेज देवें। उन्हें आगामी अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

-सम्पादक

मछली जल कि रानी है -:-
इसका नया वर्जन ..

पत्नी घर की रानी है,
करती अपनी मनमानी है,
काम बताओ तो चिढ़ जाएगी,
शौपिंग कराओ तो खिल जायेगी

विषय- स्थान विशेष का नागर ब्राह्मण समाज पर प्रभाव

उच्च शिक्षा हेतु समाजजन योगदान दें

विद्वान ट्यूपेक शकूर के अनुसार हम सभी अपने समाज के प्रतिबिंब (रिफ्लेक्शन) हैं। हम लोग एक-दूसरे के आसरे जीते हैं, क्योंकि हम सामाजिक प्राणी हैं। हम जिस स्थान पर बसते हैं उसका असर भी हम पर परिलक्षित होता है, शहरी ग्रामीण (देहाती) शब्द इसी बात के विशेषण हैं। इसके अतिरिक्त हममें अपनी शिक्षा का एवं जाति का प्रभाव भी होता है। यही नहीं हमारे काम धंधे, व्यापार, व्यवसाय का असर भी हमारे व्यवहार में देखा जा सकता है। हमारी जीवन शैली तद् अनुरूप ढल जाती है, इन्हीं सब बातों के आधार पर हमारे समाज के विकास का भी आकलन किया जाता है।

गुजरात को नागर ब्राह्मणों का उद्गम स्थान माना जाता है। यहीं से संपूर्ण भारत में धीरे-धीरे नागर समाज के लोग बसने लगे। अतः स्थान-स्थान का प्रभाव उन पर भी पड़ने लगा। अच्छी शिक्षा व अच्छे संस्कारों के साथ-साथ धन किसी भी समाज के विकास के लिये महत्वपूर्ण होता है। धन सम्पत्ति के बारे में नीति शास्त्रकारों का मत यह है कि किसी धनी व्यक्ति के पास रहने के लिये भले ही बहुत बड़ा महल हो किन्तु उसे भी शयन हेतु मात्र एक कमरा ही तो आवश्यक होता है। किसी व्यक्ति के पास अन्न का बहुत बड़ा भंडार हो, किन्तु वह प्रतिदिन उतना ही सेवन करता है, जितना उसे आवश्यक हो।

अर्थात् धनी व्यक्ति के पास स्वयं के द्वारा उपयोग करने के बाद धन-सम्पत्ति का एक बड़ा अंश अनुपयोगी बचा रह जाता है, जिसे यदि वह चाहे तो अन्य जरूरत मंद लोगों को दे सकता है- दान स्वरूप। इस प्रकार यदि समाज के सम्पन्न लोग स्वेच्छा से धन का संविभाग करें तो समाज की चहुमुखी विकास की राह आसान हो सकती है।

बाइबिल कहती है हम इस दुनिया में कुछ भी लेकर नहीं आये थे और यह भी निश्चित है कि यहां से हम कुछ भी लेकर नहीं जाएंगे। ठीक ही कहा गया है कि भोग किये धन का तो मूल्य होता है, किन्तु दान किया गया धन अमूल्य होता है। धन की

अंधपूजा धन को दानव बना देती है, किन्तु धन की सच्ची कीमत ही धन को लक्ष्मी बनाती है। समाज के सम्पन्न व्यक्ति दान, त्याग और औदार्य से समाज का उत्थान कर सकते हैं।

हमारे समाज के युवा वर्ग के एक बड़े भाग का मत यह है कि 'शिक्षा' किसी भी समाज के सर्वतोमुखी विकास हेतु अत्यावश्यक है किन्तु धनाभाव के कारण अधिकांश युवा उच्च शिक्षा लेने से वंचित रह जाते हैं, अतः समाज में होने वाले कुछ परम्परागत कार्यक्रमों पर अनावश्यक धन बरबाद न करके ऐसे युवाओं की दिल खोलकर मदद की जाए तो समाज विकसित होगा।

यह भी देखा जा रहा है कि हमारे समाज में जिन स्थानों पर आगे आकर युवाओं को मदद दी जा रही है, वहां का नागर समाज अधिक संगठित, मजबूत और विकसित हो रहा है। मध्यप्रदेश में नागर समाज इसीलिये संगठित है। गुजरात में शिक्षा के बजाय व्यवसाय की ओर ज्यादा रुझान है तथा वहां का जरूरतमंद युवा अपने को समाज में असहाय पाता है- कुछ ऐसा ही राजस्थान में नागर समाज का हाल है। इन स्थानों पर नागर समाज को और अधिक संगठित होने की गुंजाइश दिखाई देती है और यह गुंजाइश तभी पूरी हो सकती है जब संपन्न वर्ग आगे आकर जरूरत मंदों की सुध लेना आवश्यक समझेगा।

जेम्स ओपेन हेम के अनुसार- मूर्ख सुख को तलाशने दूर तक जाता है, जबकि बुद्धिमान उसे अपने कदमों के नीचे पैदा कर लेता है। मन बहलाव के लिये इधर-उधर भटकना ठीक है, किन्तु संतुष्टि यात्रा द्वारा ही प्राप्त की जा सकती है। कहते हैं कि सबसे अधिक आनन्द तो इस भावना में होता है कि हमने भी समाज की प्रगति में कुछ योगदान दिया है- भले ही वह योगदान कितना ही कम (तुच्छ) क्यों न हो।

और अब अंत में कालीदास का यह कथन- सज्जन पुरुष बिन कहे ही दूसरों की आशा पूरी कर देते हैं जैसे सूर्य स्वयं ही घर-घर जाकर उन्हें रोशन कर देता है।

-मोरेश्वर मंडलोई, खंडवा

पाप कहाँ जाता है!

मनुष्य इस संसार का सबसे श्रेष्ठ विवेकशील प्राणी है। वह अपनी बुद्धि, ज्ञान के बल पर सफलता तथा सुख के सभी सौपान प्राप्त कर सकता है। उसे अपने जीवन काल में सुख एवं दुख दोनों का सामना करना पड़ता है। सुख प्राप्ती पर वह उसे अपना समझता है तथा दुख या कष्ट आने पर वह ऐसा महसूस करता है कि यह उसके किन्हीं पापों का फल है या प्रारब्ध का भोग है। आध्यात्मिक तथा दार्शनिक दृष्टि में ऐसा कहा गया है कि व्यक्ति के पुण्यकर्म परिजनों में बंट जाते हैं, परन्तु पापकर्म व्यक्ति को स्वयं भोगना पड़ते हैं। महर्षि वाल्मीकि जिनका पूर्व नाम रत्नाकर था, कुसंगति के कारण चोरी, लूटपाट कर परिवार का पालन पोषण करते थे, परन्तु एक बार जंगल में जब देवर्षि नारद से भेंट होने पर उन्होंने पूछा था कि क्या तुम्हारे इस पापकर्म में तुम्हारी पत्नी, माता-पिता भी बराबर के भागीदारी है और जब उन्होंने घर जाकर इसका उत्तर अपने परिजनों से जानना चाहा तब सभी ने कहा कि हम सभी तुम पर आश्रित है तुम कैसे धन लाते हो तुम्हारे सोचने की बात है। यदि वह पापकर्म से अर्जित किया गया है तो तुम स्वयं उत्तरदायी हो। हम लोग इसके भागीदार नहीं है। इस बात का रत्नाकर पर इतना असर पड़ा कि वे देवर्षि नारद के शरणागत हो उनके मार्गदर्शानुसार 'राम' नाम की तपस्या कर महान कवि महर्षि वाल्मीकी बन गये।

श्रीमद् भगवदगीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है- 'पाप्मानं हि प्रजहि' अर्थात् कामना सम्पूर्ण पापों की जड़ है। इसलिये कामना उत्पन्न होने से पाप होने की संभावना रहती है। यही कामना मनुष्य के विवेक को ढककर उसे अंधा बना देती है। जिससे उसे पाप/पुण्य का ज्ञान नहीं रहता तथा वह पापों में ही लग जाता हैं। वह इन्द्रियजन्य सुख के लिये पदार्थों की कामना करने लगता हैं और फिर पदार्थों के लिये धन की काम में लग जाता है। इतना ही नहीं उसकी दृष्टि धन के संग्रह में लग जाती है। निर्वाह मात्र के लिये धन की अपेक्षा वह उसके संग्रह में ही जीवन व्यतीत कर देता है। इस संग्रह की अभिलाषा तथा लालसा के कारण वह झूठ, कपट, धोखा, चोरी इत्यादि अनेक अनैतिक कार्यों में संलग्न हो जाता है। अधिक धन से उसमें अभिमान भी आ जाता है, जो कि आसुरी प्रवत्ति का मूल है। वर्तमान समय के विभिन्न समाचार माध्यमों का आकलन करने पर दृष्टिगत होता है कि देश की आबादी बढ़ने के साथ-साथ नाना प्रकार के पाप जैसे- चोरी, डकैती, व्यभीचार, भ्रष्टाचार, बलात्कार इत्यादि बहुत अधिक बढ़ गये हैं। जिसका मूल कारण है- नैतिक मूल्यों का ह्रास तथा धन के प्रति बढ़ती आसक्ती। व्यक्ति इन अनैतिक कर्मों में इतना लिप्त हो जाता है कि वह इनके तात्कालिक तथा दूरगामी परिणामों के बारे में जरा भी नहीं सोचता। परिणाम भुगतने पर पश्चाताप के अतिरिक्त कोई दूसरा विकल्प नहीं रहता है। सामाजिक रूप में भी अनेक व्यक्ति या संस्थाएं कभी-कभी कुछ पुण्य कार्य अपने दूरगामी स्वार्थों के कारण करते हैं, परन्तु साथ ही साथ कुछ पाप भी कर बैठते हैं, जिनका उन्हें तनिक भी ज्ञान नहीं होता है जैसे- अनेक धार्मिक आयोजन पश्चात् उससे होने वाली समस्या के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण (नवरात्र के अवसर पर शहर के मुख्य मार्ग पर भंडारे का आयोजन कर पश्चातवर्ती उपयोग में लाए गए पत्तल, दोने इत्यादि मार्ग पर ही छोड़कर अपने कार्य की इति समझते हैं।

हिन्दू धर्मशास्त्रों के अनुसार हमारे देश की विभिन्न नदियों जैसे- गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी, सरस्वती इत्यादि को अत्यंत ही पवित्र माना गया है तथा अधिकांश लोगों की मान्यता है कि इनमें स्नान कर व्यक्ति अपने पाप धोकर पुण्य प्राप्त कर सकता है। एक बार एक ऋषि ने सोचा कि लोग गंगा में पाप धोने जाते हैं तो इसका मतलब हुआ कि सारे पाप गंगा में समा गये और गंगा भी पापी हो गई। यह जानने के लिए उन्होंने तपस्या की कि पाप कहां जाता है। तपस्या करने के फलस्वरूप देवता प्रकट हुए। ऋषि ने पूछा भगवन! जो पाप गंगा में धोया जाता है वह पाप कहां जाता है। भगवन ने कहा- चलो! गंगा से ही पूछते हैं। दोनों गंगा के पास पहुँचे और कहा कि- हे गंगे! जो अनेक लोग तुम्हारे यहां पाप धोते हैं तो इसका मतलब हुआ कि आप पापी हुई। गंगा ने कहा- मैं क्यों पापी हुई? मैं तो सारे पापों को ले जाकर समुद्र को अर्पित कर देती हूँ। अब ऋषि एवं देवता समुद्र के पास गये और कहा कि हे सागर! गंगा जो सारे पाप आपको अर्पित कर देती है तो इसका मतलब आप पापी हुए। समुद्र ने कहा- मैं क्यों पापी हुआ? मैं तो सारे पापों को इकट्ठा कर भाप बनाकर बादल के रूप में आकाश को दे देता हूँ। अब वे दोनों आकाश के पास

गये और कहा हे आकाश देवता! जो पाप समुद्र ने आपको भाप बनाकर बादल के रूप में दिया है तो इसका मतलब हुआ कि आप पापी हुए। आकाश ने कहा- मैं क्यों पापी हुआ? मैं तो सारे पापों को पानी बनाकर धरती पर भेज देता हूँ। अन्ततत्वा वे दोनों धरती के पास गये तथा वही प्रश्न पूछा! धरती ने कहा कि पाप रुपी पानी को मैं कहां अपने पास रखती हूँ मैं तो उसे अन्न, फल-फूल वनस्पतियों तथा जल रूप में मुझ पर बसने वाले समस्त मनुष्यों एवं प्राणियों को दे देती हूँ, जिसको भोजन तथा पानी के रूप में खा, पी कर मनुष्य अपना जीवन निर्वाह करता है। ऋषि तथा देवता यह उत्तर सुन असमंजस में पड़ गये कि पाप जहाँ से उत्पन्न हुआ था घूमकर वापस वहीं पहुँच गया। यथार्थ में वास्तविकता यह है कि पाप न तो अन्न में हैं और न ही जल में। पाप तो उस धन में विद्यमान होता है जो अनीति, अन्याय, भ्रष्टाचार से अर्जित किया गया हो इसलिये कहा गया है कि व्यक्ति को धन प्राप्ती में उसके स्त्रोत का विशेष ध्यान रखना चाहिये। अनीतिपूर्ण तरीकों से प्राप्त धन तात्कालिक सुख अवश्य प्रदान कर देता है, परन्तु अन्तत्वोगत्वा वह दुख, क्लेश, पीड़ा का कारण बनता है। पाप एवं पुण्य दोनों शरीर की नहीं वरन् मन की अवस्था है। व्यक्ति पाप एवं पुण्य दोनों मन बुद्धि विवेक से ही करता है। मन दूषित होने पर ही मनुष्य पाप कर्म करता है।

इसी संदर्भ में संत कबीर ने क्या खूब कहा है-

नहाये धोये क्या हुए,
जो मन मैल न जाये।
मीन सदा जल में रहे,
धोय बास न जाये।
कबीर खाई कोट की,
पाणी पिवै न कोय।
आइ मिलै जब गंग में,
तब सब गंगोदिक होय।।

(दुर्ग के चारों ओर की खाई के जल को कोई नहीं पीता, उसे अपवित्र मानता है किन्तु वही जल जब गंगा में आकर मिल जाता है तब वह भी गंगाजल हो जाता है।

संदेश- पाप एवं पुण्य दोनों ही मानव मन की अवस्था है। मनुष्य के कर्म में ही ये अदृश्य रूप में विद्यमान होते हैं। इसलिये हिन्दू धर्म में कहा गया है कि मानव के हाथों में ईश्वर का वास होता है। प्रत्येक कार्य करते समय उसे उसके गुण-दोष पर गंभीरता से विचार करना चाहिये। इस्लाम धर्म में भी नमाज के दौरान यही कहा जाता है कि हे परवरदिगार इन हाथों से कोई पाप न होने पाये।

-प्रो. राजेन्द्र नागर (मुमुक्षु)
बी-40, चन्द्र नगर (एम.आर.9), इन्दौर

मुक्तिका

'मीनिंग फुल' यारों, जिन्दगानी हो गई।
लाड़ली बिटिया, बिरानी हो गई।
कुर्यात् सदा, मंगल के साथ ही वो बदली सी लगे।
वायरल फागुन में छेड़ खानी हो गई।
फलवन्त रिश्तेदारी, हो गई है, आजकल।
लघुकथा, लंबी-कहानी हो गई।
'ग्राफ' चढ़ता ही जाता है मिलन का।
तन-मन-चन्दनी और निशा रात रानी हो गई।
रसगुल्लों की मानिंद हर घटना लगे।
सुर, मिले, साज कसें, सार्थक यार जवानी हो गई।

-गड़बड़ नागर
191, सत्यसुख सेठी नगर, उज्जैन

चन्द दो पाइयाँ 'पोते' पर

(1) टेन्शन हारक है पोता, सनम मस्ती की है खान।
इसकी सूरत में दिखें, श्री, लक्ष्मी, नारान।।

(2) तर्क बाजी का हुनर, जीते जजबातों का 'मैच'
पहली बाल पर लेता यही दददाजी का 'कैच'

(3) हिय की जै जै बन्ती, यही, मस्ती देता भरपूर।
पढ़ने-लिखने, नचने में फनकार है, ना है वो मगरुर।

(4) अनुशासित हर दम रखे है, यह दया निधान।
शुगर फ्री लाइफ का यही एकमेव स्वीट श्रीमान।

(5) 'यश' विस्तारक है यही, मन रंजक, भरपूर
दादी-दादा के लिए यह जैसे कोहेनूर।

(6) 'हनी मनी' सा मन मोहता है, टापमटाप यार।
'मूल' से ब्याज बढ़ा है, हर दददू का संसार।।

-गड़बड़ नागर
191, सत्यसुख सेठी नगर, उज्जैन

समय 'अमूल्य' है

अगर देना ही है किसी को अपना 'समय' दीजिए, क्योंकि दी हुई हर चीज वापस ली जा सकती है, परन्तु समय नहीं।

पूरे शरीर में जबान एक ऐसा अंग है जिसमें घाव लगने ही बहुत जल्दी भर जाता है, पर जबान से लगाया हुआ घाव कभी नहीं भरता।

संकलित उषा ठाकोर

जीवन के रंगमंच पर सफल अभिनय कर भगवान हाटकेश्वर नाथ के चरणों में समर्पित हो गए

स्व.डॉ.सुन्दरलाल नन्दलाल पंड्या एवं स्व.श्रीमती सावित्री पंड्या के पुत्र श्री एम.एल.पंड्या का जन्म 3 अगस्त 1940 को लखनऊ में हुआ था। अपने पिता एवं ताऊजी स्व.राय बहादुर गोपाल लाल पंड्या के मार्गदर्शन में आपने बी.एस.सी. की शिक्षा प्राप्त कर लखनऊ दुग्ध संघ में क्वालिटी कन्ट्रोल विभाग में नौकरी की शुरुआत की। विद्यार्थी जीवन में एथलेटिक्स, बेडमिंटन तथा क्रिकेट में आपने अनेकों पुरस्कार प्राप्त किए। 1960 में आपका विवाह स्व.डॉ.बालकृष्णजी नागर तथा शशिप्रभाजी नागर की पुत्री श्यामा नागर (कल्पवृक्ष कार्यालय नईसड़क उज्जैन) के साथ सम्पन्न हुआ था।

स्व.श्री राधावल्लभजी चतुर्वेदी से इन्होंने संगीत की शिक्षा ग्रहण की तथा ऑल इंडिया रेडियो के बी.हाई.ग्रेड स्तर के आर्टिस्ट बने। 1975 में लखनऊ दूरदर्शन की स्थापना के समय से ही आप चौपाल कार्यक्रम में 'बेतुक भैया' के नाम से सुविख्यात हुए इनकी खासियत थी कि उपरोक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण होता था तथा मात्र कार्यक्रम के विषय के सम्बंध में इनको बताया जाता था। शेष अवधी भाषा में ग्रामीणों के लिए उसको कैसे मनोरंजक बनाकर प्रस्तुत करना है उसकी तैयारी स्वयं करते थे। माँ सरस्वती की विशेष कृपा इन पर रहती थी। आपको सन 1997 में दूरदर्शन में अपने अतुलनीय योगदान हेतु उत्तर प्रदेश के तत्कालीन गवर्नर श्री सत्यनारायण रेड्डी ने सम्मानित किया था। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी आपको सम्मान प्राप्त हुआ।

एक कलाकार इनके अन्दर रचा-बसा हुआ था, अनेकों नाटक, टी.वी. सीरियल एवं इनके सामाजिक कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत हुए तथा सराहे गए। 1998 में आपने 'मयूरपंख' नामक सांस्कृतिक संस्था की स्थापना की, जिसने लखनऊ की जनता को अनेकों ख्याति प्राप्त राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकारों तथा उनकी कला से रुबरु करवाया। इनमें गुलाम अली, रेशमा, मेहंदी हसन, जगजीत एवं चित्रा सिंह, अनूप जलोटा, पंकज उदास, हरिओम शरण, साबरी ब्रदर्स तथा गजल एवं भजन गायिकी के क्षेत्र के लगभग सभी कलाकारों के प्रोग्राम शामिल थे। उपरोक्त संस्था के कार्यक्रम से प्राप्त आय को इन्होंने 'कल्याण करोति' इत्यादि समाज कल्याण की संस्थाओं को अनुदान के रूप में वितरित कर दिया। अनेकों राजनेताओं द्वारा इनको गीत एवं संगीत के क्षेत्र में सम्मानित किया गया।

स्व.श्री मनोरंजनलाल पंड्या
अवसान 17-11-2015

> 1975 में लखनऊ दूरदर्शन की स्थापना के समय से ही आप चौपाल कार्यक्रम में 'बेतुल भैया' के नाम से सुविख्यात हुए इनकी खासियत थी कि उपरोक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण होता था तथा मात्र कार्यक्रम के विषय के सम्बंध में इनको बताया जाता था।

इनमें स्व.पं.कमलापति त्रिपाठी, तथा स्व.प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी प्रमुख थे। स्व.इंदिरागांधी के अवसान के अवसर पर आपके स्वरचित एवं कम्पोज किए हुए गाने राष्ट्रीय स्तर पर सराहे गए। अनेकों कैसेट एवं डाक्यूमेन्ट्रीज आपने समाज कल्याण पी.सी.डी.एफ. तथा एड्स कंट्रोल एवं वृक्षारोपण आदि विभागों एवं कार्यक्रमों हेतु बनाई श्री हाटकेश्वर नाथजी मंदिर एवं हाटकेश्वर बाबा पर आपकी अटूट भक्ति एवं श्रद्धा थी। विगत 35 वर्षों से वो आंधी, पानी, तूफान आदि की परवाह किए बगैर प्रत्येक सोमवार को श्री हाटकेश्वरनाथ मंदिर में अपने ही कम्पोज किए भजनों से भजन संध्या एवं आरती करते थे।

श्री हाटकेश्वरनाथ गुजराती ब्राह्मण समिति उत्तरप्रदेश के निर्विरोध अध्यक्ष रहते हुए इन्होंने नागर समाज उ.प्र. हेतु अनेकों समाजोत्थान कार्यक्रमों की नींव रखी। मंदिर के 75वें स्थापना दिवस (अप्रैल 2013) में इन्हें लंग्स कैंसर बीमारी ने ग्रसित कर लिया था। कीमोथैरेपी के कारण आपका टीमोग्लोबीन स्तर 6 के नीचे आ गया था, परन्तु ब्लड चढ़वाकर आपने पूरी शिद्दत से कार्यक्रम को सफल बनाया। हर दिल अजीज एवं मिलनसार व्यक्तित्व द्वारा आपने अपने जीवन में सभी को आनंदित किया तथा परिवार के लिए अपनी पूर्ण शक्ति एवं सामर्थ्य से कर्त्तव्यों का पालन किया।

आपने अंतिम श्वांस मेरे मोबाइल पर श्री हाटकेश्वर नाथजी तथा श्री महाकालेश्वर बाबा के दर्शन तथा गंगाजल ग्रहण के पश्चात् ली। ऐसा प्रतीत हुआ कि बाबा ने अपने अनन्य भक्त को अपने ही सानिध्य में बुला लिया। ऐसा लगता है कि आप हमारे बीच ही हो। हमारे हृदय में बसे हो। हम कभी आपको भूला नहीं पाएंगे। भावपूर्ण श्रद्धांजलि पत्नी श्यामा पंड्या, पुत्र एवं पुत्र वधु मनीष-सौ.श्रद्धा पंड्या, पोती एवं पोता श्रेया एवं समर्थ पंड्या एवं समस्त पंड्या परिवार। दामाद व बेटी- श्री राकेश जोशी-अंजली जोशी, श्री दीपक मिश्रा-तृप्ति मिश्रा, भाई-श्री चितरंजन लाल सुन्दरलाल पंड्या, श्री हृदय, जय पंड्या, श्रीमती संध्या पंड्या, बहन-बहनोई सौ.इन्दू-मनमोहनजी नागर एवं समस्त परिवार लखनऊ

-राजशेखर नागर
लखनऊ

जगत बुआजी लीला पंडित का महाप्रयाण

खंडवा नागर समाज के वरिष्ठ सेवा निवृत्त तहसीलदार स्व.आनंदीलाल पंडित एवं स्व.श्रीमती जमुनाबाई पंडित की 91 वर्षीय पुत्री सुश्री लीला पंडित का 18 जनवरी 2016 को कालमुखी में देवलोक गमन हो गया।

डॉ.श्रीकांत, डॉ.रमाकांत, शशिकांत, दिव्यकांत, संजय, पराग, एड्व्होकेट पूर्णिमा पंडित तथा तिलोत्तमा पंडित की बुआजी लीला पंडित को सभी लोग बुआजी के नाम से सम्बोधित करते थे। खंडवा निवासी दंत चिकित्सक श्री लक्ष्मणराव पंडित तथा डॉ.बलीराम पंडित एवं इन्दौर निवासी श्री मधुसुदन पंडित की बहन लीला पंडित ने स्नातक तक शिक्षा प्राप्त की। प्रारंभ में खंडवा विकासखंड में नौकरी की तथा बाद में बेतूल, उज्जैन, धार तथा राजगढ़(ब्यावरा) में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में अधिकारी के पद पर अपनी सेवाएं प्रदान की। सेवानिवृत्ति के पश्चात् 1987 से वे खंडवा में निवासरत रही तथा सत्य साँई समिति की वे सक्रिय सदस्य रहकर अनेक धार्मिक, सामाजिक तथा पारिवारिक समारोह में सदैव अग्रणी रही। उन्होंने परिवार के सभी बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाने हेतु प्रोत्साहित किया। मोहल्ले के बच्चों को भी वे सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यों हेतु भरपूर सहयोग देती। खंडवा नागर समाज तथा कालमुखी के सभी ग्रामीणजनों एवं पंडित परिवार ने सुश्री लीला पंडित को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

-शशिकांत पंडित, कालमुखी मो. 9669400322

श्रीमती मधुकांताजी शर्मा, इटावा

शिक्षा एवं राजनीति क्षेत्र को गौरवान्वित किया

इटावा (तराना) निवासी पूर्व सांसद प्रतिनिधि श्री दिनेश शर्मा की माताजी श्रीमती मधुकांता शर्मा का 90 वर्ष की आयु में दिनांक 3-1-2016 को देवलोकगमन हो गया। श्रीमती मधुकांताजी शर्मा ने सतत 25 वर्षों तक शिक्षा का अलख जगाए रखा। वे पूर्व जनपद पंचायत के चुनाव में निर्विरोध सदस्य चुनी गई थी। शांतिवन में आयोजित शोकसभा की अध्यक्षता नगर परिषद् अध्यक्ष उमेश शर्मा ने की तथा रमेश रावल, मोतीलाल पाटीदार, राजेन्द्र मालवीय, जिला कांग्रेस अध्यक्ष जयसिंह दरबार, कैलाश गोठी आदि उपस्थित गणमान्य जन एवं नागरजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्रीमती शर्मा के जीवन एवं उनकी विशेषताओं पर प्रकाश डाला। शोकाकुल परिवार को सांत्वना एवं संबल देने हेतु बाबूलाल नागर, कैलाशचन्द्र मेहता, दिलीप कुमार शर्मा, नरेन्द्र शर्मा, नितेश कुमार, ललित कुमार, सुनील कुमार, जितेन्द्र, यश, अमन मेहता एवं समस्त परिवार ने आभार व्यक्त किया है। श्रीमती मधुकांता शर्मा की स्मृति में श्री हाटकेश्वर धाम उज्जैन हेतु एक कम्प्यूटर भेंट किया गया। जय हाटकेश वाणी परिवार श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वह पुण्यात्मा को अपने चरणों में स्थान प्रदान करें।

श्री रामेश्वरजी शर्मा, देवास

सद्कार्य एवं अच्छा स्वभाव याद रहेंगे

देवास निवासी श्री रामेश्वरजी शर्मा का देवलोकगमन 9-10 जनवरी की दरम्यानी रात्रि में हो गया। वे अत्यंत सरल, मृदुभाषी, निर्भिक एवं खुशमिजाज व्यक्तित्व थे। राग, द्वेष ईर्ष्या एवं दंभ से उनका कोई वास्ता नहीं था। विनम्रता,सादगी, संवेदनशीलता एवं दयालुता के गुणों से ओतप्रोत श्री शर्मा के सद्कार्य एवं अच्छा स्वभाव सदैव याद रखा जाएगा। उनकी अंतिम यात्रा में उज्जैन इन्दौर देवास के समाजजनों, इष्ट मित्रों ने सम्मिलित होकर श्रद्धांजलि अर्पित की उनके पुत्र शिव शर्मा ने मुखाग्नि दी। जय हाटकेश वाणी परिवार भी श्रद्धासुमन अर्पित करता है।

-जितेन्द्र नागर, देवास 9827678692

विट्ठलनाथ दीक्षित वाराणसी

कोतवाल पुरा, वाराणसी निवासी श्री विट्ठलनाथ दीक्षित (विट्ठल भाई) पुत्र स्व. श्री सुरजनाथ दीक्षित वय 75 वर्ष का अकस्मात ह्रदयगति बंद होने से निधन हो गया। आप यूको बैंक से सेवा निवृत्त हुये थे। आप यूको बैंक की अमीनाबाद, लखनऊ तथा बरेली शाखाओं में काफी समय तक कार्यरत रहे। आपने अपने पिता स्व सूरजनाथ जी की बहुत सेवा की थी। जिन्दगी की तमाम समस्याओं से जुझते आप कब ह्रदयरोग से ग्रसित हो गये, पता ही नहीं चला, पाक शास्त्र के अच्छे जानकार होने के साथ बहुत ही मजाकिया किस्म का आपका व्यक्तित्व था।

-विजय दीक्षित 7208153522

श्री अजय नागर लखनऊ

लखनऊ। इन्दिरा नगर निवासी श्री अजय नागर सुपुत्र स्व. श्री शान्तीलाल नागर का स्वर्गवास अल्प बिमारी के पश्चात् संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट संस्थान में दिनांक 27-10-2015 को रात्रि 10.30 बजे 53 वर्ष की अल्प आयु में हो गया। श्री नागर वर्तमान समय में सचिवालय में प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रोधोगिकी, उत्तर प्रदेश के निजी सचिव के रूप में कार्यरत थे। अन्त्येष्टी स्थल पर नागर ब्राहम्ण समाज एवं उत्तर प्रदेश सचिवालय के अधिकारी कर्मचारी तथा श्री नागर के कनिष्ठ भ्राता श्री संजय नागर जो कि जिलाधिकारी, लखनऊ में कार्यरत हैं, के स्थानीय प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी भी बडी संख्या में उपस्थित थे।

दुःखद घटना

नागर ब्राह्मण समाज के लिए नए वर्ष का पहला दिन एक जनवरी दुखद घटना की वजह से वज्रपात वाला रहा। इसी दिन देवास निवासी श्री बाबूलालजी शर्मा के पौत्र एवं श्री कृष्णकांत शर्मा के सुपुत्र श्री वैभव शर्मा ऑंकारेश्वर में ब्रह्मघाट में डूबने से काल-कवलित हो गए। दरअसल वे जिस जाईन्डर ट्रेक्टर कं. में कार्यरत थे वहीं के 4-5 साथियों के साथ नववर्ष मनाने ओंकारेश्वर गए थे तथा पैर फिसलने से गहरे पानी में डूब गए उन्हें बचाया नहीं जा सका। अत्यंत सौम्य एवं होनहार वैभव के साथ हुई इस घटना ने परिवार एवं समाज को स्तब्ध कर दिया। वे अपने पीछे पत्नी एवं ढाई वर्ष के बेटे को छोड़ गए हैं।

घटना के बाद...

शर्मा परिवार के लिए इस दुखद घटना के बाद वह 6 दिन भी अत्यंत त्रासभरे रहे, जिस दौरान वे तथा उनके रिश्तेदार शव को नदी की सतह पर आने का इंतजार करते रहे। ऐसे समय परिवार के नजदीकी रिश्तेदार श्री सुनील मेहता जो वर्तमान में झौनल एस.पी. के पद पर कर्तव्यस्थ है ने प्रमुख भूमिका निभाई, उनके निर्देश पर स्थानीय स्तर पर पुलिस एवं प्रशासन ने विशेष सहयोग किया तथा शव की खोज के लिए इन्दौर तथा भोपाल तक से विशेष प्रशिक्षित गोताखोरों के दल बुलाए गए।

प्रशासनिक स्तर पर मिले इस सहयोग से श्री मेहता के बार-बार युवाओं से पुलिस एवं प्रशासनिक सेवा हेतु आमंत्रण का महत्व पता चला। नागर ब्राह्मण समाज में अपनी इन सेवाओं में ऊंगली पर गिने जो सकने वाले लोग ही हैं। आपात स्थिति में त्वरित मदद दिलाने के उदाहरण श्री मेहता पूर्व में भई प्रस्तुत कर चुके हैं तथा वे समाज में प्रत्येक उद्बोधन में कहते हैं कि समाज के युवा पुलिस सेवा में आएं। वहीं वैभव के परिवार ने भी जिला कलेक्टर से पहल कर उस स्थान पर प्रवेश वर्जित करने की गुजारिश की जहां पर वैभव डूब गया था, वैभव के ताऊजी श्री दिनेश शर्मा ने यह पहल करते हुए कहा कि वह स्थान जब इतना खतरनाक है तो वहां बेरिकेट्स लगाकर एवं प्रदर्शन बोर्ड लगाकर वहां यात्रियों का प्रवेश प्रतिबंधित क्यों नहीं किया जाता, हमने तो अपना बेटा यहां खो दिया है, लेकिन भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो यह जरुरी है।

श्री वैभव (सोनू) शर्मा, देवास
अवसान 1 जनवरी 2016

श्रीमणीलालजी त्रिवेदी

सेवानिवृत्ति के बाद अध्यात्म सेवा में रत हो गए थे

बांसवाड़ा शहर के नागर समाज में श्री मणीभाई त्रिवेदी का 83 वर्ष की आयु में देवलोकगमन से ऐसे सज्जन, हंसमुख, मिलनसार, सत्संगी भगवद् भक्त की चिर विदाई हो गई, जिसकी क्षतिपूर्ति होना सम्भव नहीं।

श्री त्रिवेदी 40 वर्ष से अधिक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया की कोलकाता, मुम्बई, अहमदाबाद शाखाओं में कुशलतापूर्वक कार्यरत रहे। वे सन् 1993 में सेवानिवृत्त हुए तथा पश्चात् अपनी मातृभूमि बांसवाड़ा में रहकर समाजसेवा, सत्संग, भगवद् भजन, लेखन आदि कार्यों में व्यस्त रहकर संत जैसा जीवन जीया। उन्हें समाज के सिद्ध परम भक्त संत श्री दुर्लभरामजी की भक्ति अपने पिताजी स्वामी श्री परमानंदजी सरस्वती से विरासत में प्राप्त हुई थी। श्री दुर्लभरामजी की रचनाएं भक्त श्री नरसी मेहता जैसी राधाकृष्ण की भक्ति से ओतप्रोत है। उनके शिष्यों द्वारा संग्रहित पदों एवं भजनों की 200 वर्षों से ज्यादा पुरानी जीर्ण-शीर्ण हो रही पुस्तकों को व्यवस्थित लेखन का कार्य उन्होंने हाथ में लिया।

दरअसल इस प्राचीन लिखावट एवं अक्षरों को पढ़ना सामान्य व्यक्तियों के लिए सम्भव नहीं था। उन्होंने इतने अच्छे सुवाच्य एवं स्पष्ट अक्षरों में लिखा है कि आज के जमाने के श्री दुर्लभरामजी के शिष्य भक्तजन प्रेमपूर्वक पढ़कर भजन कर सकते हैं। श्री मणीभाई स्वयं श्री दुर्लभ मंदिर में सुबह-शाम भजन सुनाते थे एवं सत्संग करते थे। वे अपनी दिनचर्या के अनुसार प्रातः 3.30 बजे उठ जाते तथा 5 बजे सत्संगियों के साथ प्रभातफेरी में शामिल हो जाते। फिर देव दर्शन, मंगला एकादशी, पूर्णिमा, होली, झुलन एवं विविध त्यौहारों के अनुसार श्री दुर्लभ वाणी के भजनों से सत्संग करवाते थे।

सादा जीवन-उच्च विचार से ओतप्रोत श्री मणीलालजी का जीवन नई पीढ़ी के लिए प्रेरक बनेगा, वहीं उनके द्वारा प्रारम्भ की गई भक्ति की धारा यूं ही प्रवाहित होती रहेगी। यही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रेषक- नटवरलाल झा, राजेन्द्र त्रिवेदी, प्रमोद झा

ॐ नमोः भगवते वासुदेवाय

श्रीमती करुणा नागर

मातः आपने बड़े कष्ट से मुझे अपने उदर प्रदेश में धारण किया। आपके अनुग्रह से मुझे यह संसार देखने को मिला। आपको बार-बार प्रणाम है?

अश्रुपूरित श्रद्धासुमन- जगदीश नागर, अनुज नागर एवं समस्त नागर परिवार पचपहाड़, जिला झालावाड़ (राज.)

अश्रुपुरित श्रद्धा सुमन आपको अर्पित है..

श्रीमती पद्मादेवी शुक्ल

21 दिसम्बर

श्रद्धावनत- पं.शिवनारायण शुक्ल एवं परिवार पाडल्या रोड़, नागदा जं.

पुण्य स्मरण

स्व.श्री श्याम सुन्दरजी मेहता

11-12-2008

स्व.श्रीमती लता (मणीबेन)

पति स्व. श्याम सुन्दरजी मेहता

5-1-2013

श्रद्धावनत- मेहता एवं नागर परिवार इन्दिरा नगर आगर रोड़, उज्जैन

चतुर्थ पुण्य स्मरण

डॉ.श्री दयाशंकरजी ओ.जोशी

12 जनवरी

शिक्षा के विभिन्न उच्च पदों पर प्रशासक रहे

जोशी-जया नागर-जाधव-मेहता

श्रीमती निशा (अमरिका)

-पी.आर.जोशी, इन्दौर

श्री गिरीशचन्द्र दवे, शाजापुर

'मर के अमर है गिरीश' जिसका हर कोई दीवाना है

स्तब्धता! अचानक वातावरण में परिवर्तन। अपनी महक बिखेरने वाला मुस्कुराता चेहरा, अपनों में अपना ही नहीं, परायों में भी अपना, जनमानस का चहेता 59 वर्षीय श्री गिरीशचन्द्र बालकृष्ण दवे 30 अक्टूबर 2015 के दिन सम्पूर्ण विश्व को अलविदा कहते हुए देवलोक को प्रस्थान कर गया। 'खुश रहो एहले वतन हम तो वतन छोड़ चले' जैसा भाव निश्चित ही आकृष्ट चेहरे से परिलक्षित होता था।

कभी-कभी तो यह आभास होता है कि गिरीश यहीं है, यहीं कहीं है, किन्तु शाश्वत सत्य है कि वह यहाँ नहीं है। यदि यह कहा जाय कि 'मर के अमर है गिरीश जिसका हर कोई दीवाना है' तो अतिश्योक्ति नहीं होगी।

'मानवता की सेवा करना ही भगवान की पूजा करना' एक 'रक्तदान महादान' को उद्देश्य बनाकर जीने वाला गिरीश आँखों से भले ही ओझल हो गया हो, किन्तु हम सबके अन्तर्मन से विलग नहीं हुआ। अपने कार्यक्षेत्र म.प्र. विद्युत मंडल में जो यश एवं कीर्ति उसे प्राप्त हुई वह अद्वितीय है। शाजापुर में अंतिम बिदाई में उपस्थित जन सैलाब उसके जनमानस से व्यवहार की कहानी कह रहा था। नागर समाज खंडवा दिवंगत आत्मा की शान्ति एवं दवे परिवार को गम से मुक्त कर उसकी स्मृति बनाए रखने हेतु भगवान हाटकेश्वर महादेव से प्रार्थना करता है।

-प्रेषक देवीदास पोत्दार अध्यक्ष

श्री दिनेशचन्द्र नागर इकलेरा

इकलेरा सीका (तलेन) तहसील

नरसिंहगढ़ निवासी स्व.पं. लक्ष्मीनारायणजी नागर के सुपुत्र श्री दिनेशचन्द्रजी नागर का 63 वर्ष की आयु में अल्प बीमारी के पश्चात् 4 नवम्बर 2015 को देहावसान हो गया।

श्री दिनेश नागर, श्री सी.पी. नागर उज्जैन के बहनोई तथा उज्जैन नागर युवा मंडल के सक्रिय कार्यकर्ता श्री संजय नागर के श्वसुर थे। इनके दो पुत्र पं.शैलेन्द्र नागर (उज्जैन) तथा श्री प्रदीप नागर एवं पुत्री श्रीमती योगिता नागर है। पेंशनर संघ के पं.दिनेश नागर ने श्री नागर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आदर्श कृषक तथा श्रेष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता बताया।

स्व.श्रीमती संध्या पी.जोशी

संध्या जयंती

26 जनवरी

जानकी जयंती

एक सम्पूर्ण व्यक्तित्व

स्व.श्री जानकीलाल रा. जोशी

2-12-2015

आस्था-श्रद्धा-प्रेमपूर्ण-सादर नमन्

समस्त जोशी परिवार

8वां पुण्य स्मरण

स्व.श्रीमती पुष्पलता भंवरलाल नागर

22 फरवरी

पुष्पांजलि उनके कदमों में समर्पित

श्रद्धावनत- श्रीमती जया नागर

अपूर्व-श्रुति नागर, जोशी, जाधव, तिवारी (महू) परिवार

-पी.आर. जोशी, इन्दौर

तृतीय पुण्य स्मरण-26 फरवरी, **शांति जयन्ती** 1 फरवरी

स्व.श्रीमती शांति दयाशंकरजी जोशी स्मृतियों, स्मरण के साथ सादरांजलि पुष्प नमन् के साथ समर्पित, जोशी, श्रीमती जया नागर, डॉ.प्रदीप, रेणुका मेहता, जाधव, तिवारी, श्रीमती निशा जोशी (अमरिका)

-पी.आर.जोशी

पुण्य स्मरण

श्रीमती बसंतीदेवी मेहता

(धर्मपत्नि-स्व.गोवर्द्धनलालजी मेहता)

17 जनवरी

श्रद्धावनत : दैनिक अवन्तिका परिवार, उज्जैन-इन्दौर-रतलाम

पुण्य स्मरण

आपके आदर्श ही हमारे मार्गदर्शक है... इसी रुप में आप सदा हमारे साथ है...

पं.स्व.श्री धनेश्वरजी मगनलालजी मेहता

जन्म : 21-10-1938

अवसान : 24-01-2012

: श्रद्धावनत :

प्रभावती मेहता, कन्हैया-अलका मेहता,
हरीश-तृप्ति मेहता, उषा-मनीष पण्ड्या (गुज.)
विवेक, विशाखा, दिव्यांशी, मंथन
एवं समस्त मेहता परिवार, खजराना, इन्दौर
मो.98250-28874

स्मृति शेष...

22 वां पुण्य स्मरण

दि. 24 फरवरी 2016

खिलचीपुर की प्रथम महिला शिक्षिका

स्व. गीतादेवीजी नागर

गीत गीता के प्रतिदिन गाती रही,
ताना-बाना परिवार का बुनती रही।
देहिक-देविक ताप से मुक्त रही,
वीणा-वादिनी की कृपा पात्र बनी रही।
जीवन भर समाज से संबद्ध रही,
नारी के चरित्र का अभिनय करती रही।
गम कम बृह्म संबंध पालती रही,
रण छोड़ की मीरा सी भक्ति करती रही।।

स्मरण कर्ता :- सौ. रुक्मणी नागर, सौ.सुशीला-पं.बालकृष्ण नागर
सौ.ममता-अभिलाष नागर (सभी खिलचीपुर)
सौ.सरला-पं.ओमप्रकाश नागर, सौ.उमा-सी.पी.नागर
सौ.सुधा-नवनीत मेहता (सभी उज्जैन)
सौ.किरण-कृष्णकुमार नागर, राजगढ़ (ब्यावरा)
सौ.ऊषा-अरुण मेहता एवं सौ. प्रतिभा-पवन मेहता, नरसिंहगढ़
सौ.अनिता-डॉ. धर्मेन्द्र नागर, नांदनी (कालापीपल)

माँ दुर्गा की सेवक प्रभु चरणन में समाई हमारी ममता-मूर्ति, हमारी माँ

माँ

की महानता पर एकाग्र यह संकलन माँ के प्रति आस्था रखने वालों को श्रद्धा से समर्पित।

स्व. श्रीमती राजेश्वरी व्यास

(धर्मपत्नी- श्री सन्तोष कुमार व्यास)

- जन्म -
16 मार्च 1947
(चैत्र कृष्ण नवमी)

-ब्रह्म शरणलीन-
3 फरवरी 2014, सोमवार
(माघ शुक्ल बसंत पंचमी)

हमारी माँ तुलसी है, वृन्दावन है, गिरिराज है माँ कल थी, कल रहेंगी आज है....

माँ का स्मरण आते ही तमाम थपकियाँ और आत्मीय स्पर्श याद हो आते हैं जिनको पाकर हम बच्चे से बड़े होते हैं। माँ की पवित्रता और महानता का एहसास इसी बात से किया जा सकता है कि बच्चों का सोच तो समय और उम्र के साथ बदलता जाता है, किन्तु माँ का वात्सल्य वहीं का वही रहता है। जीवन की खुशियों में माँ ईश्वर को मौन धन्यवाद देती रहती है और यदि संकट की घड़ी आ गई तब वह अविचलित होकर ऐसा धीरज देती है जो अन्यत्र नहीं मिलता। जीवन में जब-जब भी हमें आशीष, यश, समृद्धि और सफलता मिलती है तो लगता है कि माँ की प्रार्थनाएं, स्वीकार हो गई है। ईश्वर के बाद बस माँ के चेहरे और उसकी उपस्थिति से ही सारे संकट समाप्त हो जाते हैं। माँ भी एक ऐसी ही मआँ थी जिनकी मौजूदगी से व्यास परिवार में ममत्व और वात्सल्य के स्वर गूँजते रहे। उनका होना व्यास परिवार के लिये संस्कारों की मूरत का होना होता था। उनकी सीख और मशवरे अकाट्य होते थे। वे दृ.ढता से मुश्किलों का सामना करने का जज़्बा देती थीं। प्यार का सागर थी माँ। वे रही तो घर-आँगन वृन्दावन बना रहा। वे रहीं तो ईश्वर जैसे हमारे लिये प्रतिपाल उपलब्ध होता रहा।

माँ भरा-पूरा जीवन जी कर श्रीजी शरणलीन हो गई। मृत्यु अवश्यंभावी है लेकिन वह सात्विक और वैष्णवमय हो यह बड़भाग से ही संभव हो पाता है। माँ अनुपस्थित होकर हमारे जीवन और हमारी साँसों में विस्तृत हो गई। अब वे अमूर्त होकर हमें ज्यादा मूर्त दिखाई दे रही है। नसीहतों में, वात्सल्य में और करुणा में माँ हमेशा बनी है... बनी रहेगी। व्यास परिवार के सुख-दुख की साक्षी में माँ हमारे लिये अब ईश्वरीय अनुभूति हो गई है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था ईश्रर प्रत्येक स्थान पर उपस्थित नहीं हो सकता। उसीलिये उसने माँ बनाई। माँ एक सदाबहार वसंत हैं व्यास परिवा के लिये। उनके सुकर्म की अनुगूंज हमारे जीवन और कर्म में स्पदित होती रहेंगी।

माँ को प्रणाम हमारे...

मनीष व्यास, संदीप व्यास, स्वाति सेलट

प्रथम विवाह वर्षगांठ की बधाईयाँ

सौ. जिया (भानुप्रिया) नागर

(सुपुत्री : सौ.रुक्मणी देवी-रमेशकुमार नागर)

संग

चि.मननजी नागर

सुपुत्र : श्रीमती तारादेवी-श्री पुरुषोत्तमलालजी नागर

10 मार्च

शुभाकांक्षी :
दादी-श्रीमती कंकूबाई
स्व. श्री वालचन्दजी नागर,

मम्मी-पापा, चाचा-चाची एवं
छोटे भाई बहनों की तरफ से ढ़ेर सारी बधाईयाँ
फर्म : (1) एम.एल. एपेरल्स, एम.एल. फैशन्स,
सुधाश्री एपेरल्स
10/19, वेंगू स्ट्रीट, कोंडीथोपे, चैन्नई-79
फोन-044-25208389
मो. 09444088300, 09444963540
रमेशकुमार वालचन्द नागर
फ्लेट नं. 401, चौथी मंजिल फर्स्ट ब्लाक परिष्कार (1)
खोखरा सर्कल अहमदाबाद

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मनीष शर्मा द्वारा चैतन्य लोक प्रिंटर्स,
20, जूनी कसेरा बाखल, इन्दौर से मुद्रित एवं वहीं से प्रकाशित
सम्पादक : सौ. संगीता शर्मा (76) मो. 94250 63129
LATE POSTING